शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील
विकसित भारत समाचार
वर्ष : 09 | अंक : 313 | गुवाहाटी | सोमवार, 12 जून, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

जल-जमाव से डरने लगी गुवाहाटी, बाढ़ मुक्त गुवाहाटी के लिए कवायद तेज पेज 3
महारैली में मुख्यमंत्री ने भाजपा पर साधा निशाना पेज 4
आज का भारत मैत्री निभाना जानता है तो दुश्मन की मांद में घुसकर जवाब भी... पेज 5
राज्य सरकार जनता की ट्रस्टी : मुख्यमंत्री पेज 8

मुख्यमंत्री ने बाढ़ से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की

सड़कों पर खोदे गए गड्ढों को बंद करें या बेरिकेड्स लगाएं : हिमंत

गुवाहाटी (हि.स.)। मॉनसून की शुरुआत और राज्यभर में बारिश से बाढ़ की संभावना के मद्देनजर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को डीसी और राज्य प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक वीडियो कांफ्रेंस (वीसी) के जरिए आवश्यक कदम उठाने और बाढ़ की तैयारी और प्रतिक्रिया प्रणाली को तेज करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने यहां जनता भवन (असम सचिवालय) स्थित अपने कार्यालय कक्ष से वीडियो कांफ्रेंसिंग में कहा कि राज्य में मानसून के कारण बारिश होने से एनएचएआई, एनएचआईडीसी, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ सहित सभी सरकारी विभाग बाढ़ के साथ और प्रभावित लोगों तक पहुंचें और आपसी बातचीत के लिए सतर्क हो जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने प्रमुख सचिव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन ज्ञानेंद्र देव त्रिपाठी को संवेदनशील जिलों विशेषकर डिमा हसाउ में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ कर्मियों की पूर्वस्थापना के लिए कदम उठाने को कहा। उन्होंने एएसडीएमए को बाढ़ के संभावित खतरों के खिलाफ लोगों को जागरूक करने के लिए जोखिम संचार और पूर्व चेतावनी प्रणाली को सक्रिय करने के लिए भी कहा। निचले इलाकों में बाढ़ के पानी के डूबने की स्थिति -शेष पृष्ठ दो पर

चार संदिग्ध जिहादी पुनः गिरफ्तार

गुवाहाटी। जमानत पर बाहर आए चार संदिग्ध *जिहादियों* को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने असम में फिर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अब्दुस सोबाहन, जलालुद्दीन शेख और अब्दुस सोबान को ग्वालपाड़ा से तथा हाफिजुर रहमान को बंगाईगांव के कबैतारी से गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि उन्हें पिछले साल अगस्त में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन दो मई को जमानत दे दी गई। ग्वालपाड़ा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) वी.वी. राकेश रेड्डी ने बताया कि सोबहान ग्वालपाड़ा जिले के मोरनई में -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में सड़क दुर्घटनाओं की वृद्धि को लेकर डॉ. शर्मा चिंतित

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को राज्य के जिला उपायुक्तों के साथ एक वीडियो कांफ्रेंस के जरिए आगामी बाढ़ की स्थिति को लेकर विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। इस परिचर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने डिब्रूगढ़ में सड़क के गड्ढे की वजह से एक युवक की मौत के लिए जिला उपायुक्त को जवाबदेह ठहराया। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सड़क पर खोदे गए गड्ढें खोदने वालों के खिलाफ भी तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क पर खोदे गए गड्ढों के आसपाास लाल झंडे, बैनर और पोस्टर लगाने के भी निर्देश दिए हैं। बैठक में मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों के साथ संभावित बाढ़ से निपटने के तरीके पर चर्चा की। असम में सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि को लेकर मुख्यमंत्री चिंतित दिखे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी विभागों के अधिकारियों को सतर्क और तैयार रहने के सख्त निर्देश दिए हैं। दूसरी ओर, दो दिनों के भीतर -शेष पृष्ठ दो पर

असम में भूकंप

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के शोणितपुर जिला में रविवार को रिक्टर स्केल पर 3.6 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया है। भूकंप के चलते कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार रविवार को 11 बजकर 35 मिनट 58 सेकेंड पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.6 मापी गई। भूकंप का केंद्र असम के शोणितपुर जिले में जमीन के अंदर 5 किमी नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 26.72 उत्तरी अक्षांश तथा 92.47 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था।

सीएम के फर्टिलाइजर जिहाद का मुद्दा दोहराने पर विपक्ष का आरोप

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने एक बार फिर जैबिक खेती पर जोर देते हुए फर्टिलाइजर जिहाद को खत्म करने के अपने संकल्प को दोहराया है। उन्होंने प्राकृतिक खेती का आह्वान करते हुए कहा कि चुनाव के दौरान फर्टिलाइजर जिहाद के खिलाफ लड़ाई को लेकर किए गए अपने वादे पर बह कायम हैं। गुवाहाटी में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि हमारी मिट्टी और प्रकृति में इतनी शक्ति छिपी हुई है कि अगर हम उस शक्ति का उपयोग करना सीख जाएं तो यूरिया, -शेष पृष्ठ दो पर

14.16 करोड़ की ड्रग्स लेकर कतर से आने वाला सीमा पर गिरफ्तार

अगरतला। भारत-बांग्लादेश सीमा के एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने मिजोरम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 14.16 करोड़ रुपए की 2023 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। कस्टम के सहायक आयुक्त अभ्युदय गुहा ने कहा कि ड्रग पेडलर पी थॉमस दोहा (कतर) से बांग्लादेश की राजधानी ढाका आया था और फिर वह मिजोरम के सेरछिप -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

जुनमोनी राभा की मौत डीजीपी आज दिल्ली जाएंगे

गुवाहाटी। मोरीकोलॉन्ग सब-इंस्पेक्टर (एसआई) जुनमोनी राभा की संदिग्ध मौत के मामले में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह को नई दिल्ली में स्थित केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के कार्यालय का दौरा करने का निर्देश दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, सीआईडी असम से एसआई जुनमोनी राभा की मौत के मामले को संभालने वाली प्रमुख जांच पुलिस एजेंसी पर चर्चा करने के लिए डीजीपी सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी का दौरा करेंगे। मीडिया से बात करते हुए, असम के डीजीपी जीपी सिंह ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व -शेष पृष्ठ दो पर

असम ने 22,000 करोड़ रुपए का बकाया वापस ले लिया : रिपुन बोरा

गुवाहाटी। जहां असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का दावा है कि असम अगले तीन वर्षों के भीतर पंजाब की जीडीपी को पार कर जाएगा, वहीं विपक्ष लगातार आरोप लगा रहा है कि राज्य बड़े कर्ज में है। वित्तीय वर्ष 2021-22 की समाप्ति के बाद असम का प्रति व्यक्ति ऋण बोझ 26,771 रुपए होने का अनुमान है। राज्य के वित्त मंत्री अजंता नेउग के अनुसार, पिछले पांच वित्तीय वर्षों में प्रति व्यक्ति कर्ज का बोझ लगभग दोगुना हो गया है। हालांकि, नेउग ने यह भी कहा कि त्वरित अनुमान के अनुसार, प्रति व्यक्ति आय 1,02,965 रुपए और जीडीपी 4,12,162 करोड़ रुपए थी, जिसने 2021-22 में 16 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर दर्ज की। राज्य के वित्त मंत्री द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, असम सरकार ने 2021-2022 के दौरान विकास परियोजनाओं के लिए बाजार से 12,753 करोड़ रुपए (1.385 बिलियन डॉलर) उधार लिए। ग्रामीण अधोसंरचना के निर्माण के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर सरकार को घुटनों पर लाने की कुकियों की कोशिश

इंफाल। मणिपुर में चल रहे हिंसा के ताजा मामलों में तीन लोगों की मौत हो गई है, जिसके बाद कुकी समुदाय ने नेशनल हाइवे के कुछ हिस्सों को ब्लॉक कर दिया। ताजा हिंसा की घटनाओं में एक बुजुर्ग महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई तो वहीं दो अन्य घायल भी हुए हैं। हालांकि, अपराधी की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिट (सीओटीयू) की सदय हिल्स कमेटी ने कांगपोक्पी जिले में नेशनल हाइवे 2 के 13 किलोमीटर लंबे हिस्से को फिर से अवरुद्ध कर दिया है। आदिवासी संगठन ने दावा किया है कि सेना की वर्दी में -शेष पृष्ठ दो पर

Door graphic Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

देश के पहले राष्ट्रीय प्रशिक्षण कॉन्क्लेव का पीएम ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देश के पहले राष्ट्रीय प्रशिक्षण कॉन्क्लेव का उद्घाटन किया। अंतर्राष्ट्रीय एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर, प्रगति मैदान स्थित प्रशिक्षण कॉन्क्लेव में देशभर के सिविल सर्विसेज प्रशिक्षण संस्थान के प्रतिनिधि उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए थे। एक अधिकारी ने बताया कि सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण विभाग ने कार्यक्रम का आयोजन किया था। साथ ही कॉन्क्लेव का उद्देश्य सिविल सेवकों के प्रशिक्षण के बुनियादी ढांचे को भी मजबूत करना था। केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान, राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों और अनुसंधान संस्थानों सहित अन्य प्रशिक्षण संस्थानों के 1500 से अधिक -शेष पृष्ठ दो पर

विमान खराब मौसम के चलते पाकिस्तान के एयर स्पेस में पहुंचा

चंडीगढ़ (हि.स.)। अमृतसर हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाला विमान खराब मौसम के कारण गलती से पाकिस्तान पहुंच गया। करीब आधा घंटा पाकिस्तान की सीमा में रहने के बाद विमान वापस भारतीय सीमा में आ गया। जानकारी के अनुसार इंडिगो की फ्लाइट ने शनिवार रात भारतीय समय के अनुसार 8.01 मिनट पर अमृतसर हवाई अड्डे से अहमदाबाद के लिए उड़ान भरी। चंद मिनटों में ही मौसम खराब हो गया। हवा के साथ विमान -शेष पृष्ठ दो पर

कश्मीर में आईएसआई की खतरनाक साजिश बेनकाब

नई दिल्ली। कश्मीर घाटी में आतंकियों द्वारा संचार के पारंपरिक साधनों के इस्तेमाल में कमी आने के बीच पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकवादी समूहों के प्रमुखों द्वारा हथियार और संदेश ले जाने के लिए महिलाओं तथा किशोरों को शामिल करने की एक *खतरनाक साजिश* उजागर हुई है। सेना के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। श्रीनगर स्थित 15वीं कोर या चिनार कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल अमरदीप सिंह औजला ने कहा कि सुरक्षा बलों को सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार बैठे लोग मौजूदा शांतिपूर्ण हालात को बिगाड़ने की साजिश रचने में व्यस्त हैं। लेफ्टिनेंट जनरल औजला ने बताया कि आज का खतरा, जैसा कि मैं इसे देखता हूं, संदेश, मादक पदार्थ या कभी-कभी हथियार ले जाने में महिलाओं, लड़कियों और किशोरों को शामिल करना है। अब तक, सेना ने कुछ मामलों का पता लगाया है जो एक उभरती हुई प्रवृत्ति को उजागर करता है। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

वो जो अपने परिवार से अति लगाव रखता है भय और दुख में जीता है। सभी दुखों का मुख्य कारण लगाव ही है, इसलिए खुश रहने के लिए लगाव का त्याग आवश्यक है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

विदेशों में हिंदू धर्मस्थलों का कायाकल्प करा रही मोदी सरकार : जयशंकर

वाराणसी (हि.स.)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को काशी के विशिष्ट जनों से संवाद किया। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गांधी अध्ययनपीठ सभागार में प्रबुद्ध जनों के सम्मेलन में भाग लेने के पहले विदेश मंत्री ने शहर के विशिष्ट जनों, सम्पादकों, उद्यमियों से भारतीय विदेश नीति और मोदी सरकार के नौ साल की खास उपलब्धियों पर चर्चा की। विदेश मंत्री ने -शेष पृष्ठ दो पर

अल्फा का चरमपंथी खुद कूड़ा बीनने में जुटा

शिवसागर। प्रतिबंधित संगठन अल्फा के पूर्व लेफ्टिनेंट बिपुल कलिता से जुड़ी एक रोचक बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि कलिता को साफ-सफाई बेहद ही पसंद थी। जब वह किशोर था, तो उसने बंदूक की नोक पर शहर में सफाई करने की कोशिश की थी। हालांकि, बड़े होने पर वह वास्तविकता से रू-ब-रू हुए। आज का समय यह है कि वह असम में कचरा-संग्रह उद्यम चलाते हैं। कलिता ने करीब 12 साल तक प्रतिबंधित यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) के साथ काम किया। बाद में हथियार त्यागने का मन बनाया। साल 2000 में उन्होंने संगठन का साथ छोड़ दिया और तब से वह अपने पैतृक स्थान पर अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ बस गए। पहले कुछ वर्षों तक काम करने के बाद उन्होंने फैसला किया कि वह शहर में सफाई के लिए कुछ करेंगे। कलिता ने साल 2016 में एक उद्यमी बनने का फैसला किया और सात-आठ भागीदारों के साथ डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण उद्यम शुरू किया। कलिता ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने शिवसागर के 14 वार्डों में कचरा संग्रहण का काम शुरू किया। साथ ही, डिब्रूगढ़ में उचित अपशिष्ट निपटान के बारे में जागरूकता अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि शुरुआत में सात-आठ लोगों का एक समूह था। बाद में, अधिकतर लोगों ने साथ छोड़ दिया क्योंकि उनका मानना था कि ये एक उपयुक्त नौकरी नहीं है। उन्होंने बताया कि लोगों के लगातार साथ छोड़ने के बाद भी हार नहीं मानी। अपने एनजीओ रूपांतर के साथ अकेले काम करना जारी रखा। जल्द ही अन्य सामाजिक संगठनों के छह लोगों की मदद मिली। असम में, गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) शहरी क्षेत्रों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रह में लगे हुए हैं। अब उनके पास सात वाहन और कर्मचारी हैं। इन लोगों में ड्राइवर और अन्य सहयोगी शामिल हैं, जिनके पास कचरा संग्रह और निपटान का काम है। उन्होंने कहा कि हमारे साथ 20-25 महिलाएं भी काम कर रही हैं। कचरा संग्रहण के अलावा, हमारे पास कचरे को खाद में बदलने के लिए दो मशीनें हैं। ये मशीनें शिवसागर नगरपालिका बोर्ड द्वारा दी गई थीं। कलिता ने कहा कि हमें मशीन चलाना नहीं आता था। दिल्ली से आए लोगों ने हामारी टीम को कचरे को खाद में बदलने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

ईद पर गाय का दान और मनाया जाएगा रक्षाबंधन : मुस्लिम मंच

भोपाल (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक संगठन राष्ट्रीय मुस्लिम जागरण मंच अभ्यास वर्ग के अंतिम दिन रविवार को बड़ा फैसला लिया गया है। ईद उल-अजहा यानी बकरीद पर गाय का दान और गाय की सेवा का संकल्प दिलाया गया है। वहीं रक्षाबंधन पर सामूहिक राखी त्योहार मनाने का संकल्प भी पारित किया है। मप्र की राजधानी भोपाल में राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के चार दिवसीय अभ्यास वर्ग का रविवार को समापन हुआ। समापन सत्र में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार शामिल हुए। इसमें देश भर से सभी प्रदेश से मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी पहुंचे। इस दौरान मुस्लिम राष्ट्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

चाय-नाश्ते पर 14 महीने में 31 लाख का खर्च, विवादों में घिरे मुख्यमंत्री मान

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को खाने के बिल पर घेरने वाले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान खुद चाय-नाश्ते के बिल को लेकर विवादों में घिर गए हैं। महज 14 महीने में मुख्यमंत्री कार्यालय का करीब 31 लाख रुपए से अधिक का चाय-नाश्ते का बिल आ गया है। पटियाला निवासी गुरजत सिंह गोपालपुरी ने आरटीआई के जरिए यह जानकारी हासिल की है। आरटीआई के तहत मिली जानकारी में कहा गया है कि मार्च 2022 का चाय-नाश्ते का बिल 3.38 लाख रुपए था। मार्च के बाद अप्रैल 2022 में 2 लाख 73 हजार 788, मई में 3 लाख 55 हजार 795, जून में 3 लाख 25 हजार 248, जुलाई में 2 लाख 58 हजार 347, अगस्त में 2

लाख 33 हजार 305, सितंबर-अक्तूबर में 2 लाख 82 हजार 347 और 1 लाख 64 हजार 573, 1 नवंबर 1 लाख 39 हजार 630, दिसंबर 1 लाख 54 हजार 594 खर्च किया गया है। जनवरी 2023 में चाय पर 1 लाख 56 हजार 720, फरवरी में 1 लाख 62 हजार 183, मार्च में 1 लाख 73 हजार 208 और अप्रैल में 1 लाख 24 हजार 451 रुपए खर्च किए गए। उपरोक्त बिल सिर्फ मुख्यमंत्री कार्यालय के थे। वहीं भगवंत मान के रिहायश पर हुई बैठकों के बिल अगल से तैयार किए जाते हैं। कुछ महीने पहले बठिंडा के आरटीआई कार्यकर्ता संजीव गोयल की तरफ से मुख्यमंत्री निवास पर हुए खर्च का ब्योरा मांगा गया था। इसमें मार्च 2022 से जनवरी 2023 की जानकारी साझा की गई। मुख्यमंत्री मान की चंडीगढ़ स्थित रिहायश पर हुई सरकारी बैठकों में चाय, पानी और खाने आदि पर 11 महीनों में 24 लाख 96 हजार 640 रुपए खर्च किए गए।

आचार्य प्रमुख सागर जी महाराज ससंघ का गुवाहाटी चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

गुवाहाटी (विभास)। असम की प्रमुख धर्मपरायण नगरी गुवाहाटी की पुण्य धरा पर रविवार 11 जून 2023 को प्रात: 6 बजे असम के राजकीय अतिथि, अहिंसा तीर्थ प्रणेता आचार्य 108 श्री प्रमुख सागर जी महाराज ससंघ (13 पिच्छी) चतुर्विध संघ का भव्य आगमन आगामी 02 जुलाई 2023 से प्रारंभ होने वाले इस वर्ष के 27वें चातुर्मास हेतु हुआ है। आचार्य श्री ससंघ का नगर आगमन बहुत ही धूमधाम से गाजे-बाजे के साथ कराया गया। नगर आगमन के दौरान जगह-जगह श्रद्धालु भक्तों द्वारा आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती उतारी। इससे पहले पांडू जैन मंदिर से प्रात: बिहार करने के पश्चात मालीगांव चैत्यालय में आचार्य श्री ने दर्शन किए। उसके पश्चात भरलूमुख फूल बागान स्थित पेट्रोल पंप से भव्य शोभा यात्रा के साथ आचार्य श्री को महावीर स्थल में प्रवेश करवाया गया। उनकी यह यात्रा फूल बागान से एटी रोड, तीन नंबर रेल गेट होते हुए फैंसी बाजार बड़ा जैन मंदिर में आचार्य श्री ने ससंघ दर्शन व पूजन कार्य संपन्न किया। एमएस रोड स्थित महावीर स्थल में उनका भव्य स्वागत किया गया। उनके दर्शनार्थ असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया भी चतुर्मास स्थल पर पहुंचे। जहां आचार्य श्री ने उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर दिगंबर जैन पंचायत गुवाहाटी के अध्यक्ष महावीर जैन ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि आचार्य प्रमुख सागर जी महाराज पहले जैन आचार्य है जिनको पूर्वोत्तर में असम सरकार ने राजकीय सम्मानीय अतिथि के रूप में स्वागत किया है। गुवाहाटी महानगर में इन के आगमन से पूर्व इंद्र देव ने भी अपनी बौछार से पूरी महानगरी को धोकर पवित्र कर दिया। आचार्य श्री के भक्तों को कोई कष्ट न हो इसके लिए इन्द्र ने फूल बागान में उनके पाद प्रक्षालन के पश्चात बारिश को रोक कर शोभा यात्रा को आगे बढ़ने में अपना आशीर्वाद दिया। आचार्य श्री गुवाहाटी से 1200 किलोमीटर दूर शिखर जी से 81 दिन की यात्रा करते हुए पूर्वोत्तर की गुवाहाटी नगरी में पधारे हैं। जो सकल दिगंबर जैन समाज के लिए परम सौभाग्य की बात है। इस अवसर पर प्रवचन देते हुए आचार्य श्री प्रमुख सागर जी महाराज ने कहा असम व पूर्वोत्तर की तस्वीर व तकदीर बदल रही है। असम की तस्वीर राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया बदल रहे हैं तथा तकदीर का बदलाव साधु संत कर रहे हैं। पूर्वोत्तर में अब साधु संतों का आगमन होने लगा है। जिसके चलते यह धरती पवित्र और पावन हो रही है। असम आना आसान नहीं है। पर असम में आए वो आसमान को छू ले तो इसमें आश्चर्य की बात नहीं है। गुवाहाटी, गुलाबचंद कटारिया और गुरु देव इन तीनों के प्रथम अक्षर गु ब्रह्मा, विष्णु, महेश की तरह है।

हैलाकांदी में पकड़े गए सात बर्मीज मवेशी

हैलाकांदी (हिंस)। हैलाकांदी जिलांतर्गत इलाके में सात बर्मीज (म्यांमार) से तस्करी कर लाई गई गायों को पकड़ा गया है। लाला पुलिस ने आज बताया कि लाला और कलासाड़ा पुलिस ने सात बर्मीज गायों को बरामद किया है। असम-मिजोरम सीमावर्ती लालछड़ा वन गांव से लाला पुलिस थाना के अधिकारी जय शंकर ओयारी के नेतृत्व में पुलिस ने सात बर्मीज गायों को पकड़ा गया।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे राम मंदिर के दरवाजों के लिए लकड़ी करेंगे भेंट

अयोध्या (हि.स.)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भव्य राम मंदिर के लिए महाराष्ट्र के सागौन की खेप भेंट करेंगे। इसके लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से समय मांगा है। यह समय मिलने के बाद काष्ठ समर्पण समारोह की तिथि तय की जाएगी। कोशिश है कि जून माह के अंतिम सप्ताह में यह समारोह हो। समारोह में अयोध्या के संतों को भी आमंत्रित करने की योजना है। शिवसेना के उप्र प्रभारी विक्रम प्रताप सिंह ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का समय मांगा गया है। इसके बाद ही इस समारोह की तिथि तय होगी। महीने के अंत में मुख्यमंत्री शिंदे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सागौन की लकड़ी की खेप सौंपने के लिए अयोध्या जा सकते हैं। वह महाराष्ट्र के चंद्रपुर के जंगलों से लाई गई सागौन की लकड़ी सौंपेंगे। इसका उपयोग राम मंदिर के लिए दरवाजे और अन्य लकड़ी के काम के लिए किया जाएगा। राममंदिर में महाराष्ट्र से आने वाले दिनों में इस तरह की और खेप लाई जाएगी।

दो ट्रकों के बीच टक्कर, एक की मौत

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज जिला अंतर्गत बदरपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-6 पर हुए एक सड़क दुर्घटना में एक ट्रक चालक की मौत हो गई जबकि दूसरा चालक गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने आज बताया कि बदरपुर से करीमगंज की ओर जा रहे ट्रक (एएस-01जीसी-7447) की विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक (एएस-01ईसी-7978) से आमने-सामने की टक्कर हो गई।

पृष्ठ एक का शेष

सड़कों पर खोदे ...

में मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों (डीसी) को राहत शिविर स्थापित करने और राहत वितरण केंद्रों में भी राहत वितरण को कारगर बनाने के लिए कहा। उन्होंने डीसी से कहा कि वे पिछले वर्ष के तटबंध प्रभावित वाले क्षेत्रों का दौरा करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं ताकि उनकी पहचान की जा सके और इसके अनुसार एहतियाती उपाय किए जा सकें। उन्होंने उपायुक्तों को संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में जियो बैग उपलब्ध कराने को भी कहा। उन्होंने उपायुक्तों को अपने-अपने जिलों में खाद्य सामग्री के उपलब्ध स्टॉक और बफर स्टॉक और चारा स्टॉक की उपलब्धता का आकलन करने के लिए भी कहा। उन्होंने पिछले साल कछार जिले में तटबंध को हुए नुकसान का जिक्र किया करते। इसके कारण ही सिलचर शहर और इसके आसपास के क्षेत्रों में बहुत व्यापक प्रभाव के साथ विनाशकारी बाढ़ आई थी। मुख्यमंत्री ने तटबंधों को नुकसान पहुंचा सकने वाले असामाजिक तत्वों पर भी नजर रखने को कहा। उन्होंने उपायुक्तों को संबंधित जिलों के लिए एक आकस्मिक योजना तैयार करने को कहा है। राहत शिविरों में डॉक्टरों और नर्सों को किसी भी चिकित्सा आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रखने को कहा है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने डीसी कामरूप (मेट्रो) को जिले के 382 भूस्खलन संभावित क्षेत्रों पर निरंतर निगरानी रखने और भारी और लगातार बारिश के मामले में आवश्यक कदम उठाने के लिए भी कहा। जीएमसी आयुक्त मेघा निधि दहल को बारिश के दौरान पानी की समुचित निकासी के लिए नालियों की सफाई कराने इलाकों में लगे वाटर सेक्शन पंपों की कार्य स्थिति का भी जायजा लेने का निर्देश दिया है। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी उपायुक्तों से निर्माण कार्य के लिए खोदे गए गड्ढों को प्राथमिकता के आधार पर बंद करने और निर्माण कार्य के लिए खुले गड्ढा के आसपास बैरिकेड्स और लाल रिबन लगाने को कहा है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सभी उपायुक्तों से एक फोन नंबर जारी कर निवासियों से सड़क पर खुले गड्ढे होने की सूचना स्थानीय प्रशासन को देने के लिए जागरूक करने का भी निर्देय दिया है। डॉ. शर्मा ने पीडब्ल्यूडी, एनएचएआई, एनएचआईडीसीएल को बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में विशेष रूप से पहाड़ी जिलों और बराक घाटी जिलों की ओर जाने वाली सड़कों के साथ सड़क की स्थिति को देखने और आकस्मिक उपाय करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नागरिकों के मुद्दों और चिंताओं को दूर करने के लिए चौबीस घंटे उपलब्ध रहने को कहा है। वीसी के दौरान जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका के साथ ही सेना और वायु सेना सहित सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। वीसी में राजस्व मंत्री जोगेन मोहन भी वर्चुअली जुड़े रहे।

चार संदिग्ध जिहादी ...

तोकुनिया शांतिपुर मस्जिद का इमाम था, जबकि जलालुद्दीन तिलपाडा में एक मस्जिद का इमाम था। उन्होंने बताया कि दोनों रिश्तेदार हैं और कट्टरपंथी गतिविधियों में शामिल पाए गए। एसपी ने बताया कि सोबान और रहमान भी देश विरोधी गतिविधियों में शामिल थे।

राज्य में सड़क ...

सभी गड्ढों में बैरिकेड लगाने के आदेश भी जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने संभागीय अधिकारियों को एक और निर्देश जारी किया है कि वे किसी भी इलाके में गड्ढे खोदे गए हैं या गड्ढे हैं। उसके बारे में जनता को सूचित करने के लिए संपर्क नंबर जारी करें। मुख्यमंत्री ने जिला उपायुक्तों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से निर्देश दिए कि प्रत्येक सड़क पर खोदे गए गड्ढों के संबंध में आवश्यक कदम जल्द से जल्द उठाएं जाएं। वहीं, दूसरी ओर बाढ़ को लेकर सभी जिलों में आवश्यक तैयारियां करने तथा अत्यावश्यक सामग्रियों की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में गुवाहाटी और डिब्रूगढ़ में सड़क किनारे खोदे गए गड्ढे में गिरने से दो लोगों की मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में गुवाहाटी और डिब्रूगढ़ के जिला उपायुक्त से जवाब मांगा है।

सीएम के फर्टिलाइजर ...

फॉस्फेट, नाइट्रेट की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि जिस समय वह असम की सत्ता में आए थे तब उन्होंने सार्वजनिक मंच पर एक बात कही थी कि हमारे राज्य में खादय सामग्री उगाने के लिए फर्टिलाइजर का उपयोग किया जा रहा है, जो लंग्स और हार्ट संबंधी बीमारियों का कारण बन रहा है। उनकी इस टिप्पणी को राज्य में बसी बंगाली मुस्लिम आबादी से जोड़कर देखा जा रहा है। असम के बड़े हिस्से में बंगाली मुस्लिम खेती करते हैं। ऐसे में विपक्ष उनकी टिप्पणी को बंगाली मुस्लिमों पर केंद्रित मान रहा है। यह पहली बार नहीं है जब हिमंत विश्व शर्मा ने फर्टिलाइजर का मुद्दा उठाया है। साल 2021 के विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान, उन्होंने कहा था कि असम खरुपेटिया और दलगांव में रहने वाले कुछ लोग रासायनिक खेती करते थे। उस समय शर्मा सर्वानंद सोनोवाल की सरकार में स्वास्थ्य मंत्री थे। उन्होंने जिस क्षेत्र का जिक्र किया था, वह दरंग जिले में स्थित है। इस इलाके में बंगाली मूल के मुसलमानों का वर्चस्व है और यहां सबसे ज्यादा सब्जियां उगाई जाती हैं। गुवाहाटी समेत अन्य क्षेत्रों में यहीं से सब्जियों की आपूर्ति की जाती है। उन्होंने कहा कि जोरहाट, शिवसागर और अन्य ऊपरी असम जिलों के लोग खरुपेटिया और दलगांव सब्जियों पर निर्भर हैं, लेकिन वे किसान सब्जियों के तेजी से उत्पादन और संरक्षण के लिए खतरनाक रसायनों का इस्तेमाल करते हैं। ऑल असम माइनोरिटी स्टूडेंट्स यूनियन के महासचिव मिनातुल इस्लाम ने कहा कि इस तरह की बात करना मुख्यमंत्री कार्यालय की गरिमा को शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा कि सच तो यह है कि राज्य के अधिकांश हिस्से को खिलाने का काम अल्पसंख्यक समुदाय विशेष रूप से मुसलमानों दवारा किया जाता है। बे अपनी फसलों को उगाने के लिए पूरे मौसम मेहनत करते हैं। ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक यूनाइटेड फ्रंट के महासचिव अमीनुल इस्लाम ने कहा कि फर्टिलाइजर का अनियंत्रित उपयोग सरकारी बिफलता का नतीजा है। उन्होंने कहा कि फर्टिलाइजर और कीटनाशक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं और राज्य के खाद्य और कृषि विभागों को इसे नियंत्रित करने एवं उनके वैज्ञानिक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। सरकार ऐसा नहीं कर पा रही है... एक बार इसक्रे लिए भी जिहाद शब्द का इस्तेमाल कर दिया जाए और पूरी जिम्मेदारी एक समुदाय विशेष से जोड़कर एक गंभीर मुद्दे को हल्का बना देता है। वहीं, कांग्रेस के बारपेटा सांसद अब्दुल खालिक ने कहा कि मुख्यमंत्री नफरत के जरिए बोट प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं और मुसलमानों को निशाना बना रहे हैं।

14.16 करोड़ की ड्रग्स ...

जिले में अपने घर जाने के लिए शनिवार दोपहर अगरतला-अखौरा आईसीपी आया। कस्टम के सहायक आयुक्त अभ्युदय गुहा ने मीडिया को बताया कि उनके सामान की गहन तलाशी के दौरान हमें एक्स-रे ब्लॉकिंग पेपर बोर्ड में लिपटे 2023 ग्राम हेरोइन के दो पैकेट मिले। उन्होंने कहा कि बरामद हेरोइन को इस तरह छुपाया गया था कि एक्स-रे मशीन भी उसका पता नहीं लगा सकी थी। अधिकारी ने कहा कि सीमा शुल्क अधिकारियों की केवल एक सुनियोजित और त्वरित कार्रवाई ने आरोपी की आपराधिक साजिश को नाकाम कर दिया। आरोपी को नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया है।

जुनमोनी राभा की...

शर्मा के निर्देश पर, मैं सोमवार को सीबीआई कार्यालय का दौरा करूंगा। हम नई दिल्ली में सीबीआई के शीर्ष अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे। उम्मीद है कि चर्चा के बाद एसआई जुनमोनी राभा की मौत का मामला सीबीआई को स्थानांतरित कर दिया जाएगा। विशेष रूप से, सीबीआई केवल केंद्र शासित प्रदेशों में अपराधों की जांच कर सकती है। हालांकि, केंद्र सरकार किसी राज्य में किसी अपराध की जांच के लिए सीबीआई को अधिकृत कर सकती है, लेकिन इसमें संबंधित राज्य सरकार की सहमति होनी चाहिए। इसके अलावा, सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय भी राज्य की सहमति के बिना सीबीआई को देश में कहीं भी अपराध की जांच करने का आदेश दे सकते हैं। इससे पहले 20 मई को असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह ने आधिकारिक तौर पर कहा था कि मामले से जुड़े हर कोण की समीक्षा करने और सीआईडी असम और असम पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ चर्चा के बाद असम सरकार ने नगांव और लखीमपुर जिलों में दर्ज सभी चार मामलों की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सीबीआई को स्थानांतरित करने की सिफारिश की है। इसके अलावा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के साथ चर्चा के बाद, असम पुलिस ने यह भी निर्णय लिया था कि उपरोक्त जिलों से जुड़े सभी पुलिस अधिकारियों का तबादला किया जाएगा। डीजीपी जीपी सिंह ने गुवाहाटी में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि मैं यह भी रिकॉर्ड पर रखना चाहता हूं कि सीबीआई को जांच ट्रांसफर करने का मेरा यह फैसला दो आधारों पर लिया गया है। एक तो जनभावनाएं, उनकी इच्छाएं और मामलों को सीबीआई को ट्रांसफर करने की मांग और दूसरा हमारे ही एक अधिकारी की जान चली गई है, इसलिए उचित समझा जाता है कि मामले की जांच निष्पक्ष एजेंसी से हो। हालांकि, पिछले तीन दिनों में सीआईडी असम की जांच को देखने के बाद मैं यह भी कहना चाहूंगा कि मेरा यह फैसला किसी भी तरह से सीआईडी असम की पेशेवर क्षमता पर सवाल नहीं उठाता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान सीआईडी असम ने जो क्षमता प्रदर्शित की है, उसके लिए मेरे मन में उनके प्रति बहुत सम्मान है और पिछले कुछ वर्षों में सीआईडी असम को सौंपे गए सभी मामलों की जांच की गई है और उन्हें तार्किक निष्कर्ष पर ले जाया गया है। हालांकि, शीर्ष पुलिस अधिकारी ने यह भी सूचित किया था कि असम पुलिस ने राज्य सरकार को मामले सहित सभी चार मामलों (नगांव थाने का मामला संख्या 443/23) को स्थानांतरित करने की सिफारिश करने का फैसला किया है, जिसकी जांच एसआई राभा ने सीबीआई को की थी। मामला 5 मई, 2023 को दर्ज किया गया था।

असम ने 22,000 करोड़ ...

वित्तीय संस्थाओं ने 94 करोड़ रुपए तथा विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार ने 157.34 करोड़ रुपए, पूंजीगत परियोजना कार्यान्वयन के लिए 600 करोड़ रुपए तथा राज्य भविष्य निधि से 2,252.10 करोड़ रुपए का ऋण दिया है। विपक्ष का आरोप है कि हिमंत विश्व शर्मा की लोकलुभावन योजनाओं को जारी रखने के लिए असम गंभीर कर्ज में डूब गया है। राज्य में तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष रिपुन बोरा ने आईएएनएस को बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष के अंत में असम का बकाया ऋण 1,34,000 करोड़ रुपए था। 2016 में, राज्य में भाजपा के सत्ता में आने से पहले, असम में केवल कुल उधारी में 35,000 करोड़ रुपए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भारी कर्ज लेने के बावजूद राज्य सरकार विभिन्न सरकारी परियोजनाओं पर काम कर रहे ठेकेदारों का बकाया नहीं चुका पा रही है। बोरा ने कहा कि ठेकेदारों के 22,000 करोड़ रुपए के भुगतान लंबे समय से लंबित हैं। राज्य सरकार अनुबंधित सरकारी कर्मचारियों के वेतन का भुगतान भी समय पर नहीं कर सकती है। तृणमूल कांग्रेस नेता के मुताबिक असम में जल्द ही भारी संकट आने वाला है। एक अन्य विपक्षी विधायक अखिल गोगोई ने दावा किया कि असम की आर्थिक स्थिति निकट भविष्य में श्रीलंका जैसी होने वाली है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि वित्तीय अनुशासनहीनता के कारण केंद्र ने असम सरकार को कर्ज देना बंद कर दिया है। हालांकि अजंता नेउग ने विपक्षी नेताओं के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारें आरबीआई के नियमों और राज्यों के 2003 के एफआरबीएम (राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन) अधिनियम के अनुसार पैसा उधार लेती हैं। मंत्री ने आगे दावा किया कि आरबीआई मानकों के अनुसार, राज्य सरकार ने अधिकतम संभव राशि उधार नहीं ली। उनके अनुसार, सरकार राज्य के विकास के लिए ऋण आय का उपयोग करती है। विशेष रूप से, पिछले वर्ष में, असम सरकार ने अपने ऋण-सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) अनुपात को बढ़ाने के लिए एक विधेयक पारित किया। उस समय, कांग्रेस, एआईयूडीएफ और एक निर्दलीय विधायक ने सरकारी ऋण में वृद्धि के विरोध में सदन से बहिर्गमन किया, लेकिन असम राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एएफआरबीएम) (संशोधन) विधेयक, 2022 को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। बिल के अपनाने के साथ, 2022-2023 से शुरू होने वाले अगले पांच वित्तीय वर्षों में ऋण-से-सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) अनुपात वर्तमान 28.5 प्रतिशत से बढ़कर 32 प्रतिशत हो जाएगा। 2022-23 से 2024-25 के लिए 4 प्रतिशत की अनिवार्य सीमा से ऊपर और परे अतिरिक्त उधारी अधिकतम सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 0.50 प्रतिशत तक बढ़ा दी गई है। इस बीच, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) ने भी हाल ही में उधार लेने में वृद्धि के लिए असम सरकार की आलोचना की। इसने बताया कि असम का बकाया कर्ज 2017-18 में 49,274.88 करोड़ रुपए से *तेजी से बढ़कर* 2021-22 में 99,918.54 करोड़ रुपए हो गया है। कैग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अपने सार्वजनिक ऋण की बढ़ती विकास दर को देखते हुए, राज्य सरकार अपने स्वयं के राजस्व को बढ़ाने और अपने राजस्व व्यय को कम करने के प्रयास कर सकती है ताकि सार्वजनिक ऋण और ब्याज देनदारियों के पुनर्भुगतान पर दबाव से बचा जा सके।

मणिपुर सरकार को ...

कुछ बंदूकधारियों ने कांगपोक्पी और इंफाल जिले को जोड़ने वाली सीमा पर कुकी बहुल गांव खोकेन पर हमला किया। सीओटीयू के प्रवक्ता रेव के सितहो ने कहा कि खोकेन गांव में हुए हमले के बाद आर्थिक नाकाबंदी को फिर से लागू करने का निर्णय लिया गया। यह फिलहाल अनिश्चित समय तक रहेगा। गृहमंत्री अमित शाह ने मणिपुर में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एनएच2 पर नाकाबंदी हटाने की अपील की थी, जिसके बाद सीओटीयू ने 5 जून से सात दिनों के लिए नाकाबंदी को अस्थायी रूप से निलंबित करने का निर्णय लिया था। कुकी समूह ने एक बयान जारी करते हुए कहा था कि केवल आवश्यक वस्तुओं और चिकित्सा संबंधी चीजों की आपूर्ति के लिए सुबह 10 से दोपहर के दो बजे तक केंद्रीय बलों के एस्कॉर्ट के साथ हाइवे पर यातायात की अनुमति दी गई है। तीन मई से शुरू हुए मणिपुर हिंसा में अबतक 105 लोग मारे गए और 300 के करीब घायल हुए हैं। लगभग 40,000 लोगों को हिंसाग्रस्त क्षेत्रों से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचया गया है।

देश के पहले राष्ट्रीय...

प्रतिनिधियों ने कॉन्क्लेव में भाग लिया था। इसके अलावा केंद्र सरकार, राज्य सरकार के अधिकारी भी शामिल हुई थे। कॉन्क्लेव में कई प्राइवेट क्षेत्र के विशेषज्ञ भी शामिल हुए थे। अधिकारी ने बताया कि कॉन्क्लेव में कई विचारों का आदान-प्रदान होगा, चुनौतियों के बारे भी बात की जाएगी। नए अवसरों की तलाश और क्षमता निर्माण के लिए व्यापक रणनीति तैयार की जाएगी। कॉन्क्लेव में आठ पैनलों की चर्चा हुई। यहां प्रशिक्षण संस्थानों में आ रही परेशानियों के बारे में भी बताया गया।

विमान खराब मौसम के ...

पाकिस्तान एयर स्पेस में चला गया। पाकिस्तान नागरिक उड्डयन अथॉरिटी के अनुसार यह फ्लाइट लाहौर के पास पाकिस्तान में भटक गई और गुजरांवाला तक चली गई। पाकिस्तान फ्लाइट रडार के अनुसार, इंडिगो विमान लगभग 8 बजे (भारतीय समय अनुसार) प्रवेश किया और रात 8:31 (भारतीय समय अनुसार) बजे भारत लौट गया।

अल्फा का चरमपंथी...

प्रशिक्षित किया था। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के लिए आवश्यक रसायन को राजधानी से मंगाना पड़ता है, जो एक समस्या रही है। वहीं, उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी चुनौती हमारे सामने पैसों की है। क्योंकि यह उद्यम केवल घरों और व्यावसायिक भवनों से एकत्र किए गए मामूली मासिक शुल्क पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि हमें प्रति परिवार प्रति माह 60 रुपए मिलते हैं, जिसमें से हम नगरपालिका बोर्ड को 10 रुपए का भुगतान करते हैं। वाणिज्यिक भवन मासिक शुल्क के मामले में थोड़ा अधिक भुगतान करते हैं, लेकिन हमें इसका 50 प्रतिशत बोर्ड को देना होता है। उन्होंने नगर निगम बोर्ड से अपील की है कि टैक्स माफ कर दिया जाए, जिससे कुछ मार्जिन मिल सके। प्रतिबंधित अल्फा के सदस्य के रूप में काम करने पर कलिता ने कहा कि सन् 1986 में एक पड़ोसी से प्रभावित होकर अल्फा में शामिल हो गया था। मैं उस समय लगभग 17-18 साल का था। उस समय संगठन द्वारा प्रचारित विचारधारा सही लगती थी। इस दौरान म्यांमार के काचिन प्रांत में रहे, यहां प्रशिक्षण शिविरों तक पहुंचने से पहले ही कई लड़कों की मृत्यु हो गई थी। अज्ञात बीमारियों ने हम लोगों को जकड़ लिया और कोई दवा नहीं थी। फिर भी हम जीवित रहे और तीन-चार साल बाद असम लौट आए। कलिता ने कहा कि अब समय बदल गया है। जब हमने हथियार उठाए थे, वह एक अलग उम्र थी। हम अब संगठन और सरकार के बीच शांति वार्ता का अनुशरण कर रहे हैं, लेकिन कुछ भी नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि मेरे जैसे कई लोगों को हमारे आत्मसमर्पण के बाद सरकार से कोई वित्तीय सहायता नहीं मिली। हमें उम्मीद है कि प्रशासन सहानुभूति रखेगा और हमारी मदद करेगा।

ईद पर गाय का ...

मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि इस अभ्यास वर्ग में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं को छह संकल्प दिलाए हैं। इंद्रेश कुमार ने कहा कि 21 जून को योग दिवस है। प्रस्ताव पास किया गया है कि मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की ढाई हजार इकाइयां इसे मनाएंगी। योग किसी मजहब, जाति से नहीं है। दूसरा प्रस्ताव यह पारित हुआ है कि अभी मजहब ए इस्लाम की ईद-उल जुहा आएगा। इसे कई लोग गलती से बकरीद कहते हैं, जबकि अरबी भाषा में बकर शब्द गाय के लिए है। वह गाय की ईद थी, गफलतों में हिंसा की ईद बन गई। दूसरे प्रस्ताव में तय हुआ है कि ईद-उल जुहा पर गाय की सेवा करेंगे। गाय का दान करेंगे। तीसरे प्रस्ताव में घर-घर, गली-गली रक्षा बंधन कार्यक्रम कराएंगे।

विदेशों में हिंदू धर्मस्थलों ...

बताया कि मोदी सरकार विदेशों में भी हिंदू मंदिरों का कायाकल्प करा रही है। आबूधाबी में बन रहा मंदिर इस साल के अंत में पूरा हो जाएगा। बहरीन और फ्रांस में मंदिर निर्माण की अनुमति मिल गई है। न्यूयार्क में भी मंदिर निर्माण के प्रयास जारी हैं। हमारा प्रयास यह भी है कि विदेशों में स्थित पुराने मंदिरों का जीर्णोद्धार किया जाए। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्रालय में सांस्कृतिक संरक्षण के लिए एक विभाग की स्थापना की गई है। कंबोडिया, वियतनाम सहित कई देशों में भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए अभियान भी चलाए जा रहे हैं। नेपाल, चीन और पाकिस्तान की सीमा पर स्थाई बाउंड्री वॉल से जुड़े सवाल पर विदेश मंत्री ने कहा कि नेपाल से हमारा रिश्ता रोटी-बेटी का है। भारत के मित्र देश में शुमार नेपाल में हमारी खुली सीमाएं हैं। सीमा सील करने या किसी तरह की दीवार से दुनिया में गलत राजनीतिक संदेश जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकास मंत्रियों की बैठक के लिए काशी को चुना है ताकि दुनिया में काशी की सांस्कृतिक विरासत का संदेश पहुंचे। विकास मंत्रियों की बैठक के बाद जी-20 का सांस्कृतिक सम्मेलन भी काशी में होगा। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार रविंद्र जायसवाल, डॉ. दयाशंकर मिश्र *दयालु*, भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल, प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश, प्रदेश संयोजक मनोज शाह, एमएलसी अशोक धवन, भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, विधायक डॉ. अवधेश सिंह, महापौर अशोक तिवारी समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

कश्मीर में आईएसआई ...

कहा कि यह अपने आप में एक खतरनाक प्रवृति है जिसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और तंजीम (आतंकवादी समूहों) के प्रमुखों ने अपनाया है। हम अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर इससे निपटने पर काम कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या इसका मतलब यह है कि आतंकवादी समूहों ने मोबाइल संचार का इस्तेमाल करना बंद कर दिया है, सैन्य अधिकारी ने कहा कि तकनीकी खुफिया स्तर पर सबूत काफी कम हो गए हैं। साथ ही, आतंकियों के संदेशवाहक के रूप में काम कर चुके कई लोगों को पकड़ा गया है।

स्वर्वेद भाष्य

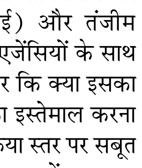

चतुर्थ मंडल **त्रयोदश अध्याय**

(गुरु-वंदना)

गुरु महिमा को कहि सके, थकित शारदा शेष।
जिन जाना तिन पाइया, सद्गुरु चरण अशेष॥ 29॥

शब्दार्थ : (महिमा) महत्व (शारदा) सरस्वती (शेष) अनंत (अशेष) पूर्ण।

भाष्य : गुरु की महिमा का वर्णन करने में वाणी अंत में असमर्थ हो कर थक जाती है। जिन्होंने सद्गुरु के चरणों में पूर्ण स्नेह किया, उन्होंने ही उनकी महिमा जानकर पूर्ण परमपद को प्राप्त किया।

अनन्य भाव गुरु शरण में, अरु आस्तिक्य विचार।
अज्ञा में जीवन चरे, खुल सुख सेन्धु दुवार॥ 30॥

शब्दार्थ : (अनन्य भाव) एकभाव (आस्तिक्य) गुरु पद पर पूर्ण विश्वास (सुख सेन्धु) सुख का सागर (दुवार) फाटक (खुल) किवाड़ का हट जाना, अंदर प्रवेश करने का पथ प्राप्त हो जाना।

भाष्य : सद्गुरु-शरण में अनन्यभाव और उनके पद पर ज्ञान के साथ पूर्ण विश्वास रख, उनकी आज्ञा में जीवन चलाने से परम सुख का द्वार खुल जाता है। सद्गुरु द्वारा ही उत्कृष्ट प्रकाश के द्वार की प्राप्ति होती है।

जल-जमाव से डरने लगी गुवाहाटी, बाढ़ मुक्त गुवाहाटी के लिए कवायद तेज

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी में बरसात का मौसम निवासियों के लिए बड़ी परेशानी बनकर हर बार सामने आता है। राज्य सरकार और संबंधित विभाग हर साल गुवाहाटी में होने वाले भारी जलजमाव से छुटकारा दिलाने का दावा तो करते हैं, लेकिन दावा हर बार विफल हो जाता है। इस बार भी बरसात लोगों को डराने लगी है। हल्की सी बरसात के बाद गुवाहाटी के विभिन्न इलाकों में जल जमाव की स्थिति देखने को मिल रही है। गुवाहाटी जल जमाव से मुक्त बनाने के लिए मिशन बाढ़ मुक्त गुवाहाटी को लेकर तैयारियां शुरू की गई हैं। विभिन्न विभागों को बरसात से पहले ही सभी नालों, नदियों की सफाई कि जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इस बार राज्य सरकार और संबंधित विभाग गुवाहाटी को जल जमाव मुक्त बनाने

का दावा कर रहे हैं, लेकिन स्थिति पूर्व की तरह ही नजर आ रही है। जल जमाव से निपटने के लिए असम के आवास एवं शहरी कार्य तथा सिंचाई मंत्री अशोक सिंघल ने जनता भवन (असम सचिवालय) स्थित अपने कार्यालय के सभा कक्ष में आवास एवं शहरी कार्य विभाग, लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, गुवाहाटी नगर निगम आदि के आला अधिकारियों के साथ *मिशन बाढ़ मुक्त गुवाहाटी* पर बीते कल महत्वपूर्ण बैठक कर हालात का जायजा लिया। बैठक में मंत्री सिंघल ने मानसून के मौसम में कृत्रिम बाढ़ की समस्या से गुवाहाटी शहर के लोगों को ज्यादा परेशानी न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए *मिशन फ्लड फ्री गुवाहाटी* के तहत विभिन्न विभागों को सौंपी गई जिम्मेदारियों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की और कार्य क्षेत्र में आने वाली कठिनाइयों को प्रभावी ढंग से हल करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि मिशन बाढ़ मुक्त गुवाहाटी के तहत गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए), जल संसाधन विभाग, लोक निर्माण विभाग, गुवाहाटी नगर निगम आदि को शहर में विभिन्न नदियों और नालों की सफाई के लिए विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं, संबंधित विभागों के अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि उनके कार्य में काफी प्रगति हुई है। मंत्री ने शहर के वायरलेस, हातीगांव, रुक्मिणीगांव आदि क्षेत्रों में चल रहे कार्यों की समीक्षा के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों के संयुक्त निरीक्षण का भी निर्देश दिया।

मादक पदार्थ खरीदने दुकान पर पहुंचे दो युवक गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के जोरशिमुली में प्रतिबंधित मादक पदार्थ के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आज बताया है कि जोरशिमुली चाराली चौक इलाके से ड्रग्स खरीदने आए दो युवकों को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए दोनों नशेड़ियों की पहचान पुरानकुसिया निवासी शरीफुल इस्लाम और कंदुलिमारी निवासी बक्कर अली के रूप में किया गया है। गिरफ्तार किए गए दोनों युवकों के पास से मादक पदार्थों से भरा प्लास्टिक का एक कंटेनर और एक सिरिंज बरामद की गई है। नशे के आदी दोनों युवकों को स्थानीय लोगों ने पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानन्द राय ने सीसुब फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी का किया दौरा

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानन्द राय ने सीमा सुरक्षा बल (सीसुब) के फ्रंटियर मुख्यालय का दौरा किया। उन्होंने सीसुब की जिम्मेदारी के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा एवं तैयारियों का

जायजा लिया। सीसुब के सूत्रों ने आज बताया है कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री शनिवार को सीसुब फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी पहुंचे थे। गुवाहाटी के पाटगांव स्थित सीसुब परिसर में उनके आगमन पर गुवाहाटी फ्रंटियर के महानिरीक्षक दिनेश कुमार यादव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने बल की परंपरा के अनुसार उनका स्वागत किया। फ्रंटियर गुवाहाटी के अंतर्गत सीसुब भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले एवं असम के धुबड़ी और दक्षिण सालामारा जिलों में तैनात है। यादव ने मंत्री राय को सीमा पर मौजूदा सुरक्षा परिदृष्य, तस्करी गतिविधियों, अवैध अप्रवासन, सीमा पार अपराध, एवं अन्य चुनौतियों तथा अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा मजबूत करने के लिए सीसुब द्वारा किए जा रहे विभिन्न उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मंत्री राय ने सीसुब के सुरक्षा उपायों और संक्रियात्मक तैयारियों पर संतोष व्यक्त करते हुए अवगत कराया कि सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सीसुब के योगदान को पहचानती है और परिचालन संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए हमेशा उत्सुक रहती है।

फकीरपाड़ा में दो गुटों की झड़प में महिला समेत 17 लोग घायल

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बागबर निर्वाचन क्षेत्र के आलोपति पुलिस स्टेशन के तहत फकीरपाड़ा में आज शाम दो परिवार के बीच भीषण झड़प हो गई। दोनों परिवारों के पुरुषों और महिलाओं के बीच हुई झड़प में पुरुष और महिलाओं समेत 17 लोग घायल होने की घटना ने इलाके में कोहराम मचा दिया है। मिली जानकारी के अनुसार गांव के ही तजीब्बर अली की बकरी को पास के ही गांव के फुलसान अली की खेती का दाना खाने को लेकर दोनों पक्षों के बीजं कहासुनी हो गई। दोनों पक्षों ने हथियार, लकड़ी, आदि से जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। इस घटना में दोनों पक्षों की महिलाओं सहित 17 लोग घायल हो गए। घायलों को उनके परिजनों ने स्थानीय आलोपति स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। वहीं गंभीर रूप से घायलों अयानल हक, फाजिला खातून, सरुफा खातून, सोहराब अली, शाहिदा खातून, सय्युद्दीन और फूलसान अली को बेहतर इलाज के लिए फखरुद्दीन अली अहमद मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

गुवाहाटी में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रोबोटिक एंड इनोवेटिव सर्जरी का विमोचन

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज गुवाहाटी के एक होटल में आयोजित समारोह में एसोसिएशन ऑफ रोबोटिक एंड इनोवेटिव सर्जन्स (एआरआईएस) की आधिकारिक पत्रिका *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रोबोटिक एंड इनोवेटिव सर्जरी* के पहले संस्करण का विमोचन किया। पिछले साल यह एक ऐतिहासिक क्षण था जब अप्रैल, 2022 के महीने में गुवाहाटी में भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के पहले रोबोटिक सर्जन एसोसिएशन का जन्म हुआ। एक वर्ष की छोटी अवधि के भीतर एसोसिएशन ने 80 से अधिक सर्जनों को प्रशिक्षित किया है और श्री रामचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड एजुकेशनल रिसर्च, चेन्नई से भी संबद्ध हुए हैं। इस अवसर पर एम्स, गुवाहाटी के कार्यकारी निदेशक डॉ. अशोक पुराणिक और आईआईटी, गुवाहाटी के कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर पीके अय्यर सहित

कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। एआरआईएस के संस्थापक अध्यक्ष और जर्नल के मुख्य संपादक प्रोफेसर सुभाष खन्ना ने समारोह संबोधित करते हुए छोटे शहरों में रोबोटिक सिस्टम स्थापित करने की चुनौतियों और और कैसे नैदानिक उपयोग और शिक्षण के दृष्टिकोण दोनों के लिए इस शानदार तकनीक तक पहुंच पिछले दो दशकों से दुनिया भर में एक चुनौती रही है, इस बारे में बात की। इस अवसर पर राज्यपाल कटारिया ने रोबोटिक्स पर इस तरह की पहली पत्रिका प्रकाशित करने के लिए संपादकीय बोर्ड को बधाई दी। उन्होंने यह भी व्यक्त किया कि कोई भी तकनीक या प्रक्रिया तब तक पूरी नहीं होती है जब तक कि वह काम और उसके नैदानिक परिणाम पर्यालोचित पत्रिकाओं में प्रकाशित नहीं होते हैं। उन्होंने प्रौद्योगिकी को जनता के लिए उपलब्ध कराने की अपनी इच्छा व्यक्त की। इस अवसर पर एम्स, गुवाहाटी के कार्यकारी निदेशक डॉ. अशोक पुराणिक और आईआईटी, गुवाहाटी के कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर पीके अय्यर ने इस तरह के विकास पर प्रसन्नता व्यक्त की और इस बात पर अपने विचार व्यक्त किए कि एआरआईएस को आईआईटी, एनआईपीईआर और एम्स के शोध वैज्ञानिकों के साथ संयुक्त रूप से नवप्रवर्तनशील कार्यों में भाग लेना चाहिए। बैठक में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्माकोलॉजिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के निदेशक प्रोफेसर यूएसएन मूर्ति, कॉटन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर रमेश चंद्र डेका और असम सर्जन एसोसिएशन के कई पूर्व अध्यक्षों सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल थे। रोबोटिक थोरैसिक सर्जन और थोरैसिक सेक्शन के अनुभागीय संपादक डॉ. बेलाल बिन आसफ ने भी कार्यक्रम में भाग लिया, जबकि सभी विदेशी संपादकीय बोर्ड के सदस्य वर्चुअल रूप से शामिल हुए। जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य दुनिया भर के विशेषज्ञ रोबोटिक सर्जन हैं और उप संपादक तथा अपोलो अस्पताल चेन्नई के डॉ राज पलानीअप्पन से प्राप्त जानकारी के अनुसार जर्नल एक ओपन एक्सेस जर्नल होगा और अगले साल से त्रैमासिक रूप से प्रकाशित किया जाएगा। उन्होंने उल्लेख किया कि जर्नल रोबोटिक्स के विभिन्न क्षेत्र में लेख प्रकाशित करेगा, जिसमें पेटेंट अध्ययन (टेक्नोमेट्रिक्स) और वेब-आधारित अध्ययन (वेबमेट्रिक्स) शामिल हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और विभागीय शोध, नवाचार और उद्यमशीलता के वातावरण का विश्लेषण करने के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार संकेतकों का उपयोग करने वाले लेख भी प्रकाशित किए जाएंगे। ओपन साइंस, नए उपकरण, डेटा माइनिंग के नए दृष्टिकोण, मेट्रिक्स और प्रकाशन के नए रूपों सहित समकालीन पहलुओं पर प्रकाश डालने वाले लेखों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

लूट की योजना बना रहे तीन बदमाश गिरफ्तार, तीन पिस्तौल बरामद

करीमगंज (हिंस)। जिले के बदरपुर थानांतर्गत इलाके से पुलिस ने शनिवार रात तीन पिस्तौलों के साथ तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से एक कार और एक बाइक भी जब्त की है। बदरपुर पुलिस ने रविवार को बताया है कि सूचना मिली थी कि बदमाशों का एक गिरोह लूट की वारदात को अंजाम देने वाले हैं। इस पुलिस टीम ने शनिवार मध्य रात्रि को ही छापा मार कर तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों की पहचान बदरपुर के दत्तपुर गांव निवासी शब्बीर अहमद, कबीर अहमद और धनलाल रवि दास के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से तीन पिस्तौल, एक कार, दो मोबाइल फोन और बाइक बरामद की है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार बदमाशों ने पूछताछ में कबूल किया कि वे डिमापुर से पिस्तौल खरीदकर बदरपुर लाए थे। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर तीनों डकैतों से पूछताछ कर रही है।

31 नं सिंगारी बस्ती ग्राम पंचायत में सम्मान समारोह का आयोजन

होजाई (निसं)। हर छात्र भारत का गौरव है और ऐसे होनहार छात्रों का सम्मान करने से जहां इनका मनोबल बढ़ेगा। वहीं आने वाली पीढ़ी को एक प्रेरणादायक संदेश मिलेगा। उक्त बातें होजाई के 31 नं सिंगारी बस्ती गांव पंचायत में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित होजाई के पूर्व विधायक शिलादित्य देव ने कही। देव ने कहा कि समाज तथा हम सबों का यह कर्तव्य है कि होनहार छात्रों को हमेशा आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित करें। वहीं छात्र-छात्राओं को चाहिए कि समय का सदुपयोग करें, समय की महत्ता को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अभी से की गई कड़ी मेहनत व लग्न से पढ़ाई आपको जीवन भर खुशियां और समान दिलाएगा। सिंगारी बस्ती ग्राम पंचायत के उपसभापति रतन चौहान की अध्यक्षता में आयोजित सम्मान समारोह में स्थानीय विधायक रामकृष्ण घोष, होजाई जिला भाजपा के अध्यक्ष अनूप देव, शंकरदेव

जूनियर कॉलेज के प्राचार्य तपन कर, जिला परिषद की सभानेत्री रामाबाला देवी, होजाई जिला भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन मजूमदार, रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के अध्यापक मनजीत सेकिया, उत्पल फूकन सहित अनेक विशिष्ट जन सम्मान समारोह में उपस्थित थे। इस अवसर पर विधायक रामकृष्ण घोष ने कहा की शिक्षा के क्षेत्र में भारी क्रांति आई है यह आप लोगों की पहली सफलता है भविष्य में ऐसी कई सफलताओं से आप सबों का सामना होगा। इसके लिए जरूरत है लग्न, मेहनत, निष्ठा, ईमानदारी के साथ पढ़ाई करें। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सिंगारी बस्ती गांव पंचायत के काउंसीलर राहुल दे ने सुसज्जित ढंग से सम्मान समारोह प्रारंभ किया। सर्वप्रथम सभी अतिथियों का सम्मान किया गया तत्पश्चात सम्मान समारोह में इस वर्ष 12वीं की परीक्षा में शंकरदेव जूनियर कॉलेज की छात्रा जिलिक शील का गर्मजोशी के साथ सम्मान करते हुए उन्हें भारत माता की तस्वीर व मांनपत्र दिया गया। इसके पश्चात दसवीं के परीक्षा में उत्तीर्ण 100 छात्रों का, 12वीं की परीक्षा में उत्तीर्ण 80 छात्रों का, कई सामाजिक कार्यकर्ताओं का, सभी पत्रकारों का सम्मान किया गया। सभी का सम्मान असमिया फुलं गमछे व मान पत्र देकर किया गया। इस संवाददाता से बात करते हुए राहुल दे ने कहा हमें गर्व है कि हम आज सारे लोगों का सम्मान कर सके हैं यह हमारे लिए हौसला बुलंद करने वाली बात है।

जंगली हाथी ने दो ग्रामीणों के घरों को किया क्षतिग्रस्त

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिलांतर्गत चारीदुआर के मोलान गांव में एक जंगली हाथी ने उत्पात मचाते हुए दो ग्रामीणों के घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। चारीदुआर राजस्व चक्र के अंतर्गत आने वाले मोलन गांव में जंगली हाथियों के आतंक से ग्रामीण बेहद भयभीत हैं। बालीपाड़ा संरक्षित वन क्षेत्र से निकलकर आए एक जंगली हाथी ने शनिवार मध्य रात्रि को मोलन गांव में कुमार छेत्री और तुलसी गुरुंग के घरों को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। ग्रामीणों ने रविवार सुबह भी जंगली हाथी को इलाके में घूमते देखा, जिसके चलते गांव में दहशत का माहौल है। पिछले एक सप्ताह से भोजन की तलाश में वन क्षेत्र से निकलकर जंगली हाथी रिहायसी क्षेत्र में आतंक मचा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बीती रात से कई बार इसके बारे में वन विभाग को सूचना दी गयी, लेकिन गांव में एक भी वन कर्मी नहीं पहुंचे हैं। जिसके ग्रामीण बेहद नाराज नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों के हमले में प्रभावित दोनों ग्रामीणों को क्षतिपूर्ति देने की मांग की है।

कैंसर व पर्यावरण जागरूकता पर लायंस उमंग का कार्यक्रम

गुवाहाटी (विभास)। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से वृद्ध आश्रम व अनाथालय में कैंसर जागरूकता सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर क्लब की ओर सहयोग प्रदान किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी आरुषि सोनी ने बताया कि अध्यक्ष सीमा सोनी के नेतृत्व में कल्याणी निवास, जुरोनी घर कैंसर चाइल्ड केयर सेंटर व आशानीर गर्ल्स चाइल्ड एनजीओ में स्टील के बर्तन सहित फल, दूध, खाद्य सामग्री व अन्य जरूरत की वस्तुएं उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा हातीगांव के सीजूबाड़ी स्थित वृद्ध आश्रम में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें डॉक्टर कोमोलिका धर व डॉक्टर वीना कुमार ने अपनी सेवाएं दी। जुरोनी घर कैंसर चाइल्ड केयर सेंटर में बच्चों के

लिए मनोरंजन से जुड़े कई तरह के सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें लायंस जिला कोऑर्डिनेटर प्रेरणा अग्रवाल ने बच्चों को खुश एवम स्वस्थ रहने से संबंधित कहानियां सुनाई एवं उन्हें प्रोत्साहित किया। क्लब की ओर से पिछले दिनों पर्यावरण दिवस के मौके पर मिर्जा, शांतिदान आश्रम व भरलूमुख पार्क में करीब 275 पौधे भी लगाए गए। इस मौके पर लायंस जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका, अध्यक्ष सीमा सोनी, सचिव कंचन पोद्दार, कोषाध्यक्ष कुसुम जैन, कार्यक्रम संयोजिका निभा सराफ व सीमा नियोटीया, सुजाता जैन, रेखा जालान, संगीता बड़जातिया, अंजू अग्रवाल, काजल थर्ड, सपना आर्य, रेनू जैन, संतोष मिंडा, शालू अग्रवाल, नैंसी जालान, लायंस गौहाटी दिलीप सराफ आदि सदस्याओ का भरपूर सहयोग रहा।

डीएचआर ने पिछले महीने दर्ज की रिकॉर्ड कमाई

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के यूनेस्को घोषित विश्व धरोहर दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) ने इस वित्तीय वर्ष 2023-24 के मई महीने में अब तक के इतिहास की सबसे अधिक कमाई और यात्रियों की संख्या दर्ज की है। डीएचआर ने मई माह के दौरान लगभग 3.57 करोड़ रुपए का अब तक का सर्वाधिक मासिक आय अर्जित की है। यह मई, 2022 में प्राप्त 3.19 करोड़ रुपए की तुलना में 11.92 प्रतिशत अधिक है। अधिक जॉयराइड सेवाओं के चलने के कारण यह बढ़ी आय प्राप्त हुई है। इस सेक्शन में पर्यटक प्रवाह के इस पीक सीजन के दौरान भारी भीड़ और यात्री यातायात में बढ़ोतरी के कारण आय में वृद्धि हुई है। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने आज बताया है कि चालू वित्त वर्ष के मई माह में 30, 303 यात्रियों की रिकॉर्ड संख्या भी दर्ज की गई, जो जॉयराइड ट्रेनों के किसी भी एक महीने में सर्वाधिक है। मई, 2022 में दर्ज 26, 909 की तुलना में यह 12.61 प्रतिशत अधिक है। मई, 2023 महीने में जॉयराइड ट्रेनों का औसत यात्रियों की संख्या 920 थी। वर्तमान में, डीएचआर में न्यू जलपाईगुड़ी एवं दार्जिलिंग के बीच दैनिक सेवा और दार्जिलिंग एवं घूम के बीच जॉयराइड सेवाएं संचालित की जा रही हैं। डीएचआर ने स्टीम जंगल टी सफारी, रेड पांडा, हिम कन्या आदि जैसी विशेष सेवाएं भी शुरू की हैं। चार्टर ट्रेनें, स्पेशल फिल्म शूटिंग ट्रेनें, हेरिटेज डाइनिंग कार भी डीएचआर में दी जा रही कुछ आकर्षक सेवाएं हैं। डीएचआर में अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए दार्जिलिंग में एक नया कोच रेस्तरां और कार्सियांग में एक हेरिटेज रेस्तरां खोला गया है। देश और विदेश में भी डीएचआर को बढ़ावा देने के लिए कई पहल किए गए हैं। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नए कोच लगाए गए और नई सेवाएं शुरू की गईं हैं।

आशी अप्सरा में सजा श्याम दरबार, भक्तों ने लगाई हाजरी

गुवाहाटी। आशी अप्सरा में कल बाबा श्याम का मनमोहक दरबार सजा। श्याम दरबार की अद्भुत छटा को देखने के लिए मूसलाधार बारिश के बावजूद भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। भक्तों का हुजूम और गाड़ियों की कतार ने कतार ने बता दिया कि गुवाहाटी में बाबा श्याम के कितने दीवाने हैं लोग। इस पर सुप्रसिद्ध गायिका अंजलि दिवेदी, शुभ और रूपम ने भजनों का जो शमां बांधा कि देर रात तक उन मनभावन भजनों पर थिरकते हुए नजर आए लोग। मालूम हो कि बाबा के इस शानदार और भक्ति से सराबोर कीर्तन का आयोजन राकेश दुगड़, कमल शर्मा, अनिल राठी, अनिल अग्रवाल, पवन अग्रवाल, तुषार चौधरी और अंकित अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में बाबा का दिव्य श्रृंगार की छटा देखते ही बनती थी। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में लोगों ने ज्योत ली। इस दौरान भक्तों के कल्याण के लिए मोरछड़ी का झाड़ा भी दिया गया। मौके पर आयोजित महाप्रसाद में भी बड़ी संख्या में लोगों ने अंश ग्रहण किया।

सड़क निर्माण में अनियमितता, भ्रष्टाचार और लापरवाही के विरुद्ध ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

नगरबेड़ा (वभास)। सड़क निर्माण कार्य में अनियमितता, भ्रष्टाचार और लापरवाही बरतने का सामने आई है। भ्रष्टाचार, अनियमितता और लूटराज के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का रुख अख्तियार करने वाले राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के हाथों में लोक निर्माण विभाग में पक्की सड़कों निर्माण के नाम पर कुछ भ्रष्ट ठेकेदार, कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया है। जानकारी के अनुसार बरपेटा जिला ग्रामीण सड़क खंड के अंतर्गत बागबर विधानसभा क्षेत्र के बाघमाराचर में हाल ही में चार करोड़ तीन लाख रुपए की लागत से बनने वाली पक्की सड़क निर्माण के नाम भ्रष्ट ठेकेदार को सौंपी गई। यह आरोप ग्रामीणों ने लगाया है। आज उसी भ्रष्ट ठेकेदार के खिलाफ ग्रामीणों ने प्रदर्शन जोरदार प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि 4 नंबर बाघमाराचर से आलोपति मंडलपाड़ा (पैकेज क्रमांक एएस

01-202) तक पक्की सड़क निर्माण के नाम पर भ्रष्ट ठेकेदार फैजाल हक ने घटिया स्तर की सामग्रियों का इस्तेमाल किया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सड़क निर्माण कार्य सही तरह से नहीं हुई। पर्याप्त रोलर्स खोए बिना पानी के नुकसान के कारण सड़कें अधिक कमजोर हो गई हैं। सरकार के प्री-कोलोन के अनुसार, 3.20 किलोमीटर लंबी सड़क, ब्लैक टॉपिंग निर्माण के तुरंत बाद उठने लगी क्योंकि उचित सफाई के बिना जो किया जाना चाहिए उससे कम था। सड़क निर्माण के दौरान सड़क के दोनों ओर साइड लेफ्ट दिया जाना चाहिए, लेकिन बाएं हिस्से की निचली और नाममात्र की साइड को देखते हुए सड़क के दोनों तरफ बारिश से सड़क तबाह हो गई है। संबंधित सड़कों के बीच पक्के पुल के दोनों ओर एप्रोच की मिट्टी गिरने और सुरंगनुमा गड्ढे बनने से आवागमन के लिहाज से भयावह स्थिति बन गई है। विवादास्पद ठेकेदार फैजल हक, जिन्हें सड़क के निर्माण की शुरुआत से ही लूटराज की अघोषित प्रतियोगिता चला रहे हैं। नतीजतन ठेकेदार की लूटपाट का खामियाजा आम पैदल यात्रियों को भुगतना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने आज लोक निर्माण विभाग हाय हाय, क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत करो, लोक निर्माण विभाग में भ्रष्टाचार रोको, भ्रष्ट ठेकेदार हाय हाय जैसे नारों के साथ प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों ने जिला अधिकारी के साथ-साथ संभागीय अधिकारियों और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से जल्द से जल्द जांच के अधीन भ्रष्ट ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

महारैली में मुख्यमंत्री ने भाजपा पर साधा निशाना

अजय त्यागी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ रामलीला मैदान में आम आदमी पार्टी की तरफ से महारैली का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि आज से 12 साल पहले भ्रष्टाचार के खिलाफ इसी रामलीला मैदान में लोग इकट्ठे हुए थे। आज फिर इसी मंच से एक अहंकारी तानाशाह को देश से हटाने के लिए जुटे हैं। केजरीवाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि दिल्ली की जनता सुप्रीम है, लेकिन प्रधानमंत्री ने अध्यादेश पारित करके कोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया। अध्यादेश कहता है कि अब दिल्ली के अंदर जनतंत्र नहीं होगा। दिल्ली में तानाशाही चलेगी। अब जनता नहीं बल्कि एलजी सुप्रीम होगा। इस अध्यादेश के खिलाफ सभी पार्टियों के नेताओं से मिल रहा हूं। दिल्ली वालों पूरे देश के लोग आपके साथ हैं। 140 करोड़ मिलकर इस अध्यादेश का विरोध करेंगे और जनतंत्र को बचाएंगे। केजरीवाल ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि ये केवल दिल्लीवालों के साथ ही नहीं बल्कि ऐसा ही अध्यादेश राजस्थान के लिए, पंजाब के लिए, एमपी के लिए, महाराष्ट्र के लिए लाया जाएगा। इसे अभी ही रोकना पड़ेगा। केजरीवाल ने कहा कि आज इतनी भरी संख्या में दिल्ली के कोने-कोने से लोग आए हैं। यहां करीब एक लाख लोग मौजूद हैं। हजारों सड़कों पर हैं, जो लोग मुझसे प्यार करते हैं सब लोग अपने-अपने मोबाइल फोन निकाल लो, आज इस मैदान में एक लाख कैमरे पर फोन वीडियो चालू करो। एक साथ एक लाख टीवी कैमरे चालू होंगे। उन्होंने कहा कि 11 मई को एक महीने पहले देश की सुप्रीम कोर्ट ने आदेश पारित किया। एक सप्ताह में ही 19 मई को देश के प्रधानमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को खारिज कर दिया। आगे केजरीवाल ने कहा कि कल यही अध्यादेश सभी राज्यों में लागू होगा। भाजपा दिल्ली के लोगों के पीछे क्यों पड़े हैं। दिल्ली सरकार स्कूल अस्पताल, मोहल्ला क्लिनिक बना रहा है, तो वह इन सबको बंद करा देते हैं। योग क्लास बंद कर दिया। भाजपा ने देश का बेड़ा गर्ग कर दिया। केजरीवाल ने कहा कि देश में बेरोजगारी बढ़ रही है और इन्हें समझ नहीं आ रहा कि कैसे बेरोजगारी दूर करें। रेल का बुरा हाल कर दिया। 2002 में प्रधानमंत्री गुजरात के मुख्यमंत्री बने 12 साल तक रहे। 21 साल हो गए राज राज करते हुए। मुझे सिर्फ आठ साल हुए। दोनों का देख लो किसने कितना काम किया। इनसे काम नहीं होता है, जो अच्छा काम करते हैं उन्हें रोकना चाहते हैं। मैंने कितने स्कूल, अस्पताल बना दिये। प्रधानमंत्री कह रहे हैं फ्री रेवड़ी बांट दिया। भाजपा ने पूरा रेवड़ा अपने दोस्त को दे दिया। उन्होंने मनीष को जेल में डाल दिया, जैन को जेल में डाल दिया, लेकिन हमारे पास एक नहीं 100 सिसोदिया और जैन हैं। भाजपा के सात सांसद कहां हैं। वह भाजपा के गुलाम हैं। कोई मुसीबत आएगी तो हम आपके साथ खड़े रहेंगे। एक कहानी सुनाना चाहता हूं। चौथी पास राजा की कहानी। इस कहानी का अर्थ यह है कि जितनी बार सुनोगे उतनी कृपा आपके परिवार पर होगी, समाज देश की तरक्की होगी। केजरीवाल ने कहा कि इस कहानी में राजा है लेकिन रानी नहीं है। एक देश था, कई हजार साल पुराना। एक गरीब घर में एक बच्चा पैदा हुआ। एक ज्योतिष आया उसने बच्चे की कुंडली देखी बोला कि यह बहुत बड़ा सम्राट बनेगा। बच्चे का गांव के सरकारी स्कूल दाखिला करा दिया गया। चौथी में आकर नाम कटवा लिया। बगल के गांव में रेलवे स्टेशन था। वह बच्चा वहां जाकर चाय बेचने लगा। उसका भाषण बहुत अच्छा था। गांव के लोगों को इकठ्ठा कर लिया। बच्चा बड़ा हुआ, लेकिन राजा तो अनपढ़ था। अफसर जिस फाइल पर चाहे उस पर साइन करवा लेता था। राजा को बुरा लगने लगा। धीरे धीरे अहंकारी राजा और तानाशाह हो गया। उन्होंने कहा कि एक बार इस राजा ने नोटबंदी कर दी। दो हजार का नोट लाया। चार साल बाद नोट बंद कर दिया। किसानों के लिए कानून बना दिया। देश के किसानों ने आंदोलन किया। एक साल बाद कानून वापस लेना पड़ा। महामारी में थाली बजाकर कोरोना भगवाया। अडानी को सारे एयरपोर्ट दे दिए। एक दोस्त ऐसा था जिसने पहलवानों के साथ गलत किया, उसे कुछ नहीं किया। दोस्ती नहीं छोड़ी। चारों तरफ अत्याचार होने लगा। जो राजा के खिलाफ बोलता, उसे जेल में डाल दिया जाता।

प्रधानमंत्री ने प्रगति मैदान में पहले राष्ट्रीय प्रशिक्षण सम्मेलन का किया उद्घाटन

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रगति मैदान के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र में रविवार को पहले राष्ट्रीय प्रशिक्षण सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस दौरान न्होंने कार्यक्रम को संबोधित भी किया। देशभर में प्रशासनिक सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण अवसंरचना को मजबूत करने के उद्देश्य से क्षमता निर्माण आयोग द्वारा राष्ट्रीय प्रशिक्षण सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन में केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों, राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों, क्षेत्रीय और मंडल प्रशिक्षण संस्थानों तथा अनुसंधान संस्थानों सहित प्रशिक्षण संस्थानों के 1500 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। विचार-विमर्श में केंद्र सरकार के विभागों, राज्य सरकारों, स्थानीय सरकारों के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के विशेषज्ञ भी भाग ले रहे हैं। यह सभा विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देगी, चुनौतियों और उपलब्ध अवसरों की पहचान करेगी तथा क्षमता निर्माण के लिए कार्रवाई योग्य समाधान पेश करेगी और व्यापक रणनीति तैयार करेगी। सम्मेलन में आठ पैनल चचाएं होंगी, जिनमें से प्रत्येक प्रशासनिक सेवा प्रशिक्षण संस्थानों से संबंधित प्रमुख विषयों; जैसे संकाय विकास, प्रशिक्षण प्रभाव मूल्यांकन और कंटेंट डिजिटलीकरण आदि पर ध्यान केंद्रित करेगी।

सचिन पायलट ने अशोक गहलोत पर फिर साधा निशाना, कहा- हर गलती सजा मांगती है

दौसा, (हि.स.)। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने रविवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर जमकर निशाना साधा। पायलट ने कहा कि राजस्थान और देश में भ्रष्टाचार की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। किसी ने सही कहा है कि हर गलती सजा मांगती है। आपस में कैसे भी संबंध हों, सबसे बड़ा न्याय नीली छतरी वाला देता है। आज नहीं तो कल न्याय जरूर मिलेगा। सचिन पायलट ने अपने पिता राजेश पायलट की 23वीं पुण्यतिथि पर गुर्जर छात्रावास में आयोजित सभा में कहा कि बेबाकी से बोलना, सच्चाई और ईमानदारी के साथ विपरीत परिस्थितियों में समझौता न करना राजेश पायलट ने सिखाया है। मैं सबको साथ लेकर चलने की कोशिश करता हूं। पांच साल प्रदेशाध्यक्ष रहा तो सरकार के दांत खट्टे कर दिए। वसुंधरा राजे का विरोध साल के 365 दिन किया। पायलट ने कहा कि राजेश पायलट ने छोटे किसान के घर में जन्म लेकर ऊंचाई पर पहुंचकर अपना दामन साफ रखा। यह राजनेता की सबसे बड़ी सफलता है। राजेश पायलट की राजनीति अनोखी रही है, कभी-कभार वो भी राजनीति में लटके-झटके कर देते थे, लेकिन उनके केंद्र में गरीब, वंचित रहते थे। पायलट ने कहा कि परिस्थिति कोई भी, आप लोगों के लिए संघर्ष करना, न्याय दिलाने का वादा कल भी था, आज भी है, कल भी रहेगा। राजनीति में बात रखना जरूरी है। मुझे भी राजनीति में 20 साल हो गए। मैंने हमेशा नौजवानों का भविष्य बेहतर बनाने के लिए काम किया है। मेरी आवाज में बुलंदी दौसा के लोगों के कारण है। मैंने जो आवाज उठाई है, उससे पीछे हटने वाला नहीं हूं। हम किसी पद पर हों या न हों, जनता हमेशा तौल कर रखती है कि कहते क्या थे, करते क्या थे? मेरे लिए जनता की विश्वसनीयता सबसे बड़ी पूंजी है। पायलट ने गुर्जर छात्रावास में पिता राजेश पायलट की प्रतिमा का अनावरण भी किया। इससे पहले पायलट सुबह 10 बजे भंड़ाना पहुंचे। यहां राजेश पायलट के स्मारक पर उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित की और प्रार्थना सभा में शामिल हुए। राजेश पायलट को श्रद्धांजलि देने वालों में कैबिनेट मंत्री परसादीलाल मीणा, प्रतापसिंह खाचरियावास, ममता भूपेश शामिल हैं। थ ही मंत्री हेमाराम चौधरी, मुरारीलाल मीणा, बृजेंद्र ओला भी पहुंचे। विधायक ओमप्रकाश हुडला, मुकेश भाकर सहित राजस्थान यूनिवर्सिटी छात्रसंघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी, नसीम अख्तर, पूर्व विधायक नवीन पिलानिया, खिलाड़ी राम बैरवा भी राजेश पायलट को श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

कनाडा में निर्वासन का खतरा झेल रहे भारतीय छात्रों को मिला स्टे आर्डर, भारत ने कहा- स्वागत योग्य कदम

नई दिल्ली (ईएमएस)। कनाडा सरकार के देश से निर्वासित करने के फैसले के खिलाफ प्रदर्शन के बीच खबर है कि वास्तविक संख्या मीडिया में बताए जा रहे 700 से बहुत कम है। उल्लेखनीय है कि इन छात्रों को कथित रूप से फर्जी एडमिशन लेटर जमा करने के लिए निर्वासन की धमकी दी गई है। इनमें से ज्यादातर छात्र 2017-2019 के दौरान कनाडा गए थे। डिपोर्ट का खतरा झेल रहे भारतीय छात्रों को इस मामले में राहत मिला है। सूत्रों के अनुसार अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद उनमें से कुछ ने वर्क परमिट प्राप्त किया, जबकि अन्य ने कनाडा में अध्ययन करना जारी रखा। भारत इस मामले को कनाडा के अधिकारियों के साथ कनाडा में और नई दिल्ली में उठाता रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी अपने कनाडाई समकक्ष के साथ भी इस मामले को उठाया है। विदेश मंत्रालय ने इस वर्ष अप्रैल में अपनी कनाडा यात्रा के दौरान इसे उठाया था। टोरंटो में भारतीय वाणिज्य दूतावास, जहां अधिकांश छात्र रहते हैं, उनमें से कई से वह मिल चुके हैं। कनाडाई अधिकारियों से बार-बार निष्पक्ष रहने और मानवीय दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया गया, क्योंकि इस मामले में छात्रों की गलती नहीं थी। यह भी बताया गया कि कनाडा सिस्टम में खामियां थीं, जिसके कारण छात्रों को वीजा दिया गया और उन्हें कनाडा में प्रवेश करने की अनुमति भी दी गई। राजनीतिक दलों के कनाडाई सांसदों ने छात्रों के समर्थन में बात की है। आप्रवासन मंत्री शॉन फ्रेज़ियर ने संकेत दिया है कि कनाडा अनिश्चितता का सामना कर रहे अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए सक्रिय रूप से एक समाधान का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री जस्टिन ने छात्रों के साथ उचित व्यवहार की आवश्यकता को स्वीकार किया है। कुछ छात्रों को हाल ही में उनके निर्वासन नोटिस पर स्थगन आदेश प्राप्त हुए हैं। भारत ने इसे स्वागत योग्य माना है। भारत सरकार के लगातार प्रयासों ने कनाडा सरकार को मानवीय दृष्टिकोण अपनाने और छात्रों के दृष्टिकोण को स्वीकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बिग बॉस 14 की विनर रुबीना दिलाइक कार एक्सीडेंट में घायल

मुंबई (ईएमएस)। बिग बॉस 14 की विनर और मशहूर टीवी एक्ट्रेस रुबीना दिलाइक एक कार एक्सीडेंट में घायल हो गई है। इससे उनके फैंस शॉक्ड हैं। मिली जानकारी के अनुसार उनकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। एक्ट्रेस के पति और एक्टर अभिनव शुक्ला ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि रूबीना फिलहाल ठीक हैं, उन्हें मेडिकल के लिए ले जा रहे हैं। अभिनव शुक्ला ने अपने ट्विटर हैंडल पर दुर्घटनाग्रस्त कार की फोटोज शेयर कर कैप्शन में लिखा है, यह हमारे साथ हुआ, आपके साथ भी हो सकता है। फोन पर बात करते हुए ट्रैफिक लाइट्स जंप करने वाले मूर्खों से सावधान रहिए। इस बारे में ज्यादा जानकारी बाद सें साझा की जाएगी। रूबीना कार के अंदर थीं, वह ठीक हैं। उन्हें मेडिकल के लिए ले जा रहे हैं। इस पोस्ट में अभिनव ने मुंबई पुलिस को भी टैग किया और लिखा, मुंबई पुलिस आपसे सख्त कार्रवाई करने का अनुरोध करते हैं। एक्टर की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए मुंबई पुलिस ने नजदीकी पुलिस स्टेशन में जाकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने की सलाह दी है। अभिनव शुक्ला की ये पोस्ट देखने के बाद रूबीना दिलैक के फैंस उनके लिए चिंतित हो उठे हैं। हर कोई एक्ट्रेस की सलामती की दुआ कर रहा है।

मुंबई के विधायक सम्मेलन में यूपी के बीजेपी विधायक शामिल नहीं होंगे

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के भाजपा विधायक मुंबई में होने वाले तीन दिवसीय राष्ट्रीय विधायक सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। गौरतलब है कि 15 से 17 जून के बीच यह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इधर भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई ने पार्टी विधायकों से मुंबई जाने के बजाय राज्य में चल रहे जनसंपर्क अभियान पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। हालांकि उत्तर प्रदेश राज्य विधानमंडल के उच्च सदन के सदस्यों सहित लगभग 200 सांसदों ने एनएलसी के लिए नामांकन किया है, जिसमें अलग-अलग विधानसभाओं के सांसदों और वक्ताओं के भाग लेने की उम्मीद है। सूत्रों का कहना है कि इधर पार्टी के फैसले के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, फिर भी पार्टी के कुछ सदस्यों द्वारा पुष्टि की गई यह कदम स्पष्ट रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है कि पार्टी के विधायक महा जनसंपर्क अभियान पर ध्यान केंद्रित करें, जो जून के अधिकांश समय तक चलेगा। भाजपा के इस महा जनसंपर्क अभियान के तहत, पार्टी ने राज्य भर के 80 लोकसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक में रैलियों और वरिष्ठ नेताओं के दौरे की योजना बनाई है। पार्टी नेतृत्व इन आउटरीच अभियानों में सीभी सांसदों की उपस्थिति चाहता है। भाजपा ने उन 17 नगर निगमों में से प्रत्येक में धन्यवाद मोदी (धन्यवाद मोदी) की बैठक की भी योजना बनाई है, जहां इस बार भाजपा जीती है। 2017 में, जब केवल 16 नगर निगम थे, भाजपा ने उनमें से 14 में महापौर पद जीते थे जबकि बसपा ने दो जीते थे। इस बार बीजेपी ने नवगठित शाहजहांपुर नगर निगम समेत सभी सीटों पर जीत हासिल की।

दिल्ली की जनता के पैसे की लूट आम आदमी पार्टी का एकमात्र लक्ष्य : भाजपा

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को आम आदमी पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल और उनकी पार्टी का एकमात्र लक्ष्य जनता के पैसे की लूट है। सांसद मनोज तिवारी और सांसद रमेश बिधूड़ी के साथ संयुक्त पत्रकार वार्ता में दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी ह्यआम आदमीह्ल के लिए नहीं है। पार्टी का लक्ष्य है कि पैसे कमाना और दिल्ली की जनता को लूटना, लेकिन भाजपा का ये संकल्प है कि हम इसके हर भ्रष्टाचार को उजागर करेंगे। केजरीवाल ने आज कहा कि उनके पास 100 मनीष सिसोदिया और 100 सत्येंद्र जैन हैं। इसका मतलब है कि पूरी पार्टी में भ्रष्टाचार की गंगा बह रही है। सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि केजरीवाल ने राजनीतिक पर्यटक का सबसे बड़ा उदाहरण पेश किया है। वह दिल्ली की जनता से वोट लेते हैं तो सिर्फ इसलिए कि उन्हें देश के कोने-कोने में घूमना है, लेकिन उन्हें उस घर की ओर नहीं घूमना है जहां गंदा पानी आता है। सांसद रमेश बिधूड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल इतने निर्लज्ज हैं कि कोरोना जैसी महामारी के दौरान एक ओर देश के गृहमंत्री 10 हजार बेड का अस्पताल बना रहे थे तो वहीं केजरीवाल 45 करोड़ की लागत से अपना शीश महल बनवा रहे थे।

चीन के दुश्मन वियतनाम को भारत देगा ब्रह्मोस, सौदा फाइनल होने के करीब

- चीन और पाकिस्तान को जवाब है भारत-वियतनाम की दोस्ती का गाढ़ा रंग

- दक्षिण सागर में क्रूज मिसाइल से चीन को काबू में लाना चाहता है वियतनाम

नई दिल्ली, (हि.स.)। चीन-पाकिस्तान को जवाब देने के लिए भारत और वियतनाम की दोस्ती भी अब गाढ़ी होने लगी है। दक्षिण चीन सागर में ड्रैगन की बढ़ती दादागीरी के बीच भारत और वियतनाम के बीच रक्षा संबंध और ज्यादा मजबूत हो रहे हैं। फिलीपींस के बाद अब वियतनाम के साथ ब्रह्मोस मिसाइलों का सौदा फाइनल होने के करीब है। भारत की यात्रा पर 19 जून को आ रहे वियतनाम के रक्षा मंत्री फान वान गियांग के साथ इस संभावित सौदे पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। भारत और रूस के सहयोग से विकसित की गई ब्रह्मोस अब तक की सबसे आधुनिक प्रक्षेपास्त्र प्रणाली पर आधारित है। रूसी सरकार ने सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस किसी तीसरे देश को निर्यात करने की अनुमति दे दी है। इसी के बाद फिलीपींस, वियतनाम, मिस्त्र, इंडोनेशिया और ओमान सहित कई देशों ने ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने में बहुत रुचि दिखाई है। फिलीपींस ने पिछले साल सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने के लिए 374 मिलियन डॉलर से अधिक का भारत के साथ सबसे बड़ा और पहला विदेशी सौदा किया था। रूस से ब्रह्मोस के निर्यात की अनुमति ऐसे समय मिली है, जब चीन के पड़ोसी देश वियतनाम से भारत की दोस्ती का रंग गाढ़ा हो रहा है। इसी का नतीजा है कि अब वियतनाम के साथ ब्रह्मोस मिसाइलों का सौदा फाइनल होने के करीब है, जो दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को गहरा करने का संकेत है। सूत्रों ने बताया कि वियतनाम से ब्रह्मोस मिसाइलों की तीन से पांच इकाइयों के बीच ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। प्रत्येक बैटरी के साथ कई मिसाइलें शामिल हैं, जिसकी कीमत लगभग 125 मिलियन डॉलर होने का अनुमान है, इसलिए संभावित सौदा 375 मिलियन या 625 मिलियन डॉलर के बीच हो सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि वियतनाम ब्रह्मोस की कितनी इकाइयों का अधिग्रहण करना चाहता है। वियतनाम के रक्षा मंत्री फान वान गियांग 19 जून को भारत की यात्रा पर नई दिल्ली आने वाले हैं, जिसमें इस संभावित सौदे पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। दरअसल, चीन के साथ चल रही खटपट के बीच वियतनाम भारत से ब्रह्मोस मिसाइल लेकर दक्षिण चीन सागर में तैनात करना चाहता है। इससे दक्षिण चीन सागर और उसके आसपास के इलाके में चीन का खौफ कम होगा और साथ ही वियतनाम के साथ भारत के संबंध और मजबूत होंगे। इस बीच चीन ने भारत के पड़ोसी देशों- पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार आदि को कई तरह के संवेदनशील हथियार देकर भारत की सुरक्षा पर आंच डाली है, लेकिन अब भारत ने भी चीन के दुश्मन देशों को ब्रह्मोस देकर 'जैसे को तैसा' वाली नीति अपना ली है।

सीबीआई को मिले 36 नए अधिकारी

अजय कुमार

नई दिल्ली। सीबीआई के सब-इंस्पेक्टर (एसआई) ट्रेनी के 25वें और 26वें बैच का अलंकरण समारोह उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में सीबीआई अकादमी में आयोजित किया गया। यहां 36 अधिकारी बल में शामिल हुए। इन दो बैचों के 36 अधिकारियों में 20 बी-टेक, 2 एम-टेक और 14 अन्य पोस्टग्रेजुएट्स और साइंस और आर्ट्स ग्रेजुएट्स शामिल हैं। ये ऑफिसर ट्रेनी देश भर के विभिन्न क्षेत्रों से आते हैं। सीबीआई के निदेशक प्रवीण सूद समारोह के मुख्य अतिथि रहे। सूद ने सभी पासिंग आउट कैडेटों को बधाई दी और उन लोगों को भी बधाई दी, जिन्होंने नए जमाने के जांच उपकरणों के क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में ट्रॉफी जीती। इस अवसर सूद ने युवा अधिकारियों से सीबीआई में उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। सूद ने बताया कि अधिकारियों के आगे लंबा करियर सीबीआई की उच्च प्रतिष्ठा को बनाए रखने और उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने अधिकारियों को सलाह दी कि वे मेहनत करने के साथ-साथ स्मार्ट तरीके से काम करने की आदत भी विकसित करें। सूद ने अधिकारियों को अपने नॉलेज और स्किल्स को लगातार अपग्रेड और अपडेट करने की सलाह दी, विशेष रूप से साइबरस्पेस में होने वाले नए-पुराने अपराधों के बारे में, ताकि इसे जांच में लागू किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों से भी आह्वान किया कि वे हर दिन सीखते रहें क्योंकि यह एक आजीवन प्रयास है और जिस दिन हम सीखना बंद कर देते हैं, यह आगे के विकास को भी रोक देता है। जानकारी के अनुसार, कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा आयोजित संयुक्त स्नातक स्तर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद सीबीआई अकादमी में शामिल होने वाले इन परिवीक्षार्थियों को 73 सप्ताह की ट्रेनिंग प्रदान की गई। ट्रेनिंग के दौरान कैडेटों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया गया, इसमें भौतिक साक्ष्य का संग्रह और संरक्षण, जांच के लिए वैज्ञानिक सहायता (पॉलीग्राफ सहित), ब्रेन मैपिंग, नार्कोएनालिसिस, डी ऑक्सी राइबो न्यूक्लिक एसिड अंगुली का निशान, पूछताछ और साक्षात्कार तकनीक और फोरेंसिक दवा शामिल हैं। ट्रेनिंग को न्यायशास्त्र, भारत के संविधान, प्रमुख आपराधिक अधिनियमों, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, महत्वपूर्ण मामलों के मामले के अध्ययन, विशेष कानूनों, सीबीआई अपराध नियमावली आदि पर भी ट्रेनिंग दी गई। गुजराती, मराठी, तेलुगु, पंजाबी, उड़िया, बंगाली, कन्नड़, असमिया आदि सहित विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं की ट्रेनिंग भी दी गई। इनके अलावा भ्रष्टाचार विरोधी, बैंकिंग धोखाधड़ी, आर्थिक अपराध, खुफिया और निगरानी तकनीक, साइबर अपराध और नकली भारतीय मुद्रा नोट (एफआईसीएन), नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ (एनडीपीएस), प्राचीन वस्तुओं और ऑनलाइन बाल यौन शोषण सहित अन्य विशेष अपराधों पर भी विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इस कोर्स के दौरान, बेसिक कोर्स करने वाले नए एसआई के लिए पहली बार सर्टिफाइड फ्रॉड एक्जामिनर (सीएफई) पर ट्रेनिंग शुरू किया गया था। सीएफई प्रमाणन संयुक्त राज्य अमेरिका में एसोसिएशन ऑफ सर्टिफाइड फ्रॉड एक्जामिनर्स द्वारा आयोजित किया जाता है। ट्रेनी को वित्तीय लेनदेन और धोखाधड़ी योजनाओं, कानून, धोखाधड़ी की रोकथाम और निवारण, और जांच सहित छह सप्ताह की कठिन ट्रेनिंग दी गई। एसआई के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का उद्देश्य उनमें पेशेवर अखंडता और ईमानदारी, मानवाधिकारों के लिए सम्मान, व्यावसायिकता के महत्वपूर्ण तत्व और अनुशासन की एक मजबूत भावना के उच्चतम मानकों को विकसित करना है।

"मुझको दोहों में मिले, मेरे चारों धाम"

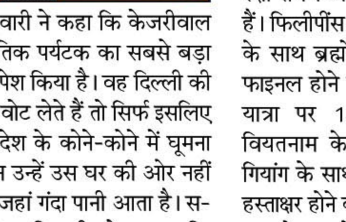

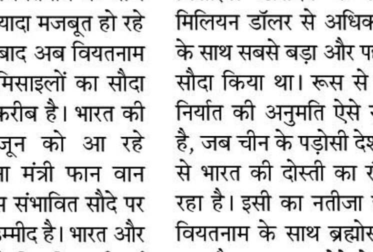

वैशाली की कृति " मेरे चारों धाम " का श्रीगणेश भी उनके पूजा-अर्चना भाव से ही हुआ है। हमारी परंपरा में कुछ नया करने से पहले हम उन शक्तियों का स्मरण करते हैं जो हमें उसे करने के योग्य बनाती हैं। वैशाली की काव्य भावभूमि प्रथमतया समाज कल्याण की है और बाद में अपने।श्री गणेश जी को समर्पित उनका दूसरा दोहा समाज कल्याण के इसी भाव को लेकर प्रस्तुत हुआ है -

"श्री गणपति को पूजकर,श्रद्धा से लें नाम।
कष्ट हरें जीवन करें, आनन्दित हर शाम।।"

और चौथा दोहा उनकी स्व अभिलाषा को लेकर सामने आता है -

"माँ गौरा के लाड़ले, बाबा शिव के लाल।
हे लंबोदर आप ही, रखना मेरा ख्याल।।"

तत्पश्चात वह माँ सरस्वती के वंदन दोहों में से एक में नतमस्तक होकर उससे ऐसे आशीष माँगती हैं।

" वर्ण स्वरों की दायिनी, तुम्हें नवाती शीष।
हे माँ वीणा वादिनी, मुझको दो आशीष।।"

इस प्रकार वैशाली हर पल अपनी संस्कृति को ही जीती मिलती हैं। अपनी मिट्टी में इस भाँति रचा-बसा होना उन्हें आम से खास की ओर ले जाता है। उनके प्रति त्यागी अशोक कृष्णम का यह कहना "आप मानवीय मूल्यों और रिश्तों के प्रति बहुत सजग हैं, संवेदनशील हैं। आपके जीवन में श्रद्धा, भक्ति, करुणा, प्रेम, मानवीय संवेदनाओं के प्रति जागृति कदम-कदम पर हिचकोले मारती प्रतीत होती है।" मेरी दृष्टि में भी शत-प्रतिशत सटीक है। मानव जीवन माँ से आरंभ होकर ही अपने अस्तित्व को पाता है। माँ! यूँ तो अपने सभी बालकों का प्राथमिक शिक्षा केन्द्र भर न होकर उनकी शिक्षा का अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय होती है, पर नारी के संदर्भ में माँ का अस्तित्व ही उसका व्यक्तित्व है। हमारी साहित्य में माँ पर बहुत कुछ कहा गया है और कहा जा रहा है। माँ के न रहने पर बेटियाँ जिस भाव को जीती आई हैं, उसका बहुत सुन्दर दोहा वैशाली से भी हुआ है जो माँ के संदर्भ में उसके अभाव को यूँ बुनता है

" माँ तू मुझको छोड़कर,क्यों जा बैठी दूर।
कुछ तो मुझसे बोल दे,मेरा कौन कसूर।।"

इस छटपटाहट में बैठी मन की ऊहापोह माँ को जीवन पर्यन्त जीवित रखती है। वैशाली के आचरण में गुरु ज्ञान की महिमा की भी बड़ी महत्ता है। उसकी पिपासा भी उनमें देखते ही बनती है और ये चाह जिसमें भी बनी रहती है वह गुरु ज्ञान से परम ज्ञान का रास्ता पा ही जाता है। वह अपने एक दोहे में कहती हैं -

"परम ज्ञान चरखी पकड़, लिपट प्रेम की डोर।
बन पतंग उड़ती फिरूं, नील गगन की ओर।।"

वैशाली का यह दोहा कबीर के इस दोहे की ही तो डोर में बँधकर पतंग होने को लालायित है -

" गुरु गोविन्द दोऊ खड़े,काके लागूं पांय।
बलिहारी गुरु आपने,गोविन्द दियो बताय।।"

तुलसी, कबीर, रहीम, बिहारी आदि हमारी कविता की दोहा विधा के आदर्श रहे हैं। जीवन में अपने आदर्शों को सींचते रहना ही आदर्श के नए आयाम निर्धारित करता है। वर्तमान में दोहा लेखन के व्यापक विस्तार में वैशाली से होने वाले योगदान ने भी राह पकड़ ही ली है। इस जीवन में भूलों और त्रुटियों से परे कोई नहीं है। ये मनुष्य के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये होती हैं तभी परिष्कार हितैषी होकर प्रस्तुत होता है। ऐसा जो कुछ भी कहीं-कहीं वैशाली की रचनाओं में भी मिल जाता है। वह सब रचना कर्म की धार में भाषा के व्यवहार से परिष्कृत की दिशा में बढ़ता जाएगा। वैशाली की सहज,सरल और बोधगम्य भाषा आकर्षित करती है और पाठक से जुड़ती है। सीधी सादी कहन जो वैशाली में बसी हुई है,वह वहाँ तक जाती है,जहाँ तक पहुँचने का उसका काव्यात्मक धर्म है। पाठकों के सामने आकर वैशाली अपने साहित्यिक कर्म का फल अवश्य पाएँगी। मेरी माँ सरस्वती और सबके परम से प्रार्थना है कि इस क्षेत्र में वह अच्छे से अच्छा करती जाएँ और आगे बढ़ती जाएँ। मैं रचनात्मक क्षेत्र में उनके सुखद भविष्य की कामना करता हूँ। वैशाली की लोकार्पित कृतियाँ स्वयं को नमन करके सबके शुभ की कामना के साथ शुभ प्रभात से मेरे चारों धाम की साहित्यिक यात्रा में निरंतर प्रवाहित होती रह कर भारत को जीती रहें और उसकी जीवंतता से देश विदेश को प्रभावित करने में सफल होती रहें।

डॉ. मक्खन मुरादाबादी (कारेन्द्र देव त्यागी)
28, नवीन नगर, काँठ रोड,मुरादाबाद - 244001
मोबाइलः 9319086769
ई-मेलः
makkhan.moradabadi@gmail.co

अखिलेश यादव यह एक सीट जीत कर दिखा दें तो राज्यसभा से दे दूंगा इस्तीफा : हरनाथ सिंह यादव

-भाजपा के राज्यसभा सांसद हरनाथ सिंह यादव की अखिलेश को खुली चुनौती

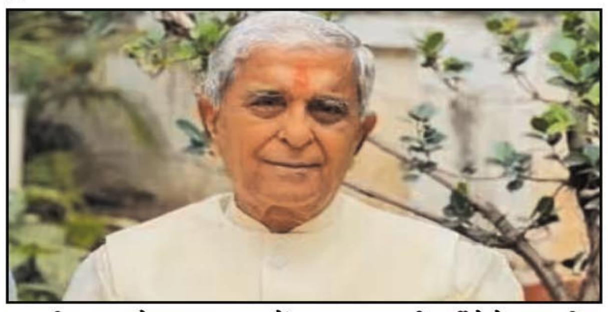

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता व राज्यसभा सांसद हरनाथ सिंह यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को खुली चुनौती दी है। उन्होंने कहा है कि अगर अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश की 80 नहीं बल्कि केवल एक वाराणसी संसदीय सीट पर जीत हासिल कर लें तो वह राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे देंगे और राजनीति से संन्यास ले लेंगे। दरअसल उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी(सपा) के मुखिया अखिलेश यादव इन दिनों सीतापुर जिले के नैमिषारण्य में हैं। वहां सपा का लोकसभा चुनाव को लेकर सम्मेलन चल रहा है। इसी दौरान रविवार की सुबह अखिलेश यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सपा लोकसभा चुनाव में 80 की 80 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। अखिलेश का यह दावा भाजपा के सांसद को नागवार गुजरा और उन्होंने चुनौती दे डाली।

भाजपा के राज्यसभा सांसद हरनाथ सिंह यादव ने ट्वीट कर कहा कि प्रिय अखिलेश उप्र की 80 सीट पर जीत के दावे छोड़ ही दीजिए। आप केवल एक लोकसभा सीट वाराणसी ही जीत कर दिखा दीजिए, सिर्फ एक सीट वाराणसी. अगर आपकी पार्टी ने ऐसा कर दिया तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। राज्यसभा की सदस्यता से उसी दिन इस्तीफा दे दूंगा। हरनाथ सिंह यादव ने आगे लिखा कि यह आपका(अखिलेश) केवल और केवल बड़बोलापन है। दूसरे आपके द्वारा पाले-पोसे शातिर अपराधी और माफियाओं को तो मुख्यमंत्री योगी ने ठिकाने लगा दिया है। 2024 के चुनाव बाद आपकी पार्टी भी ठिकाने लग जाएगी।

लाइव सीसीटीवी सर्विलांस के दायरे में आयोजित होगी बीएड परीक्षा

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार का चयन प्रक्रिया के साथ ही प्रदेश में होने वाली सभी तरह की परीक्षाओं में भी पारदर्शिता पर जोर है। संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा 2023 को भी पूरी तरह पारदर्शी, नकलविहीन और सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित कराए जाने की तैयारी चल रही है। बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी ने परीक्षा के आयोजन के पुख्ता इंतजाम किए हैं। सभी केन्द्रों में लाइव सीसीटीवी सर्विलांस के साथ ही सभी अभ्यर्थियों की अटेंडेंस बॉयोमीट्रिक व फेस रिकग्निशन के आधार पर की जाएगी। जिला प्रशासन के सहयोग से सभी सेंटर्स में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। प्रत्येक सेंटर में एक सेंटर रिप्रेजेंटेटिव और एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की जाएगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में 15 जून को एक साथ बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इसमें लगभग 4.73 लाख परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र के समक्ष बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा से संबंधित कार्ययोजना के प्रस्तुतिकरण में परीक्षा की पवित्रता, सुरक्षा और सिक्योरिटी के विषय में पूरा विवरण दिया गया। इसके अंतर्गत प्रदेश के सभी सेंटर्स में लाइव सीसीटीवी सर्विलांस की सुविधा प्रदान की गई है। इसका संचालन 12 जून तक यूनिवर्सिटी द्वारा शुरू कर दिया जाएगा। यही नहीं, परीक्षा की दोनों शिफ्ट के दौरान सेंटर सुपरिटेंडेंट द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी प्रतिभागियों का बॉयोमीट्रिक या फेस रिकग्निशन के द्वारा अटेंडेंट लिया जाए। प्रत्येक जिले में एक सिटी इंचार्ज होगा, जो डीएम नामित करेगा। इसी तरह 02 सेंटर पर एक सेंटर रिप्रेजेंटेटिव भी होगा, जबकि प्रत्येक एग्जामिनेशन सेंटर पर एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट नियुक्त होगा। इनके सपोर्ट में बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी के रिप्रेजेंटेटिव, नोडल ऑफिसर और डिप्टी नोडल ऑफिसर रहेगा।

प्रवेश परीक्षा को तीन घटकों में विभाजित किया गया है। इसमें बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी के अलावा सभी जिलों का प्रशासन और 16 अन्य नोडल यूनिवर्सिटी सम्मिलित हैं। सभी को उनकी भूमिका और जिम्मेदारी के विषय में पूर्ण जानकारी दे दी गई है। परीक्षा से संबंधित सभी कॉन्फिडेंशियल मटेरियल (ओएमआर शीट व पेपर समेत अन्य) को डिस्ट्रिक्ट ट्रेजरी में जमा करने से लेकर उसे परीक्षा केन्द्र तक पहुंचाने की जिम्मेदारी जिलाधिकारी द्वारा नामित सिटी इंचार्ज द्वारा निभाई जाएगी। स्टेटिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में सभी कॉन्फिडेंशियल मटेरियल्स तय समय पर खोले जाएंगे। प्रश्नपत्र और ओएमआर शीट का डिस्ट्रिब्यूशन एवं कलेक्शन सुनिश्चित करने के अलावा परीक्षा के समय निरीक्षण का कार्य स्टेटिक मजिस्ट्रेट के जिम्मे होगा। बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी की ओर से परीक्षा से संबंधित कॉन्फिडेंशियल मैटेरियल्स की भी पुख्ता सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। इसके लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग की मदद ली जाएगी।

तय योजना के अनुसार ट्रेजरी से परीक्षा केंद्र तक कॉन्फिडेंशियल मैटेरियल्स को ले जाने में सेंटर रिप्रेजेंटेटिव के साथ एक सशस्त्र पुलिस जवान भी तैनात रहेगा। वहीं, सभी परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल एवं एस्कॉर्ट की समुचित व्यवस्था रहेगी। इसी तरह कॉन्फिडेंशियल मैटेरियल्स को झांसी भेजे जाते वक्त भी बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी के रिप्रेजेंटेटिव्स के साथ 02 सशस्त्र पुलिस के जवान साथ में रहेंगे।

झारखंड बंद समर्थकों ने बोकारो में सड़क पर लगाया जाम

बोकारो, (हि.स.)। झारखंड में 60-40 नियोजन नीति रद्द करने और खतियान आधारित स्थानीयता नीति लागू करने के मांग को लेकर झारखंड राज्य छात्र संगठन के झारखंड बन्द के समर्थन में झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति ने जिले के कई इलाकों में सड़क पर जाम लगाया। ग्रामीण इलाकों में इसका असर देखने को मिला। पेटरवार में दुकान भी बंद रखी गई एवं बोकारो रांची मुख्य मार्ग पर कई घंटे तक जाम लगा दिया गया था। चंदनकियारी के बाईपास रोड हरदयाल शर्मा चौक और सुभाष चौक पर बंद समर्थकों ने जाम लगाया। इस दौरान वाहनों की लम्बी कतार लग गई। केवल मरीजों व इमरजेंसी लोगों के वाहन को जाने दिया गया।

बंगाल से आ रही कई गाड़ियां जाम में फंस गईं। सीओ रामा रविदास और चंदनकियारी थाना प्रभारी मुकेश कुमार ने समझा-बुझा कर जाम हटाने का प्रयास किया लेकिन लोगों ने जाम हटाने से इंकार कर दिया। कहा शाम पांच बजे जाम का हटा दिया जाऐगा। इस मौके पर इकाई के संयोजक जगन्नाथ रजवार सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

युवाओं के संकल्प से पूरा होगा मिशन 2047, भारत बनेगा विश्वगुरु : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह भाजपा के महाजनसंपर्क अभियान के तहत रविवार को बेगूसराय में आयोजित नव मतदाता सम्मेलन में शिक्षक की भूमिका में दिखे। कार्यक्रम के दौरान वे शिक्षक की तरह सवाल-जवाब करते रहे। उन्होंने आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव में पहली बार मतदान करने के लिए तैयार युवाओं को प्रेरित किया। संवाद के दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं के मन में उपजे सभी सवालों का भी सहजता से समाधान किया। गिरिराज सिंह ने विवेकानंद के जीवन चरित्र से सीख लेकर भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए आगे आने का आह्वान किया। लोहिया नगर स्थित कैरियर लांचर केमिस्ट्री में आयोजित कार्यक्रम में गिरिराज सिंह ने कहा कि मोदी सरकार ने युवाओं के दैनिक जीवन को सुगम बनाने के साथ-साथ उनके भविष्य को भी निखारने का काम किया है। उसे और अधिक गति देते हुए केंद्र में पुनः सशक्त सरकार के निर्माण की जिम्मेदारी आप सबों पर है। आज जिस प्रकार से संपूर्ण विश्व में भारत का डंका मजबूती से बज रहा है, वह भारत के आम जनमानस के दृढ़ विश्वास और संकल्प का नतीजा है। साफ नियत से सही विकास करने वाली केंद्र सरकार आज भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में चतुर्दिक विकास के नए आयामों को गढ़ रही है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के पुनर्जागरण में भी भूमिका का निर्वाह कर रही है। गिरिराज सिंह ने कहा कि आज बिजली, पानी और पर्यावरण बचाने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। ग्लोबल वार्मिंग से दुनिया कराह रही है, ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों का भारत बनाने की जिम्मेवारी आप सब की है। 2047 में जब देश अपनी आजादी का एक सौ वर्ष पूरा करेगा तो इसके लिए तैयार विजन की दिशा में सभी आगे बढ़ें। आपके दृढ़ निश्चय और संकल्प से भारत विश्व गुरु बनेगा। बेगूसराय विधायक कुंदन कुमार ने कहा कि आज भारत में परिवर्तन की एक नई क्रांति आई है। वह क्रांति समाज के हर वर्ग के लोगों से जुड़ रही है। जिसका परिणाम है कि समाज की पिछली पंक्ति में बैठे लोग भी आज समाज की मुख्यधारा से जुड़ कर अपने आर्थिक एवं सामाजिक जीवन में परिवर्तन को स्वीकार कर रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुमित सन्नी ने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा का एक-एक कार्यकर्ता केंद्र सरकार की योजनाओं को धरातल पर क्रियान्वित कराने एवं आम जनमानस से जोड़ने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर हमेशा समाज के बीच बना रहता है। यह क्रम निरंतर जारी रहेगा, जिससे समाज के सर्वांगीण विकास में हर व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। उनके जनजीवन को सुदृढ़ता एवं सुगमता मिल सके। युवा मोर्चा के जिला महामंत्री आयुष ईश्वर के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रदेश प्रवक्ता-सह-बेगूसराय जिला प्रभारी शशिरंजन ने कहा कि युवा मोर्चा का एक-एक कार्यकर्ता सामाजिक संकल्प को धरातल पर क्रियान्वित करने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर निरंतर आपके बीच बना रहेगा।

आज का भारत मैत्री निभाना जानता है तो दुश्मन की मांद में घुसकर जवाब भी देना भी: योगी आदित्यनाथ

- कैंट विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के टिफिन बैठक में शामिल हुए मुख्यमंत्री
बोले-जी-20 की सर्वाधिक बैठकें काशी में हो रही हैं, दुनिया इस शहर के बारे में जानना चाहती है

वाराणसी, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा भारत के उत्थान और वैश्विक मंच पर मानवता के कल्याण के लिए काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से भाजपा कार्यकताओं में विचारधारा और संगठन के प्रति आत्मीय भाव पैदा करने के लिए आज प्रदेश की सभी विधानसभाओं में टिफिन बैठकों का आयोजन हो रहा है। दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर आए मुख्यमंत्री रविवार अपरान्ह कैंट विधानसभा क्षेत्र के विरदोपुर स्थित कैलाश मठ में भाजपा की ओर से आयोजित टिफिन बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना कर कहा कि काशी में टिफिन बैठक में शामिल होने पर मुझे हर्ष की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि हम सब ने 9 साल में भारत की बदलती तस्वीर को देखा है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले का भारत और उसके बाद का भारत हमारे सामने है। पहले देश के अंदर बड़े-बड़े आंदोलन चल रहे थे। सरकार के प्रति जनता में गुस्सा, आक्रोश और अविश्वास देखने को मिल रहा था। प्रतिदिन एक नया भ्रष्टाचार सामने आता था। आंतरिक और बाह्य सुरक्षा खतरे में थी, लेकिन पिछले 9 साल में हमने बदलते हुए भारत को देखा है। हाल ही में पीएम मोदी के 6 दिवसीय यात्रा को हम सबने देखा है। ये यात्रा भारत की बढ़ती ताकत का अहसास कराती है। अन्य देशों में भारत की कैसी प्रतिष्ठा बढ़ी है आप सबने देखा है। टिफिन बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का भारत अगर मैत्री निभाना जानता है तो दुश्मन की मांद में घुसकर जवाब देना भी उसे अच्छी तरह आता है। देश की आंतरिक और बाह्य सीमाएं आज पूरी तरह से सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था है। अगले दो-तीन साल में हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं। कश्मीर कभी अशांत और आतंकवाद की चपेट में था। आज वह शांति की नई राह पर बढ़ चुका है। पूर्वोत्तर के राज्य में कभी उग्रवाद चरम पर था, आज उन राज्यों में बीजेपी की सरकार होने से वे विकास और नये विश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में विरासत के सम्मान के लिए तमाम कदम उठाए गये हैं। काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या का श्रीराम मंदिर, केदारनाथ मंदिर और महाकाल का पुनरुद्धार पीएम मोदी के नेतृत्व का परिणाम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दुनिया में वैश्विक लीडर के रूप में मान्यता मिली है। देश की संसद में पीएम मोदी काशी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यही कारण है कि काशी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र है। जी 20 की सर्वाधिक बैठकें यहां हो रही हैं। काशी जगमगा रही है। काशी वैश्विक स्तर पर नये आकर्षण का केंद्र बना है। काशी इसलिए काशी है क्योंकि काशी अविनाशी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने काशी को पुनः प्रतिष्ठा और पहचान दी है। यही नहीं पीएम के मार्गदर्शन में यूपी आज बीमारू राज्य से ऊपर उठ चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश विकास, सुरक्षा और सुशासन का एक मानक बना है। यूपी आज जिस मार्ग का अनुसरण कर रहा है, वो दिन दूर नहीं जब ये भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में स्थापित हो जाएगा। इस दिशा में हमें मिलकर प्रयास करना है। बैठक में प्रदेश सरकार के मंत्री डॉ दया शंकर मिश्र 'दयालू', कैलाश मठ के महामंडलेश्वर आशुतोषानंद महाराज, स्वामी अनंतानंद महाराज, महापौर अशोक तिवारी, भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल,जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा,महानगर अध्यक्ष विद्या सागर राय, एमएलसी अशोक धवन, कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव, पिंडरा विधायक डॉ अवधेश सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने भाजपा नेताओं और कार्यकताओं के साथ टिफिन भी खाया। मुख्यमंत्री ने कैलाश मठ में 102 वर्षीय महामंडलेश्वर स्वामी रामचंद्र से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम पूछा। इसके बाद मठ में स्थित महादेव का दर्शन-पूजन भी किया।

महंगाई विपक्ष का मुद्दा है, जनता का नहीं : सांसद अजय टम्टा

बहराइच, (हि.स.)। मोदी सरकार की नौ साल की उपलब्धियों को गिनाने के लिए जनपद बहराइच पहुंचे उत्तराखंड के सांसद अजय टम्टा ने विपक्ष पर जोरदार हमला किया। महंगाई के मामले में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि महंगाई केवल विपक्ष का मुद्दा है जबकि देश में कोई महंगाई नहीं है। अगर महंगाई होती तो हम 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में अनाज नहीं दे पाते। गरीब कल्याण सेवा सुशासन के 9 वर्ष पूर्ण होने पर गुल्ला वीर मंदिर के प्रांगण में कार्यक्रम आयोजित हुआ। जनसभा में मुख्य अतिथि के रुप में सांसद अल्मोड़ा अजय टम्टा एवं विशिष्ट अतिथि प्रभारी मंत्री संजय निषाद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष श्याम कारण टेकरीवाल ने की। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष रणविजय सिंह एवं जिला महामंत्री राघवेंद्र प्रताप सिंह ने किया। सांसद अजय टम्टा ने कहा कि आज नौ वर्ष में भारत शक्तिशाली भारत, समृद्ध भारत, गरीबों की सेवा में सतत खड़ा रहने वाला भारत बना है। आज भारत के कृषकों का सम्मान, व्यापारियों का सम्मान व माताओं का सम्मान बढ़ा है। धर्मांतरण के मुद्दे पर बोलते हुए कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने कहा कि प्रदेश में योगी की सरकार है। अब कोई धर्मांतरण का खेल नहीं चलेगा। इसके पीछे जो लोग भी होंगे, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि पिछली सरकारों द्वारा पोषित किये गए गुंडों का अब सफाया किया जा रहा है। इस दौरान जिला महामंत्री डॉ. जितेंद्र, नन्हेलाल लोधी, धीरेंद्र मोहन आर्य, जिला मीडिया प्रभारी देवेंद्र कुमार मिश्र, उपाध्यक्ष सुरेश गुप्ता, राहुल राय, सुषमा चौधरी, जिला मंत्री सुनील श्रीवास्तव, डिंपल जैन, ब्लाक प्रमुख जयप्रकाश सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष रुपईडीहा उमाशंकर वैश्य समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

लोहरदगा में राइफल की सलामी से आर्मी जवान को दी अंतिम विदाई

लोहरदगा, (हि.स.)। किस्को थाना क्षेत्र अंतर्गत होंदगा गांव निवासी आर्मी जवान अशोक साहू की मौत कैमो महुआ टोली में सड़क दुर्घटना में शनिवार शाम में हो गई थी. वे असम में पदस्थापित थे. जवान का पार्थिव शरीर रविवार को सेना की गाड़ी से तिरंगे में लपेटकर होंदगा गांव लाया गया. पूरे गांव में मातम पसर गया. जवान के पार्थिव शरीर को देखने के लिए आसपास के गांवों से भी लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी. जवान की अंतिम विदाई के दौरान भारत माता के जयकारे से इलाका गुंजायमान हो गया. साथ आए सेना के जवानों ने सेना की गाड़ी से उतारने के बाद शव को अपने कंधों पर उठा कर श्मशान घाट तक पहुंचाया. इस दृश्य को देखकर हर किसी की आंखें नम थीं. जवान की पत्नी ममता देवी, बेटे आयूष साहू और बेटी का रो-रोकर बुरा हाल था, जिन्हें सभी सांत्वना दे रहे थे. जवान का अंतिम संस्कार होंदगा गांव के नदी स्थित श्मशान घाट पर किया गया. मृतक के बेटे आयूष ने जवान की चिता को मुखाग्नि दी. आर्मी के जवानों ने राइफलों से सलामी देकर मृतक जवान को अंतिम विदाई दी. इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे.

जदयू कार्यकारिणी की बैठक में 2024 लोकसभा चुनाव पर मंथन

भागलपुर, (हि.स.)। जिले के सबौर रोड स्थित एक विवाह भवन में रविवार को जिला जनता दल यू भागलपुर के द्वारा कार्यकारिणी सदस्यों की एक अहम बैठक की गई। इस दौरान 2024 के लोक सभा चुनाव को लेकर मंथन किया गया। साथ ही नए सदस्यता ग्रहण किए सदस्यों को फूल माला और अंग वस्त्र देकर सम्मानित भी किया गया। मौके पर जदयू के प्रमंडल पदाधिकारी अमरनाथ सरकार ने कहा कि 2024 में नीतीश कुमार लाल किला पर झंडा फहराएंगे और भारतीय जनता पार्टी को हम लोग जड़ से उखाड़ फेकेंगे। कार्यक्रम के दौरान पटना से आए प्रमंडल पदाधिकारी प्रह्लाद सरकार, सुल्तानगंज विधायक ललित नारायण मंडल, नाथनगर विधानसभा के पूर्व जदयू विधायक लक्ष्मीकांत मंडल, पूर्व जिला अध्यक्ष अर्जुन साह, जिला अध्यक्ष विपिन बिहारी सिंह, जिला प्रवक्ता शिशुपाल भारती, संजय राम के अलावा भागलपुर जिले के सभी प्रखंडों के प्रखंड अध्यक्ष और जदयू भागलपुर इकाई के कई पदाधिकारी बैठक में मौजूद थे।

विकासखंड पिहानी पर चार दिवसीय आर्ट ऑफ लिविंग का प्रशिक्षण संपन्न

हरदोई, (हि. स.)। पिहानी विकासखंड कार्यालय के प्रकाश चंद्र बाजपेई स्मृति सभागार में चल रहे चार दिवसीय आर्ट ऑफ लिविंग के संस्कार प्रशिक्षण समारोह का समापन रविवार को ब्लॉक प्रमुख कुशी बाजपेई ने किया। आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक मीता अग्रवाल ने पिहानी नगर के 21 बच्चों को अनुशासन ,स्वच्छता ,योगा समेत कई संस्कारों पर प्रशिक्षण दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख कुशी बाजपेई ने मौजूद बच्चों व उनके माता-पिता से कहा कि वे बच्चों को अच्छे संस्कार प्रदान करें और उन्हें जमीन से जोड़े रखें।

संस्कार आचरण (व्यवहार, नैतिक, नैतिक मूल्यों) को दशार्ता है। बच्चे महान पर्यवेक्षक हैं। वे हमेशा अपने आसपास के लोगों को देखते हैं और उनकी संस्कृति और आदतों की नकल करने की कोशिश करते हैं। अधिकतर माता-पिता ही बच्चों को औपचारिक शिक्षा के लिए भेजने से पहले उनमें ये संस्कार डालते हैं। इसलिए, माता-पिता और बड़ों को अपने बच्चों के लिए सही उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए जो वे उपदेश देते हैं, उसका पालन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार एक पौधे को पूरी तरह से खिलने के लिए पानी की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार छोटे बच्चों को मानवीय मूल्यों के पोषण के लिए संस्कारों की आवश्यकता होती है। प्रशिक्षक मीता अग्रवाल ने बच्चों को 4 दिन में,नमस्ते के रूप में हाथ जोड़ना या बड़ों के पैर छूकर अभिवादन करने,परमात्मा से प्रार्थना / ध्यान (आध्यात्मिकता),स्वस्थ भोजन करने (सात्विक भोजन),चटाई पर पालथी मारकर बैठ कर भोजने करने,लोगों के प्रति मित्रवत, विनम्र और दयालु होने,मिलनसार होने और सभी के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षक दीपा गुप्ता ने अभिभावकों से कहा जब आप बचपन में अच्छे संस्कार देते हैं तो बच्चों में निर्णय लेने की क्षमता का विकास होता है। यह कुछ बहुत ही सरलता से शुरू हो सकता है जैसे दिन के लिए उनकी पोशाक चुनना या कौन सा खेल खेलना है, यह तय करना। ऐसी आदतें उन्हें उनकी चाहतों और जरूरतों के बारे में बेहतर समझ देती हैं जो भविष्य में उनकी बहुत मदद करती हैं। अच्छे संस्कार जैसे जल्दी उठना, स्वस्थ भोजन की आदतों का पालन करना, स्वच्छ रहना और घर में प्रवेश करने से पहले जूते उतारना कुछ ऐसी आदतें हैं जो बच्चों में अनुशासन का निर्माण करती हैं।

झारखंड के सभी स्कूल 14 तक बंद

झारखंड के सभी स्कूल भीषण गर्मी के कारण 12 जून से बंद रहेंगे। अधिक गर्मी और लू को देखते हुए सरकार ने यह निर्णय लिया है। इसका आदेश शिक्षा सचिव के रवि कुमार ने रविवार को जारी कर दिया। जारी आदेश में सचिव ने कहा है कि राज्य में अत्यधिक गर्मी पड़ने एवं लू को ध्यान में रखते हुए राज्य में संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त, गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं सभी निजी विद्यालय 12 जून से बंद रहेंगे। फिलहाल, स्कूल 14 जून तक के लिए बंद किए गये हैं। सचिव ने कहा है कि इस अवधि में बच्चों की पढ़ाई में होने वाली क्षति की भरपाई के संबंध में अलग से निर्णय लेते हुए सूचित किया जायेगा। यह आदेश 12 जून से 14 जून तक लागू रहेगा। उल्लेखनीय है कि राज्य में भीषण गर्मी पड़ रही है। कई जिलों का पारा 44 से 45 डिग्री के बीच रहने से लोगों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इसके मद्देनजर झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य उज्ज्वल तिवारी ने सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को पत्र लिख कर राज्य में संचालित सभी विद्यालयों में ग्रीष्म अवकाश की अवधि बढ़ाने की मांग की थी।

अमित बने अभाविप के बलिया नगर अध्यक्ष, दया निधान बने नगर मंत्री

बेगूसराय, (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बलिया नगर इकाई का पुनर्गठन रविवार को बलिया व्यापार मंडल परिसर में आयोजित बैठक में किया गया। नवगठित इकाई की घोषणा विभाग संयोजक सोनू सरकार एवं जिला संयोजक पुरुषोत्तम कुमार ने किया। इससे पहले विचार परिवार के शुभचिंतकों ने सभी कार्यकताओं का सांगठनिक मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर विभाग संयोजक सोनू सरकार एवं जिला संयोजक पुरुषोत्तम कुमार ने कहा कि बलिया इकाई में विद्यार्थी परिषद का इतिहास काफी स्वर्णिम रहा है। विद्यार्थी परिषद के जोरदार आंदोलन का परिणाम आज डिग्री कॉलेज के निर्माण के रूप में हमारे सामने है। इसके लिए विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने आंदोलन और प्रदर्शन का सहारा लिया था। नवगठित इकाई से भी उम्मीद है कि पूरी उर्जा के साथ छात्र-छात्राओं की समस्याओं का मुखर आवाज बनकर कार्य करेंगे, संगठन का विस्तार करेंगे। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आदित्य राज ने कहा कि विद्यार्थी परिषद अन्य संगठनों से भिन्न है। हम भारत माता के प्रति श्रद्धा भाव रखकर शैक्षणिक संस्थान में छात्र-छात्राओं की आवाज बनकर कार्य करते हैं। समाज विद्यार्थी परिषद की ओर आशा भरी निगाह से देखती है। नगर अध्यक्ष अमित कुमार एवं नगर मंत्री दया निधान ने कहा कि आज जिस प्रकार 20 कार्यकताओं की टीम बनी है। हम सभी मिलकर कार्य करेंगे एवं आने वाले समय में बलिया क्षेत्र में विद्यार्थी परिषद का झंडा बुलंद करेंगे। नई इकाई का नगर अध्यक्ष अमित, उपाध्यक्ष सुभाष, मंत्री दया निधान, सह मंत्री संजीव एवं अजीत, कार्यालय मंत्री शुभम, कला संकाय एवं एसएफएस प्रमुख श्रीराम, खेल प्रमुख नीतीश, खेल सह प्रमुख मनीष एवं राजा, एसएफडी प्रमुख प्रशांत, एसएफडी सह प्रमुख संतोष, मीडिया एवं सोशल मीडिया प्रमुख प्रिंस, सोशल मीडिया सह प्रमुख धनंजय तथा कार्यकारिणी सदस्य रोशन, नीतीश, प्रियांशु, धर्मवीर, मधु रंजन एवं गोविंद को बनाया गया है।

संपादकीय

न्यूनतम समर्थन मूल्य में संतोषजनक वृद्धि

भाजपा सरकार के कामकाज का मूल्यांकन करें, तब स्पष्टतौर वह किसानों के प्रति संवेदनशील दिखायी देती है। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले और उनका जीवन स्तर बढ़े, इसे लेकर सरकार सजग रहती है। इसी संदर्भ में केंद्र सरकार ने खरीफ और मानसून में उगायी जानेवाली फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर दी है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष के लिए घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पिछले कई वर्षों के मुकाबले सबसे अधिक है। यानी इस बार किसान को उसकी उपज का और बेहतर मूल्य मिल सकेगा। वर्ष 2023-24 के लिए 17 खरीफ की फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति में स्वीकृति दी गई, जिसकी अध्यक्षता स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की। जिन फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई है, उनमें सबसे अधिक महत्वपूर्ण फसल धान है, जिसकी बुवाई अधिकतर राज्यों में शुरू हो चुकी है। धान का समर्थन मूल्य 2,183 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 143 रुपये अधिक है। प्रमुख दालों के समर्थन मूल्य में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। दालों में देखें तो मूंग के न्यूनतम समर्थन मूल्य में सबसे अधिक 10.4 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। जब से प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार ने मोटे अनाज को लेकर उत्साहजनक वातावरण बनाया है, तब से बाजरा की माँग बढ़ गई है। बाजरा की खेती करनेवाले किसानों को समुचित लाभ मिल सके, इसलिए बाजरा पर न्यूनतम समर्थन मूल्य उत्पादन की लागत से 82 प्रतिशत अधिक घोषित की गई है, जो किसानों को खूब प्रोत्साहित करेगी। वहीं, अरहर के लिए 58, सोयाबीन के लिए 52 और उड़द के लिए लागत की तुलना में 51 प्रतिशत अधिक न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई है। स्मरण हो कि मोदी सरकार ने किसानों से वायदा किया था कि न्यूनतम समर्थन मूल्य को लागत से कम से कम डेढ़ गुना रखा जाएगा। न्यूनतम समर्थन मूल्य के संबंध में हालिया घोषणा को देखें तो किसानों से किए गए अपने वायदे को निभाने में सरकार सफल रही है। उपरोक्त फसलों के अलावा अन्य फसलों पर भी लागत के मुकाबले न्यूनतम समर्थन मूल्य कम से कम 50 प्रतिशत अधिक रखा गया है। खाद्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि इस वर्ष जो कीमतें तय की गई हैं, उससे किसानों को लाभ होगा क्योंकि अभी खुदरा मुद्रास्फीति की दर, यानी महंगाई घट रही है। बहरहाल, अब सरकार के सामने चुनौती है कि उसने जो मूल्य घोषित किया है, उससे कम पर किसान की फसल न बिके। दरअसल मंडियों में बिचौलियों का कब्जा है, जो सरकार की मंशा को धरातल पर उतरने में बाधक बनते हैं। ये बिचौलिए किसानों की फसल का गलत मूल्यांकन करते हैं। इसके साथ ही मंडी में फसल लेकर आनेवाले किसानों को लंबी-लंबी कतारों में खड़ा कर दिया जाता है, उससे भी परेशान होकर किसान कम दाम में अपनी फसल बेचकर लौटने को मजबूर होता है। सरकार को चाहिए कि वह मंडी में किसानों से उपज खरीदी की प्रक्रिया पर कोई व्यवस्थित एवं पारदर्शी निगरानी तंत्र लागू करे। यदि सरकार इसमें सफल होती है तो वह किसानों की बेहतरी के लिए किए जा रहे प्रयासों को और प्रभावशाली बना सकती है, जिसके परिणाम और अधिक सुखद होंगे।

> वर्ष 2023-24 के लिए 17 खरीफ की फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति में स्वीकृति दी गई, जिसकी अध्यक्षता स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की। जिन फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई है, उनमें सबसे अधिक महत्वपूर्ण फसल धान है, जिसकी बुवाई अधिकतर राज्यों में शुरू हो चुकी है। धान का समर्थन मूल्य 2,183 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 143 रुपये अधिक है। प्रमुख दालों के समर्थन मूल्य में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। दालों में देखें तो मूंग के न्यूनतम समर्थन मूल्य में सबसे अधिक 10 .4 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। जब से प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार ने मोटे अनाज को लेकर उत्साहजनक वातावरण बनाया है, तब से बाजरा की माँग बढ़ गई है।

अमृत कलश

जीवन का मात्र अनुभव करें

अकसर हम यह सोचते हैं कि जिसने जीवन में अधिक कठिनाइयों का सामना किया है, वह जल्दी समझदार बन जाता है। कितना सही है यह सोच। वस्तुतः जीवन में कठिन कुछ नहीं होता है। जीवन में सिर्फ परिस्थितियां होती हैं। फिर चाहे आप उसका अनुभव एक कठिनाई के रूप में करें या आनंद के रूप में। यह चुनने का अधिकार आपका अपना है। अगर आप समझदार हैं तो आप हर परिस्थिति को एक आनंदमय प्रक्रिया में बदल देंगे। अगर आप समझदार नहीं हैं, तो आप अपने लिए हर परिस्थिति को कठिनाई बना लेंगे। अगर आप जानते हैं कि अपने दिमाग में चल रही बेतुकी बातों को कैसे महत्व ना दें, अगर आप अपने दिमाग में चल रहे मनोवैज्ञानिक बकवास में उलझे नहीं, तो आप निश्चित रूप से जल्दी समझदार बन जाएंगे। जीवन सिर्फ परिस्थिति है। 'दुखद' परिस्थिति या 'सुखद' परिस्थिति जैसी कोई चीज नहीं होती। अगर आप आसान परिस्थिति चाहते हैं, तो यह बहुत आसान है। हम आपको एक पिंजरे में बंद कर सकते हैं और जितना आप खा सकते हैं, उससे अधिक भोजन आपको दे सकते हैं। आप बस पिंजरे में रहिए। हम इसका खयाल रखेंगे कि आप सभी चीजों से पूरी तरह सुरक्षित हों। कोई खतरा नहीं, कोई मुश्किल नहीं। आपको परिवार, बीवी-बच्चों का खयाल नहीं रखना है, रोजी-रोटी नहीं कमानी, कुछ नहीं करना है। कोई भी परेशानी नहीं। सारी बातों का खयाल रखा जाएगा। आप बस उस पिंजरे में रहिए। क्या आप ऐसा चाहते हैं? क्या इससे आपको सुख मिलेगा? नहीं। दरअसल, सुख के लिए आप मुश्किलें चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपके सामने चुनौती हो। आप लगातार अपनी दुनिया का विस्तार करना चाहते हैं। है ना? अगर आप चुप रहकर, अपनी आंखें बंद करके लंबे समय तक बैठना जानते हैं, तो आप जल्दी ही समझदार हो जाएंगे। अगर आप दिमाग में चल रही बकवास में ना उलझें, तो आप समझदार बन जाएंगे। केवल जीवन की ओर देखना और अपने तरीके से उसका मतलब निकाले बिना, उसे जानना, निश्चित रूप से आपको जल्दी समझदार बनाने में सहायता करेगा। आप तभी किसी को बहुत समझदार कह सकते हैं, जब कोई अपना जीवन सहजता और बिना किसी उलझन के जीता है। बस, आपको इतना करना है कि आप जीवन का मतलब निकालना छोड़ कर उसका अनुभव करना शुरू कर दें।

बोध कथा

देशभक्ति का जज्बा

अलीपुर षड्यंत्र केस में फंसे देशभक्तों को छुड़ाने के लिए देशबंधु चितरंजन दास जी-जान से लगे हुए थे। आंदोलनकारियों की सहायता के लिए उन्होंने एक व्यापारी से दो लाख रुपये कर्ज लिए थे। एक दिन वह व्यापारी देशबंधु के घर पर आया और बोला, 'अब आप मेरे दो लाख रुपये दे दीजिए। मैं रुपये लिए बिना यहां से नहीं जाऊंगा।' तभी एक व्यक्ति वहां आया और देशबंधु से एक मुकदमे की पैरवी के लिए विनती करने लगे। वह व्यक्ति देशबंधु को मुकदमे की पैरवी के लिए पांच लाख रुपये देने को तैयार था। देशबंधु व्यस्तता के बीच बोल पड़े, 'इन देशभक्तों के जीवन के सामने, जिनके बचाव के लिए मैं इस मुकदमे में लगा हूं, पांच लाख रुपये क्या? आप अपनी सारी संपत्ति भी दे दें, तो वह मेरे लिए तुच्छ है।' देशबंधु की बातें सुनकर व्यापारी की आंखें खुल गयीं। त्याग के इस देवता के सामने अपनी हरकत के लिए उसे आत्मग्लानि होने लगी। उसने अपनी चेक बुक निकाली और देशबंधु के सामने रखकर बोला, 'आपके इस त्याग को देखकर मेरा सिर श्रद्धा से झुक गया है। आपको जितने रुपयों की आवश्यकता हो इस चेक में भरकर लिख दीजिए। देश के लिए यह मेरी छोटी-सी भेंट स्वीकार कीजिए।'

अन्य देशों की बात दूर, वे अभी भारत में भी जिम्मेदार नेता नहीं बन पाये हैं

राहुल विदेशों में बढ़ती साख को बट्टा लगा रहे हैं

ललित गर्ग

> राहुल गांधी मोदी विरोध के नाम पर देश के विरोध पर उतर आए हैं। ये पहली बार नहीं है। लंदन की यात्रा के दौरान भी राहुल गांधी अपने बयानों से इसी तरह घिर गए थे। अमेरिका में उन्होंने केरल में अपने सहयोगी दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को पंथनिरपेक्ष होने का प्रमाण पत्र देते हुए कहा कि उसमें कुछ भी गैर सेक्युलर नहीं है। इसका मतलब है कि उनकी नजर में वह पक्के तौर पर पंथनिरपेक्ष है। उनका यह बयान जीती मक्खी निगलने जैसा और पंथनिरपेक्षता का उपहास है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सांप्रदायिक चरित्र पर इस तरह की बातों से पर्दा पड़ने वाला नहीं है। वह जिन्ना की मुस्लिम लीग से अलग नहीं है, क्योंकि सच यही है कि विभाजन के बाद उसका गठन जिन्ना के समर्थकों ने ही किया था।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत में मोदी-विरोध में कुछ भी बोले, यह राजनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन वे विदेश की धरती पर मोदी विरोध के चलते जिस तरह के गलत बयान देते रहे हैं, वह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शाता है। आखिर कब राहुल एक जिम्मेदार एवं विवेकवान नेता बनेंगे? विदेश में कांग्रेस की यात्राओं के माध्यम से वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विश्वस्तरीय नेता की छवि को धुंधला कर स्वयं को उस स्तर का नेता साबित करने में जुटे हैं। जबकि मोदी की छवि एवं हस्ति, प्रसिद्धि एवं सर्वस्वीकार्यता विश्व के किसी भी नेता की तुलना में ज्यादा है। अन्य देशों की बात दूर, वे अभी भारत में भी जिम्मेदार नेता नहीं बन पाये हैं। उनकी कार्यशैली एवं बयानबाजी में अभी भी बचकानापन एवं गैरजिम्मेदाराना भाव ही झलकता है। एक प्रांत में क्या जीत हासिल कर ली, अहंकार के शिखर पर चढ़ बैठे, निश्चित ही राहुल के विष-बुझे बयान इसी राजनीतिक अहंकार से उपजे हैं। इनदिनों की अपनी अमेरिका की यात्रा में राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस को आड़े हाथ लिया। केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए उन्होंने ये भी कहा कि देश में आज मुसलमान ही नहीं, सभी अल्पसंख्यक, दलित और आदिवासी डरा हुआ महसूस कर रहे हैं। इस तरह के बयानों से मोदी एवं आरएसएस से ज्यादा भारत की बदनामी हो रही है, लगता है राहुल गांधी मोदी विरोध के नाम पर देश के विरोध पर उतर आए हैं। ये पहली बार नहीं है। लंदन की यात्रा के दौरान भी राहुल गांधी अपने बयानों से इसी तरह घिर गए थे। अमेरिका में उन्होंने केरल में अपने सहयोगी दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को पंथनिरपेक्ष होने का प्रमाण पत्र देते हुए कहा कि उसमें कुछ भी गैर सेक्युलर नहीं है। इसका मतलब है कि उनकी नजर में वह पक्के तौर पर पंथनिरपेक्ष है। उनका यह बयान जीती मक्खी निगलने जैसा और पंथनिरपेक्षता का उपहास है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सांप्रदायिक चरित्र पर इस तरह की बातों से पर्दा पड़ने वाला नहीं है। वह जिन्ना की मुस्लिम लीग से अलग नहीं है, क्योंकि सच यही है कि विभाजन के बाद उसका गठन जिन्ना के समर्थकों ने ही किया था। आखिर राहुल गांधी किस मुंह से ऐसे सांप्रदायिक और विभाजनकारी अतीत वाले दल को पंथनिरपेक्ष होने का प्रमाण पत्र दे रहे हैं? वे देश की एकता एवं अखण्डता को साम्प्रदायिक संकीर्णता से खण्डित करने की कोशिश करते हुए

कब क्या कर जाएं, कहां नहीं जा सकता। हैरानी नहीं कि कल को वह बंगाल के घोर सांप्रदायिक और नफरती इंडियन सेक्युलर फ्रंट को भी पंथनिरपेक्ष होने का प्रमाण दे दें, क्योंकि कांग्रेस ने पिछला विधानसभा चुनाव उसके साथ मिलकर ही लड़ा था। कांग्रेस एवं उनके नेता राहुल का स्वभाव ऐसा हो गया है कि वे तिल को ताड़ एवं राई को पहाड़ बनाकर प्रस्तुति देते हैं, यह उनके दृष्टिकोण का दोष एवं अहंकार है। 'डूंगर बलती दीखे, घर बलतो कोनीं दीखे' इस कहावत के अनुसार अपनी हरकतों एवं रसातल में जाते जन-बल से आंख मूंदकर दूसरे में दोष देखना कांग्रेस का सहज स्वभाव हो गया है। कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति आजादी मिल जाने एवं देश के दो टूकडे.हो जाने के बावजूद कायम रही, इसीलिये बंटवारे के बाद कांग्रेस के नेताओं के सांप्रदायिक सोच से नाराज होकर सरदार पटेल ने यह कहकर उन्हें चेताया था कि दो घोड़ों की सवारी मत कीजिए। एक घोड़ा चुन लीजिए और जो पाकिस्तान जाना चाहते हैं, वे जा सकते हैं। सरदार पटेल ने यह कहने में भी संकोच नहीं किया था कि लीग के जो समर्थक महात्मा गांधी को अपना दुश्मन नंबर एक बताते थे, वे अब उन्हें अपना दोस्त कह रहे हैं। भले ही संकीर्ण वोट बैंक की सस्ती राजनीति के चलते आज की कांग्रेस यह सब याद न रखना चाहती हो, लेकिन देश की जनता यह सब नहीं भूल सकती। देश की जनता मोदी एवं राहुल के बीच के फर्क का महसूस कर रही है। जनता यह गहराई से देख रही है कि राहुल विदेशों में भारत की बढ़ती साख एवं विकास की तस्वीर को बट्टा लगा रहे हैं जबकि मोदी ने न केवल अपनी सरकार के दौरान भारत में आए बदलावों की सकारात्मक तस्वीरें विदेशी मंच पर पेश कीं, बल्कि दुनिया की समस्याओं को लेकर भी अपनी समाधानपरक सोच रखी। इसलिये उन्हें विश्व नेता के रूप में स्वीकार्यता मिल रही है। किन्हीं एक दो प्रांतों में हार की वजह से मोदी की छवि पर कोई असर नहीं पड़ा है, भारत ही नहीं, समूची दुनिया में मोदी के प्रति सम्मान एवं श्रद्धा का भाव निरन्तर प्रवर्द्धमान है। राहुल गांधी, उनके रणनीतिकारों और विदेशों में कांग्रेस के संचालकों का नरेंद्र मोदी, भाजपा और संघ परिवार के प्रति शाश्वत वैर-भाव एवं विरोध की राजनीति समझ में आती है लेकिन विदेश में देश की खराब छवि पेश कर और नेता को खलनायक बनाने से उन्हें इज्जत नहीं मिलेगी। यह तो विरोध की हद है! नासमझी एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का शिखर है!! उजालों पर कालिख पोतने के प्रयास हैं! राहुल गांधी अपने आधे-अधूरे एवं विध्वंसात्मक बयानों को लेकर निरन्तर चर्चा में रहते हैं। उनके बयान हास्यास्पद होने के साथ उद्देश्यहीन एवं उच्छृंखल भी होते हैं। राहुल ने बातों-बातों में यह भी कह दिया कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। वह देश के प्रमुख विपक्षी दल के नेता हैं। सरकार की नीतियों से नाराज होना, सरकार के कदमों पर सवाल उठाना उनके लिए जरूरी है। राजनीतिक रूप से यह उनका कर्तव्य भी है। लेकिन, प्रश्न यह है कि क्या विदेशी धरती पर वह मात्र भारत के विपक्षी दल के नेता होते हैं? क्या उन्हें यह नहीं सोचना चाहिए कि वह भारत का भी प्रतिनिधित्व कर रहे हैं? यह समस्या मात्र राहुल गांधी की नहीं है। पूरा विपक्ष यह नहीं समझ पा रहा है कि सत्ताधारी दल के विरोध और देश के विरोध के बीच फर्क है। सत्ताधारी दल का विरोध करना स्वाभाविक है, लेकिन उस लकीर को नहीं पार करना चाहिए, जिससे वह देश का विरोध बन जाए। ऐसे बयानों से किस पर और कैसे प्रभाव पड़ता है। सरकार और राष्ट्र के विरोध के बीच अंतर समझना भी आवश्यक है। उल्लेखनीय बात यह है कि निन्दक एवं आलोचक कांग्रेस को सब कुछ गलत ही गलत दिखाई दे रहा है। मोदी एवं भाजपा में कहीं आहट भी हो जाती है तो कांग्रेस में भूकम्प-सा आ जाता है। मंजे की बात तो यह है कि इन कांग्रेसी नेताओं को मोदी सरकार की एक भी विशेषता दिखाई नहीं देती, कितने ही कीर्तिमान स्थापित हुए हो, कितने ही आयाम उद्घाटित हुए हो, देश के तरक्की की नई इबारतें लिखी गयी हो, समूची दुनिया भारत की प्रशंसा कर रही हो, लेकिन इन कांग्रेसी नेताओं को सब काला ही काला दिखाई दे रहा है। कमियों को देखने के लिये सहस्राक्ष बनने वाले राहुल अच्छाई को देखने के लिये एकाक्ष भी नहीं बन सके? बने भी तो कैसे? शरीर कितना ही सुन्दर क्यों न हो, मक्खियों को तो घाव ही अच्छा लगेगा।

अदालतों की सुरक्षा और अपराध बनता चुनौती ?

> अदालतों में गोलीकांड की एक नहीं अनगिनत घटनाएं हैं। यही हालात जेलों की है यहाँ भी कभी-कभी ऐसी घटनाएं होती हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस घटना के बाद ला-एण्ड-ऑर्डर का सवाल उठाया है। उन्होंने प्रदेश में बढ़ते अपराध और महिलाओं की सुरक्षा पर भी सरकार को घेरा है। पत्रकारों से अपराध का डाटा भी गिनाते दिखे। कन्नौज की घटना पर भी उन्होंने सवाल उठाया है। लखनऊ राज्य की राजधानी है। यह सत्ता का केंद्र बिंदु है। मुख्यमंत्री, गृहमंत्री, मंत्रालय, पुलिस महानिदेशक सब यहीं रहते हैं। लेकिन राज्य की राजधानी लखनऊ भी सुरक्षित नहीं है। अपराधी बेखौफ होकर अदालत में घुसकर गोलियां बरसाते हैं। उन्हें मुख्यमंत्री के बुलडोजर और एनकाउंटर नीति से जरा भी भय नहीं दिखता। गैंगवार की इस अघोषित लड़ाई में माफिया तो मरते हैं। निर्दोष पुलिस और आम आदमी भी शिकार होता है। जिसका इस लड़ाई से कोई ताल्लुक नहीं होता। पुलिस सुरक्षा और उसकी मौजूदगी में बढ़ती इस तरह की घटनाएं आम से लेकर ख़ास लोगों में भय पैदा करती हैं। जब अदालते नहीं सुरक्षित हैं तो आम आदमी न्याय की उम्मीद कैसे कर सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में स्वयं माफियाराज खत्म करने का दावा करते हैं। सरकार यह ढिंढोरा पीटती है कि राज्य से अपराध का समूल सफाया हो गया है। लेकिन तस्वीर इसके उलट है। अदालतें और जेल भी सुरक्षित नहीं है। लखनऊ के कौसरबाग़ की अदालत में हुईं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के माफिया संजीव महेश्वरी उर्फ़ जीवा की हत्या कम से कम यही साबित करती है। हालांकि यह कोई नई घटना नहीं है। अदालतों में गोलीकांड की एक नहीं अनगिनत घटनाएं हैं। यही हालात जेलों की है यहाँ भी कभी-कभी ऐसी घटनाएं होती हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस घटना के बाद ला-एण्ड-ऑर्डर का सवाल उठाया है। उन्होंने प्रदेश में बढ़ते अपराध और महिलाओं की सुरक्षा पर भी सरकार को घेरा है। पत्रकारों से अपराध का डाटा भी गिनाते दिखे। कन्नौज की घटना पर भी उन्होंने सवाल उठाया है। लखनऊ राज्य की राजधानी है। यह सत्ता का केंद्र बिंदु है। मुख्यमंत्री, गृहमंत्री, मंत्रालय , पुलिस महानिदेशक सब यहीं रहते हैं। लेकिन राज्य की राजधानी लखनऊ भी सुरक्षित नहीं है। अपराधी बेखौफ होकर अदालत में घुसकर गोलियां बरसाते हैं। उन्हें मुख्यमंत्री के बुलडोजर और एनकाउंटर नीति से जरा भी भय नहीं दिखता। गैंगवार की इस अघोषित लड़ाई में माफिया तो मरते हैं। निर्दोष पुलिस और आम आदमी भी शिकार होता है। जिसका इस लड़ाई से कोई ताल्लुक नहीं होता। पुलिस सुरक्षा और उसकी मौजूदगी में बढ़ती इस

तरह की घटनाएं आम से लेकर ख़ास लोगों में भय पैदा करती हैं। जब अदालते नहीं सुरक्षित हैं तो आम आदमी न्याय की उम्मीद कैसे कर सकता है। न्यायधीश को लोग न्याय का देवता मानते हैं। जब उसका मंदिर भी असुरक्षित है तो आम आदमी किससे उम्मीद करे। यह सवाल जायज और चिंता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबित लखनऊ की कैसरबाग की अदालत में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के माफिया संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा की ताबड़तोड़ गोलियां बरसा कर हत्या कर दी जाती है। इस घटना में जहां दो पुलिसकर्मी घायल हुए वहीं एक डेढ़ साल की मासूम और उसकी मां को भी गोली लगती है। जीवा पूर्वांचल के माफिया से राजनेता बने मुख्तार अंसारी का करीबी बताया गया है। उसने भाजपा नेता ब्रह्मदत्त द्विवेदी की हत्या की थी। जिसके बाद उसे आजीवन कारावास की सजा मिली थी। वह मुजफ्फरनगर का रहने वाला था। जीवा हत्या और दलित उत्पीड़न के मामले में अदालत में पेशी पर आया था। अधिवक्ताओं ने बहादुरी दिखाते हुए गोलीकांड के आरोपी को पकड़ लिया और उसकी अच्छी कुटाई भी किया। वह जौनपुर के केराकत का रहने वाला है। उसका नाम विजय यादव है। पुलिस उसका आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है कि आखिर इसने जीवा की हत्या क्यों और किसके कहने पर किया। इस घटना के बाद राज्य मुख्यालय में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस महानिदेशक ने अदालतों की सुरक्षा व्यवस्था को और दुरुस्त करने का आदेश दिया है। अदालत परिसर में इतनी कड़ी सुरक्षा के बावजूद जीवा की हत्या करने का आरोपी अधिवक्ता के भेष में सीधे कोर्ट रूम में कैसे घुस गया। अदालत परिसर और कोर्ट रूम के बाहर पुलिस की अच्छी-खासी सुरक्षा व्यवस्था रहती है। बिना जांच-पड़ताल के न्यायाधीश की अदालत में ऐसे लोगों को क्यों जाने दिया गया। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि जीवा के अदालत में पेश होने के पहले ही हत्या का आरोपी अधिवक्ता के भेष में वहां बैठा था। यह सब कैसे संभव है। निश्चित रूप से कहीं न कहीं से सुरक्षा व्यवस्था में चूक का मामला है। माफिया से राजनीति में प्रवेश करने वाले अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की भी अप्रैल में कुछ इसी तरह गोली मारकर हत्या कर दी गयीं थी। जब उसे प्रयागराज के काल्विन अस्पताल से मेडिकल जांच के बाद जब पुलिस अभिक्षा में लाया जा रहा था उसी दौरान ताबड़तोड़ गोलियां बरसा कर दोनों भाइयों की हत्या कर दी गयीं। इस घटना के बाद सनसनी फैल गई और सरकार के कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे। लेकिन इसके बाद भी कोई सबक नहीं लिया गया। पूर्वांचल का माफिया डॉन मुन्ना बजरंगी की भी जेल में गोली मारकर कर इसी तरह हत्या कर दी गई थी। जबकि अपराधियों के लिए जेल सबसे सुरक्षित मानी जाती है। लेकिन इसके बावजूद भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई खास सुधार नहीं हो पाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ की छवि अपराध के खिलाफ बेहद सख्त मानी जाती है। अपराधियों के खिलाफ बुलडोजर और एनकाउंटर नीति देश की मीडिया में छायी रहीं, लेकिन इसके बावजूद भी अपराधियों के हौसले पस्त नहीं हुए। सबसे सुरक्षित माने जाने वाली अदालत में अब इनकी धमक पहुंच गयीं है। यह वाजिब सवाल है कि हम किसी अपराधी के महिमामंडन की बात नहीं करते हैं। अतीक, असरफ, मुन्ना बजरंगी और जीवा के मरने की वकालत हम नहीं कर रहे हैं। क्योंकि सभी लोग एक अपराधी थे और अपराधी की तरह मारे गए। कहा भी गया है जो जैसा बोएगा वैसा काटेगा। लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तो सवाल उठेंगे। क्योंकि यह सरकार और कानून-व्यवस्था से जुड़ा सवाल है।सम्बंधित घटनाओं से यह साबित होता है कि अपराधियों में मुख्यमंत्री के एनकाउंटर नीति का कोई खौफ नहीं है। अगर ऐसा होता तो निश्चित रूप से मेडिकल जांच से आते समय अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या न होती। अदालत परिसर में जीवा खुले आम गोलियां का शिकार न बनता। उदाहरण के लिए यह दो घटनाएं साबित करती हैं कि उत्तर प्रदेश में माफियाराज की जडें अभी काफी मजबूत हैं। उन्हें कहीं न कहीं से खाद-पानी मिल रहा है। अतीक की हत्या करने वाले पत्रकार के वेश में आए थे जबकि जीवा को ठिकाने लगाने वाला अधिवक्ता के रूप में आया। यह साबित होता है कि अपराध अपना ट्रेंड और तरीका भी बदल रहा है। इस तरह की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस को भी अपना नजरिया बदलना होगा।

देश दुनीया से

पहले राहुल ने मुँह मोड़ा, अब प्रियंका भी यूपी प्रभारी पद छोड़ेंगी और अपनी प्रधानमंत्री उम्मीदवारी पर ध्यान देंगी

आम चुनाव में अब कुछ ही महीने का समय ही बचा है। सभी दलों के नेता गठबंधन करने और चुनाव जीतने के लिए रणनीति बना रहे हैं। उधर, लोकसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक नेता अपने-अपने क्षेत्रों में मतदाताओं की परिक्रमा कर रहे हैं। सभी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पार्टियों में सियासी हलचल बढ़ी हुई है। उत्तर प्रदेश में भी यही स्थिति है। भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के भीतर चुनावी मंथन का दौर चल रहा है, लेकिन पूरे परिदृश्य से कांग्रेस पूरी तरह से गायब है। ऐसे समय में जब कर्नाटक जीतने के बाद कांग्रेस का सियासी पारा बढ़ा हुआ है तब भी यूपी में कांग्रेस 'कोमा' में नजर आ रही है। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने तो यूपी से दूरी बना ही ली है, उनकी जगह यूपी कांग्रेस में जान फूंकने आईं कांग्रेस महासचिव और यूपी की प्रभारी प्रियंका वाड्रा ने भी यूपी की राजनीति से मुंह मोड़ लिया है। कभी कधार ट्विटर के जरिए जरूर प्रियंका अपनी उपस्थिति दर्ज करा लेती हैं। वर्ना तो उनका यूपी से कोई नाता ही नहीं रह गया है। अब तो चर्चा यह भी चल रही है कि प्रियंका वाड्रा का भी यूपी कांग्रेस प्रभारी पद से मन भर गया है। प्रियंका यूपी की राजनीति से पूरी तरह से किनारा करके राष्ट्रीय राजनीति में अपनी जगह बनाना चाहती हैं। जहां उनके लिए उम्मीदें ज्यादा हैं। उनके लिए यहां पीएम की कुर्सी के लिए पिच पर टिका रहना ज्यादा आसान लगता है। अगले वर्ष लोकसभा चुनाव होना है और राहुल गांधी को मानहानि के एक केस में सजा सुनाए जाने के बाद उनके चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा हुआ है जबकि सजा सुनाए जाने से पूर्व तक राहुल गांधी को ही कांग्रेस की तरफ से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार माना जाता था। बदली परिस्थितियों में प्रियंका को अपने लिए काफी संभावनाएं दिख रही हैं। ऐसे में उनका यूपी कांग्रेस का प्रभारी बने रहने का कोई औचित्य भी नहीं बचा है। सूत्रों की मानें तो आगामी चुनाव की तैयारियों को देखते हुए राज्य में कांग्रेस को जल्द ही नया प्रभारी मिल सकता है। दावा है कि कई राज्यों में चुनाव में व्यस्तता के चलते प्रियंका गांधी अपना प्रभारी पद छोड़ सकती हैं। हालांकि पार्टी में नए नामों को लेकर मंथन शुरू हो गया है। सूत्रों के अनुसार, कई नाम यूपी कांग्रेस प्रभारी की रेस में हैं। हरीश रावत और तारिक अनवर का नाम इस रेस में सबसे आगे बताया जा रहा है। इनको कांग्रेस का राज्य में प्रभार दिया जा सकता है। हालांकि अभी पार्टी जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहती है। यूपी में कांग्रेस की नई कार्यकारिणी का भी ऐलान होना है, इसको लेकर भी कई नामों पर चर्चा चल रही है। माना जा रहा है कि प्रदेश कार्यकारिणी में क्षेत्रीय अध्यक्षों को जगह दी जा सकती है। राजनीतिक के जानकारों की मानें तो कर्नाटक चुनाव के बाद पार्टी में संगठन स्तर पर कुछ नेताओं की जिम्मेदारी को बढ़ाया जा सकता है। खास तौर पार्टी में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी को देखते हुए ये बदलाव काफी अहम होगा। सूत्रों की मानें तो कर्नाटक में जीत के बाद कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी की भूमिका बदलेगी। वह चुनावी राज्यों में ज्यादा समय देंगी। बता दें कि इस साल के अंत तक राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुनाव होने वाले हैं। कांग्रेस की सरकार राजस्थान और छत्तीसगढ़ में है, जबकि बीजेपी की सरकार मध्य प्रदेश में है। हालांकि कर्नाटक में जीत के बाद अब कांग्रेस ने इन राज्यों में तैयारी तेज कर दी है, लेकिन कांग्रेस के लिए राजस्थान में हालात काफी खराब हैं। यहां कांग्रेस के लिए वापसी आसान नहीं होगी, इसीलिए कांग्रेस ने यहां कई लोकलुभावन घोषणाएं की हैं। 200 यूनिट बिजली तो उपभोक्ताओं को फ्री में मिलने भी लगी है।

> भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के भीतर चुनावी मंथन का दौर चल रहा है, लेकिन पूरे परिदृश्य से कांग्रेस पूरी तरह से गायब है। ऐसे समय में जब कर्नाटक जीतने के बाद कांग्रेस का सियासी पारा बढ़ा हुआ है तब भी यूपी में कांग्रेस 'कोमा' में नजर आ रही है। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने तो यूपी से दूरी बना ही ली है, उनकी जगह यूपी कांग्रेस में जान फूंकने आईं कांग्रेस महासचिव और यूपी की प्रभारी प्रियंका वाड्रा ने भी यूपी की राजनीति से मुंह मोड़ लिया है। कभी कधार ट्विटर के जरिए जरूर प्रियंका अपनी उपस्थिति दर्ज करा लेती हैं।

नागरिक बोध

गुजरात मे प्रतिबंधित आतंकी संगठन का भंडाफोड़

दुनिया मे आतंकवाद की जड़े इतनी गहरी हो गई है ,जिस पर लगाम लगाना मुश्किल काम है। पाकिस्तान से आतंकवाद की शुरुआत हुई है। धीरे धीरे आतंक की जड़े विश्व मे फैलती गई। आज दुनिया मे कोई भी देश आतंकी संगठनों के जुल्म से बच नही पाया है। भारत मे आतंकी संगठनों ने कई बार बम ब्लास्ट जैसे जघन्य अपराध किये है। निर्दोष लोगों की हर महीने कही न कही देश में बम ब्लास्ट से मौतें होती थी। सरकार आतंकवाद के कहर से बच नही पाती थी। सरकार बदली और एनडीए के घटक संग़ठन की सरकार बनने के बाद देश के कड़क कानून व्यवस्था का अमल किया गया। जिससे, विगत वर्षों में कोई आतंकी हमला नहीं हुआ है। अब गुजरात के सूरत से आईएसआईएस के आतंकी मॉड्यूल का सूरत में भंडाफोड़ होने के बाद एटीएस की शंका बलवान होती दिख रही है। गुजरात मे आतंकी संग़ठन की जड़े फैली होने की आशंका है। गुजरात मे एटीएस को मिली भारी सफलता के बाद जांच एजेंसियों ने उसी ऐंगल से जांच करने की तैयारी बता दी है। सूरत की महिला सहित चार आतंकियों को पकड़ने के पश्चात गुजरात में और देश मे प्रतिबंधित आतंकी संगठन किस रूप में सक्रिय है। निर्दोष लोगों का खून बहाकर बहादुर बनते आतंकी संगठनों की मोदी सरकार में हालत पस्त हो गई है। लेकिन इनकी करनी का लोहा सरकार को मानना होगा। सरकार की गणित से उल्टी गिनती करने वाले आतंकी संगठन लाशों पर बहादुरी का मेडल जीतकर वाहवाही लूटते है। इनका कोई धर्म नही होता है। लेकिन आज के समय मे आतंकवाद विश्व समुदाय के लिए खतरा बनता जा रहा है। हैंडलर के संपर्क में रहने वाली सुमेराबानू के घर पुलिस की दबिश पर चोंकाने वाले दस्तावेज पुलिस ने बरामद किए है। जिसमे उग्र प्रकाशन और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए है। एक बार फिर देश को दहलाने की साजिश की गई थी,लेकिन पुलिस ने इसे निरस्त कर दिया। गिरफ्तार तीन कश्मीरी आरोपी हैंडलर अबु हमजा की मदद से ईरान के रास्ते अफगानिस्तान जाना चाहते थे। देश मे नौ साल पहले आतंकी घटनाए होती थी। अब कोई ऐसी घटना नही हुई है। कट्टरपंथी युवकों को पकड़ने के लिए गुजरात के अनेक स्टेशनों पर पुलिस की कड़ी नजर थी। आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कैसे इरादे थे। देश मे आगामी दिनों किस तरह की घटना को अंजाम दिया जाने वाला था। उसका खुलासा पुलिस की एटीएस जांच कर रही है। लेकिन देश मे प्रतिबंध के बावजूद देश पर कहर बनकर टूट पड़ने वाले आतंकवादियो के मंसूबे धरे के धरे रह जाएंगे। मोबाइल फ़ोन, टैबलेट और हथियारों की बरामदगी से आशंका जताई जा रही थी कि आगामी दिंनो में किसी घटना को अंजाम देने के लिए सक्रियता बढ़ा रहे थे। इन साथियों का एक आतंकी फरार है और उसकी तलाश जारी है।

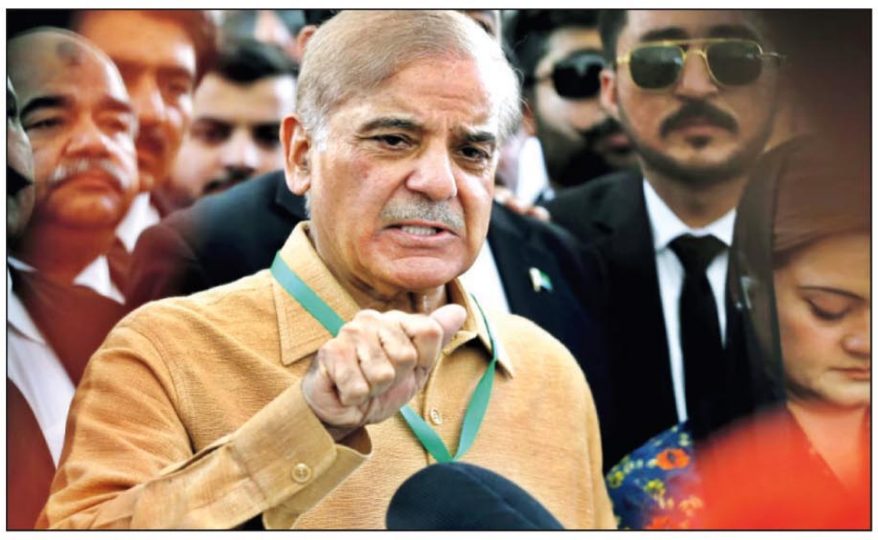

कितनी डूब चुकी है पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था, नए बजट ने खोला राज

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान में अगले वित्त वर्ष के लिए पेश हुआ आम बजट दरअसल देश की घोर आर्थिक बदहाली को सामने लाने वाला दस्तावेज बन गया है। पाकिस्तान किस मुसीबत में फंस गया है, इसके आंकड़े इस बजट से सामने आए हैं। अब खुद पाकिस्तान सरकार ने स्वीकार किया है कि देश स्टैगफ्लेशन (आर्थिक वृद्धि दर से अधिक मुद्रास्फीति दर) की गहरी खाई में गिर चुका है। चालू वित्त वर्ष में जहां आर्थिक वृद्धि दर महज 0.3 प्रतिशत रही, वहीं देश में मुद्रास्फीति की दर औसतन 38 प्रतिशत रही। आलोचकों ने इस बात पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई है कि शहबाज शरीफ सरकार ने आर्थिक बदहाली के लिए अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय इसका दोष अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष पर डालने की कोशिश की है। वित्त मंत्री इशहाक डार ने कहा कि मंजूर हो चुके ऋण जारी करने को लेकर आईएमएफ ने जो टाल-मटोल की, उसका पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति पर बहुत खराब प्रभाव पड़ा। डार ने कहा कि आईएमएफ का कर्ज ना मिलने की स्थिति में पाकिस्तान सरकार के पास एक 'प्लान-बी' (वैकल्पिक योजना) है, लेकिन अपने लंबे बजट भाषण के दौरान उन्होंने इसका कोई ब्योरा नहीं दिया। इसको लेकर भी कई हलकों से उनकी आलोचना हुई है। सरकार ने स्वीकार किया है कि निम्न आर्थिक वृद्धि के कारण देश में बेरोजगारी और गरीबी में भारी इजाफा हुआ है। उस समय बेरोजगारी भी बढ़ती जा रही है, जब लोगों को 38 प्रतिशत की ऊंची महंगाई दर का सामना करना पड़ रहा है। बजट दस्तावेज से सामने आया कि सरकार आर्थिक लक्ष्यों के सभी मोर्चों पर नाकाम रही। अपने एक विश्लेषण में कहा है- 'चालू वित्त वर्ष पाकिस्तान के इतिहास में एक ऐसे साल के रूप में दर्ज होगा, जब देश को विनाशकारी बाढ़ का सामना करना पड़ा जिससे फसलें बह गईं, उसकी अर्थव्यवस्था का घोर कुप्रबंधन हुआ और बेकाबू महंगाई के कारण लोगों की क्रय शक्ति में तेजी से गिरावट आई। अर्थशास्त्रियों में मौजूद इस राय का जिक्र किया है कि (पाकिस्तानी) रुपये के अवमूल्यन अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान उठाना पड़ा। उधर सरकार ने आईएमएफ से कर्ज पाने की कोशिश में आम उपभोग की चीजों के दाम तेजी से बढ़ाए। लेकिन आखिर में मौजूदा सरकार ना तो आईएमएफ से ऋण हासिल कर पाई और ना ही अर्थव्यवस्था को विनाश से बचा पाई। बजट से सामने आई सूचना के मुताबिक आयात और उपभोग पर लगी भारी रोक के कारण आर्थिक वृद्धि दर में बड़ी गिरावट आई। विश्लेषकों ने ध्यान दिलाया है कि पिछले वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रही थी। तब देश में इमरान खान की सरकार थी। इसलिए अब इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने दावा किया है कि उसकी सरकार का आर्थिक प्रबंधन दुरुस्त था।

न्यूज ब्रीफ

ब्रिक्स देशों में शामिल होना चाहता है बदहाल पाकिस्तानः भारत-चीन भी इसके सदस्य, अमेरिका और पश्चिम देशों को टक्कर देने के लिए बना ये संगठन

बीजिंग। आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान ने ब्रिक्स देशों के संगठन में शामिल होने की इच्छा जताई है। पाकिस्तान की सरकार देश को बदहाली से निकालने की कोशिशों में जुटी है। इस बीच रिपोर्ट दावा किया गया है कि पाकिस्तान अगस्त में साउथ अफ्रीका में होने वाले ब्रिक्स समिट में संगठन में शामिल होने की मांग को आगे बढ़ा सकता है। भारत और चीन के अलावा रूस, ब्राजील और साऊथ अफ्रीका इस संगठन के सदस्य हैं। पाकिस्तान के साथ-साथ सऊदी अरब, ईरान समेत 19 देशों ने ब्रिक्स का सदस्य बनने के लिए पेशकश की है। ब्रिक्स देशों ने भी संगठन को मजबूत करने के लिए और सदस्यों को जोड़ने की बात कही है। हालांकि, इसमें पाकिस्तान को जगह मिलना लगभग नामुमकिन है। दुनिया के बड़े संस्थानों पर अमेरिका और पश्चिमी देशों के दबदबे के खिलाफ 16 जून 2009 में बनाया गया था। उस दौरान इसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन शामिल थे। साउथ अफ्रीका दिसंबर 2010 में इसका सदस्य बना। इस ग्रुप में ज्यादातर तेजी से विकास करने वाले देश हैं। ऐसे में पाकिस्तान के इसमें जुड़ने से संगठन की विश्वसनीयता घट जाएगी। भारत को संगठन में पाकिस्तान का शामिल होना पसंद नहीं होगा और वो एक्टिव मेंबर के तौर पर काम करना बंद कर देगा।

इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी निकालने का मामला गरमाया, कनाडाई मेयर बोले- यह कोई अपराध नहीं

टोरंटो। पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी निकाले का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इसे देखते हुए कनाडाई कानून प्रवर्तन एजेंसी ने कहा कि भारत की पूर्व पीएम की हत्या की झांकी निकाले जाने का मामला कानून रूप से घृणा अपराध की श्रेणी में नहीं आता है। बता दें, यह बयान ब्रैम्पटन शहर के मेयर पैट्रिक ब्राउन के कार्यालय ने जारी किया। गौरतलब है, ऑपरेशन ब्लू स्टार की 39वीं बरसी से दो दिन पहले चार जून को एक परेड के दौरान विवादित झांकी निकाली गई थी। खालिस्तान समर्थकों की इस झांकी में दो सिख गनमैन पूर्व पीएम को गोली मारते दिखाई दिए। साथ ही पोस्टर लगाए गए थे, जिसमें लिखा था कि ये बदला है। अन्य झांकी में 1984 के सिख विरोधी दंगों का जिक्र करते हुए बैनर भी लगे थे। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को सख्त लहजे में कहा था कि ये आपसी रिश्तों और कनाडा के लिए ठीक नहीं है। जबकि घटना के तुरंत बाद भारत में कनाडा के उच्चायुक्त कैमरन मैके ने ट्वीट कर खेद जताया। उन्होंने कहा था कि कनाडा में नफरत या हिंसा के महिमामंडन के लिए कोई जगह नहीं है। मामले पर ध्यान देते हुए मेयर पैट्रिक ब्राउन ने कहा कि कनाडाई कानून के तहत यह नहीं माना जा सकता कि ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र में एक परेड के दौरान दिखा यह दृश्य घृणा अपराध है।

आइसलैंड-रूस में कोल्ड वॉरः मॉस्को में अपना दूतावास बंद करेगा आइसलैंड, फैसले पर भड़का रूस; दी धमकी

मॉस्को। आइसलैंड और रूस के बीच रिश्ते सुधरने की बजाय बिगड़ते ही जा रहे हैं। हाल ही में रिक्जेविक ने मॉस्को में अपने दूतावास को बंद करने का निर्णय लिया। साथ ही रूस से रिक्जेविक में अपने संचालन को रोकने को कहा। इसी को लेकर रूस भड़क गया है। उसने आइसलैंड पर देशों के बीच संबंध खराब करने का आरोप लगाया। रूस ने कहा कि जब आइसलैंड मॉस्को में अपने दूतावास के संचालन को निलंबित करने वाला पहला देश बन जाएगा, तब हम जवाब देंगे। रूसी विरोधी कार्यों का जरूर जवाब दिया जाएगा। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि आइसलैंड दोनों देशों के बीच संबंध खराब कर रहा है। मंत्रालय ने आगे कहा कि उसके इस कदम से हम आने वाले समय के लिए सतर्क हो जाएंगे। हम भविष्य में आइसलैंड के साथ संबंध स्थापित करते समय उसके इस निर्णय को ध्यान में रखेंगे। गौरतलब है, आइसलैंड ने कहा था कि वह एक अगस्त से मास्को में अपने दूतावास में काम बंद कर देगा। साथ ही उसने रूस से रेक्जाविक में अपने संचालन को सीमित करने के लिए कहा है। विदेश मंत्री थोरिस गिलफडॉटिर ने कहा था कि वर्तमान स्थिति में आइसलैंड की छोटी विदेशी सेवा के लिए रूस में एक दूतावास संचालित करना आसान नहीं है।

फ्रांस बोला- यूक्रेन जंग में रूस की मदद बंद करे ईरान

अमेरिका का दावा- ईरान की मदद से रूस बना रहा मिलिट्री ड्रोन फैक्ट्री

पेरिस/वॉशिंगटन।
फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने ईरान को रूस की मदद तुरंत बंद करने को कहा है। उन्होंने राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी से फोन पर बात की। मैक्रों ने कहा- यूक्रेन जंग में ईरान को रूस को ड्रोन और हथियार भेजकर मदद बंद करनी चाहिए। इससे सुरक्षा और मानवीय लिहाज से गंभीर परिणाम होंगे। वहीं, व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने बताया था कि रूस ईरान की मदद से एक मिलिट्री ड्रोन फैक्ट्री बना रहा जो अगले साल तक तैयार हो जाएगी। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ईरान इस ड्रोन प्लांट के लिए उपकरण और दूसरे ड्रोन्स-हथियार को कैसिपयन सागर के रास्ते रूस पहुंचा रहा है। रूस अब तक ईरान से सैकड़ों ड्रोन खरीद चुका है और यूक्रेन के खिलाफ जंग में इनका इस्तेमाल कर रहा है।

अमेरिका ने ड्रोन फैक्ट्री की सैटेलाइट तस्वीर दिखाई - अमेरिका के मुताबिक, रूस राजधानी मॉस्को से करीब 965 किमी की दूरी पर स्थित अलबुगा स्पेशल इकोनॉमिक जोन में ये ड्रोन फैक्ट्री बनाई जा रही है। उन्होंने इसकी एक सैटेलाइट इमेज भी जारी की। किर्बी ने कहा- रूस और ईरान दोनों ही लगातार एक-दूसरे को मदद पहुंचा रहे हैं। रूस लगातार ईरान को मिसाइल और एयर डिफेंस सिस्टम दे रहा है।

रूस से ईरान खरीद रहा सुखोई-25 लड़ाकू विमान - इससे पहले ईरान ने मार्च में घोषणा की थी कि उसने रूस के साथ सुखोई-35 लड़ाकू विमानों की डील पक्की कर ली है। किर्बी ने कहा कि ये जानकारी पब्लिक की जा रही है, जिससे दोनों देशों की डिफेंस पार्टनरशिप को बेनकाब किया जा सके। इससे पहले यूक्रेन ने कई बार रूस के हमले में ईरान के कामिकाजे ड्रोन के इस्तेमाल का दावा किया है। उन्होंने अपने कई शहरों में मिले ईरान के ड्रोन के मलबे की तस्वीरें भी जारी की थीं। हालांकि, रूस ने हमेशा इन दावों को खारिज किया है। वहीं ईरान ने रूस को ड्रोन भेजने की बात स्वीकारी थी लेकिन उसके मुताबिक ये सप्लाई जंग शुरू होने से पहले की गई थी।

यूक्रेन पर ईरान के शाहीद-136 ड्रोन से हमला हुआ था - 17 अक्टूबर 2022 को रूस ने यूक्रेन की

राजधानी कीव पर ईरान के कामीकाजे ड्रोन से हमला किया था। हमले में इस्तेमाल किए गए कामीकाजे ड्रोन का नाम शाहीद-136 था। इस ड्रोन को ईरान का सबसे खतरनाक हथियार माना जाता है। इस ईरानी ड्रोन को सुसाइड ड्रोन भी कहा जाता है। इसका वजन 200 किलोग्राम है। इस ड्रोन की रेंज 2500 किलोमीटर है। ईरानी ड्रोन शाहीद-136 का निशाना अचूक है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरानी ड्रोन के जरिए रूस, यूक्रेनी रडार सिस्टम को निशाना बना रहा है। इस हमले के बाद अमेरिका ने दावा किया था कि क्रीमिया में ईरानी सैनिक रूस के सैनिकों को जंग लड़ने की ट्रेनिंग दे रहे हैं। व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी कर कहा था- ईरानी सैनिकों को रूसी बलों की मदद के लिए क्रीमिया भेजा गया। वो रूसी सैनिकों को ड्रोन चलाना सिखा रहे हैं। वे यूक्रेन के नागरिकों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर ड्रोन हमले करने में रूस की मदद कर रहे हैं। क्रीमिया वही इलाका है जहां रूस ने 2014 में कब्जा कर लिया था।

2020 में खत्म हो गई थी ईरान पर हथियार खरीदने की पाबंदी - 2015 में ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को रोकने के वादे के बाद ह ने जॉइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लैन ऑफ एक्शन डील के तहत उसे कई अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से राहत दे दी थी। हालांकि, 2018 में ईरान के साथ परमाणु समझौता खत्म करने के बाद अमेरिका ने 2019 से ईरान पर फिर प्रतिबंध लगाने शुरू कर दिए थे। वहीं ईरान पर ह ने कन्वेंशनल वेपन्स खरीदने को लेकर पाबंदी अक्टूबर 2020 में खत्म हो गई थी। इसके बाद रूस ने ईरान को सुखोई खरीदने की पेशकश की थी।

यूएस संसद में पहली बार आयोजित होगा हिंदू अमेरिकी शिखर सम्मेलन, सांसद सुनेंगे समुदाय की समस्याएं

वाशिंगटन। यूएस कैपिटल (अमेरिकी संसद) में 14 जून को पहला हिंदू-अमेरिकी शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। आयोजकों ने कहा कि अमेरिकी हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी इस सम्मेलन को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि 20 से अधिक अन्य प्रवासी निकायों के सहयोग से हाल ही में गठित अमेरिकन्स फॉर हिंदू पॉलिटिकल एक्शन कमेटी द्वारा इसका आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हिंदू-अमेरिकी शिखर सम्मेलन को यूएस कैपिटल में आयोजित करने का उद्देश्य हिंदू समुदाय की चिंताओं को उठाना है। देश भर से लगभग 130 भारतीय अमेरिकी नेता समेत फ्लोरिडा, न्यूयॉर्क, बोस्टन, टेक्सास, शिकागो और कैलिफोर्निया से लोग यूएस कैपिटल में इक्टठा होंगे। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ रोमेश जापरा ने कहा कि अमेरिकी हिंदू देशभर में अच्छा काम कर रहे हैं, लेकिन राजनीतिक रूप से वे बहुत पीछे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इक्वैलिटी लैब्स और केयर जैसे संगठन हिंदू धर्म को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैककार्थी के साथ-साथ डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के कई अन्य सांसदों के शिखर सम्मेलन को संबोधित करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि मैक्कार्थी मुख्य भाषण देंगे। इनमें प्रमुख रूप से भारतीय अमेरिकी सांसद शामिल हैं। डॉ जापरा ने कहा कि समुदाय प्रतिनिधि सभा में अमेरिकी हिंदुओं के हितों की रक्षा के लिए काम करने वाले सांसदों का पहला हिंदू कॉकस बनाने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा, हिंदुओं को एक साथ लाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा, हमारा संगठन उन नेताओं के लिए समर्थन और धन जुटाएगा जो हिंदू सिद्धांतों और मूल्यों से सहमत हैं और समुदाय की मदद करने और हिंदू भय, हिंदू नफरत और आप्रवासन की चिंताओं के बारे में बात करने को तैयार हैं।

किंग चार्ल्स की बर्थडे परेड की तैयारी करते सैनिक बेहोश

गर्मी में ऊनी वर्दी में थे, साथी गिरा फिर भी रिहर्सल करते रहे दूसरे सैनिक

लंदन।
लंदन में किंग चार्ल्स के जन्मदिन पर निकलने वाली परेड की तैयारी कर रहे रोयल गार्ड्स के 3 सैनिक बेहोश गए। ये 88 डिग्री फैरेनहाइट के तापमान में परेड की रिहर्सल में जुटे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस दौरान किंग चार्ल्स के सबसे बड़े बेटे प्रिंस विलियम भी वहां मौजूद थे। वो तैयारियों का जायजा ले रहे थे। घटना के बाद उन्होंने सैनिकों के जज्बे की तारीफ की और उन्हें धन्यवाद दिया। दरअसल, लंदन में तेज गर्मी पड़ रही है। इस बीच सैनिक ऊनी यूनिफोर्म और भालू के खाल से बनी टोपी पहनकर प्रैक्टिस कर रहे थे। परेड की तैयारी के दौरान बेहोश हुए सैनिक का वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें दिख रहा है कि सैनिक ग्राउंड में ट्रम्पेट बजा रहे हैं, तभी एक सैनिक बेहोश हो जाता है। इसके बावजूद दूसरे सैनिक रुकते नहीं है और अपना अभ्यास जारी रखते हैं।

जिस परेड की तैयारी करते हुए सैनिक बेहोश हुए वो एक वार्षिक परेड है। इसे ट्रूपिंग द कलर कहा जाता है। जो हर साल जून में आयोजित है। इस बार परेड में ग्रेनेडियर, कोल्डस्ट्रीम, स्कॉट्स, आयरिश और वेल्श गार्ड्स की रेजीमेंट्स भी शामिल होंगी। इसके लिए 1400 सैनिक अभ्यास कर रहे थे। ट्रूपिंग द कलर परेड 17 जून को होगी। इसकी तैयारी के लिए ब्रिटेन में कर्नल रिव्यू परेड हुई थी। इस परेड में ब्रिटिश सैनिक पूरी सैन्य वर्दी में घोड़ों के साथ परेड और मिलिट्री ड्रिल करते हैं। इस बार किंग के जन्मदिन पर परेड आयोजित करने की जिम्मेदारी वेल्स के गार्ड्स को दी गई है। ब्रिटेन में 6 मई को किंग चार्ल्स की ताजपोशी हुई थी। इसके लिए समारोह का आयोजन हुआ था। कई परेड निकाली गई थी। इसमें राज्याभिषेक जुलूस में शामिल एक घोड़ा डरकर भीड़ में घुस गया। इसके वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। खबरों की मानें तो यह घटना किंग चार्ल्स के वेस्टमिंस्टर एबे से बकिंघम पैलेस वापस लौटने के कुछ मिनट बाद हुई।

भारतीय-अमेरिकी समलैंगिक समुदाय ने की पीएम मोदी से समर्थन की मांग, समान अधिकार देने का किया अनुरोध

वॉशिंगटन।
भारतीय अमेरिकी समलैंगिक समुदाय के सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भारत में समलैंगिक समुदाय को समान अधिकार देने का आग्रह किया है। पीएम मोदी इस महीने राष्ट्रपति जो बाइडन और अमेरिका की प्रथम महिला जिल बाइडन के निमंत्रण पर अमेरिका की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर जाएंगे। पीएम मोदी अपने चार दिवसीय दौरे की शुरूआत 21 जून से करेंगे और अमेरिकी राष्ट्रपति और उनकी पप्रतिशती 22 जून को राजकीय रात्रिभोज के लिए पीएम मोदी की मेजबानी करेंगे।

पीएम मोदी से एलजीबीटी समुदाय की क्या अपील

देसी रेनबो की कार्यकारी निदेशक अरुणा राव ने कहा- मैं कहना चाहती हूं कि भारतीय सर्वोच्च न्यायालय में पिछले कुछ महीनों से समलैंगिक विवाह के मुद्दों पर बहस हो रही है। मैं पीएम मोदी से अनुरोध करती हूं कि वह इसका समर्थन करें। मैं उनसे भारत में समलैंगिक समुदाय के समान अधिकारों का

समर्थन करने का अनुरोध करती हूं। हम भी इंसान हैं और हमारे बच्चों और समलैंगिक समुदाय के सदस्यों के भी समान अधिकार हैं। राव उन भारतीय अमेरिकियों में से एक हैं, जिन्हें व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में ऐतिहासिक प्राइड रैली में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा कि भारत में मेट्रो क्षेत्रों के कुछ लोग समलैंगिक समुदाय का समर्थन करते हैं। विधायी रूप से भी सरकार समलैंगिकों के अधिकारों के मामले में आगे बढ़ रही है, लेकिन अभी बहुत कुछ करना है। मेट्रो इलाकों में नहीं पर छोटे शहरों और गांवों में जहां लोग इसका समर्थन नहीं करते हैं।

अमेरिका में 17 साल धमाके करने वाले प्रोफेसर की मौत: जंगल में रहकर खुद बम बनाता था, एफबीआई को इसे पकड़ने में लगे 20 साल

वॉशिंगटन।
अमेरिका को लगभग 17 सालों तक बम धमाकों से परेशान करने वाले आतंकी और मैथ प्रोफेसर थियोडरे काजिंस्की की मौत हो गई। 81 साल का कजिंस्की बेगुनाह लोगों की जान लेने का दोषी पाए जाने के बाद 1996 से जेल की सजा काट रहा था। नोर्थ कैरोलिना के जेल अधिकारी ने बताया कि काजिंस्की अपनी सेल में मृत पाया गया। वो काफी समय से बीमार चल रहा था। अमेरिका में काजिंस्की को टेड और उनाबॉम्बर के नाम से जाना जाता था। इसकी वजह ये थी कि वो खुद जंगलों में रहकर अपने बम बनाता था और अकेले ही हमलों को अंजाम देता था। शिकागो के रहने वाला टेड काजिंस्की वो शख्स है, जिसे पकड़ने के लिए एफबीआई ने अपने इतिहास की सबसे लंबी और महंगी जांच चलाई। वो हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से पढ़ा था और कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में मैथ का प्रोफेसर बनने वाले सबसे कम उम्र का व्यक्ति बना। हालांकि, 30 जून 1969 को टेड ने इस्तीफा दे दिया। वो मोंटाना के जंगलों में अपनी झोपड़ी बनाकर रहने लगा। कजिंस्की का आईक्यू लेवल 167 था,

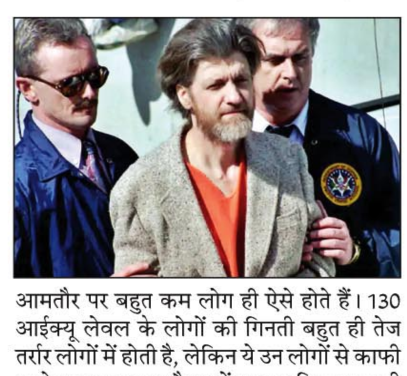

आमतौर पर बहुत कम लोग ही ऐसे होते हैं। 130 आईक्यू लेवल के लोगों की गिनती बहुत ही तेज तर्रार लोगों में होती है, लेकिन ये उन लोगों से काफी आगे था। खासकर मैथ्स में उसका दिमाग काफी तेजी से चलता था। 1978 में उसने अमेरिका में बम धमाके करना शुरू कर दिया। जो 1995 में उसके पकड़े जाने तक जारी रहे। वो निशाने पर रखे गए लोगों को डाक के जरिए भी बम भेजता था। पकड़ में न आने के लिए वो दूसरों के फिंगर प्रिंट्स का इस्तेमाल करता था। एक बार उसने अमेरिकन एयरलाइन की फ्लाइट के कार्गो में बम रख दिया था। हालांकि, कुछ गड़बड़ी की वजह से कुछ नहीं हुआ सिर्फ धुआं उठा। अगर बम फट जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। काजिंस्की ने 1995 में अमेरिका के टॉप अखबारों में अपना मेनिफेस्टो छपवाया था। जो 35 हजार शब्दों का था। इसमें उसने मॉडर्न होती दुनिया की जीवनशैली पर सवाल खड़े किए थे। काजिंस्की को लगता था कि टेक्नोलॉजी की वजह से अमेरिका के लोग कमजोर होते जा रहे हैं। मेनिफेस्टो छपने के बाद काजिंस्की की भाई और उसकी भाभी ने उसकी भाषा को पहचान लिया। इसकी जानकारी एफबीआई को दी गई। तब जाकर अप्रैल 1996 में वो पकड़ा गया। उसके हमलों में 3 लोगों की मौत हुई थी। जबकि 23 से ज्यादा घायल हुए थे। इसके बाद उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। गिरफ्तारी के वक्त एफबीआई को कजिंस्की के जंगल में बने घर से बम बनाने में इस्तेमाल होने वाली ढेर सारी समाग्री और 40 हजार से अधिक मैग्जीन मिली थी। जो काजिंस्की ने लिखी थी। इन पत्रिकाओं में कजिंस्की ने अपने अपराधों की दुनिया और बम बनाने के प्रयोगों का जिक्र किया था।

बांग्लादेश पर मुसीबतों का टूटा पहाड़, आर्थिक और ऊर्जा संकट के बीच गर्मी की भी मार

ढाका।
बांग्लादेश में इस समय पड़ रही असामान्य गर्मी ने बिजली का संकट खड़ा कर दिया है। जिस समय बांग्लादेश दूसरी आर्थिक समस्याओं में भी फंसा हुआ है, इस संकट ने उसकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। काफी इंतजार के बाद गुरुवार को बांग्लादेश के कई हिस्सों में हल्की बारिश हुई। लेकिन इसके पहले देश को लगातार दो महीने गर्म हवाओं के बीच गुजारने पड़े। इस बीच औसत तापमान 41 डिग्री सेल्सियस बना रहा। इस दौरान बिजली की मांग बढ़ी, जिसे पूरा करने में अधिकारियों को बेहद दिक्कत पेश आई। इसी समय सप्लायरों ने पर्या पॉवर प्लांट के लिए कोयले की सप्लाई रोक दी, जहां प्रति दिन 1,320 मेगावाट बिजली पैदा होती है। सप्लायरों की शिकायत है कि उन्होंने कोयले की जो सप्लाई की थी, उसका भुगतान नहीं हुआ है। अभी तक यह तय नहीं है कि ये बिजली संयंत्र दोबारा कब चालू होगा। पिछले साल बांग्लादेश ने बिजली

उत्पादन का अपना लक्ष्य हासिल कर लिया था। तब इसे देश की एक बड़ी उपलब्धि बताया गया था। लेकिन यह जश्न ज्यादा दिन नहीं चला। पिछले साल फरवरी में ही यूक्रेन पर रूस का हमला शुरू होने के बाद कई अन्य विकासशील देशों की तरह बांग्लादेश भी ऊर्जा संकट, महंगाई और घटते विदेशी मुद्रा भंडार की समस्या का शिकार बनने लगा। गहराते संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने बांग्लादेश को 4.7 बिलियन डॉलर का ऋण फुर्ती से जारी कर दिया, इसके बावजूद उसका विदेशी मुद्रा भंडार घट कर पिछले महीने के आखिर में 30 बिलियन डॉलर से भी नीचे आ गया था। जबकि यूक्रेन संकट शुरू होने के पहले बांग्लादेश के विदेशी मुद्रा भंडार में 48 बिलियन डॉलर मौजूद थे। बांग्लादेश के बिजली राज्य मंत्री नसरुल हमीद ने इस हफ्ते संसद में बताया कि देश में इस समय 2,500 मेगावाट बिजली की कमी है। इस कारण ग्रामीण इलाकों में दस घंटों तक की लोडशेडिंग करनी पड़ रही है। बिजली में बार-बार कटौती से जहां उद्योग-धंधों के लिए दिक्कतें पैदा हुई हैं, वहीं आम लोग भी मुश्किल में हैं। ढाका निवासी शहाबुद्दीन ने कहा- 'पहले मैं लोडशेडिंग के समय का हिसाब रखता था। लेकिन अब इसे रखना संभव नहीं रह गया है। अब जानना मुश्किल है कि किस समय और कितनी देर तक के लिए बिजली चली जाएगी।' बिजली का संकट उस समय पैदा हुआ है, जब देश में असामान्य गर्मी पड़ रही है। गर्म हवाओं के कारण कुछ लोगों की जान जाने या बीमार होने की खबरें भी आई हैं। हालात को देखते हुए सरकार ने इस हफ्ते देश भर में प्राइमरी और सेकंडरी स्कूलों को बंद करने का एलान किया। रोग नियंत्रण विभाग निदेशालय के प्रमुख नजमुल इस्लाम मुन्ना ने निक्कई एशिया से कहा कि असामान्य गर्मी के कारण देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य की समस्या ने गंभीर रूप ले लिया है। उन्होंने कहा- डायरिया, डेंगू, खांसी और बुखार से पीड़ित मरीजों की अस्पतालों में भीड़ लग गई है। अप्रैल और मई में बांग्लादेश में वैसे भी गर्मी पड़ती है, लेकिन इस बार के असामान्य मौसम के लिए विशेषज्ञों ने जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार ठहराया है। जलवायु वैज्ञानिक सलीमुल हक ने एक टीवी कार्यक्रम मे कहा- 'हम जलवायु परिवर्तन के भविष्य में पड़ने वाले प्रभावों की चर्चा करते रहे है। लेकिन इस बदलाव ने वर्तमान में ही कहर ढा दिया है।

तालिबान की अगली चाल का खुलासा, भारत से जुड़ी गैस पाइपलाइन पर नियंत्रण चाहता है हक्कानी गुट

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान के तालिबान द्वारा नियुक्त आंतरिक मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी कई आर्थिक परियोजनाओं को अपने नियंत्रण में लेने की कोशिश कर रहा है। मुख्य रूप से वह तुर्कमेनिस्तान - अफगानिस्तान - पाकिस्तान - भारत गैस पाइपलाइन के अफगान खंड के निर्माण पर नियंत्रण करने की मांग कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सन् 1988 की तालिबान प्रतिबंध समिति की विश्लेषणात्मक सहायता और प्रतिबंध निगरानी टीम की चौदहवीं रिपोर्ट में कहा गया है कि वास्तविक राज्य तंत्र और प्रांतीय प्रशासन में पदों के वितरण को लेकर तालिबान अधिकारियों के बीच कलह चल रही है। यहां कार्यवाहक आंतरिक मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी और कार्यवाहक प्रथम उप प्रधानमंत्री मुल्ला बरादर के बीच मसलों को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बरादर दक्षिणी प्रांतीय प्रशासन का समर्थन करता है। वह लगातार तालिबान के लिए अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने, विदेशों में अफगान संपत्ति को मुक्त करने और विदेशी सहायता का विस्तार करने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने की मांग कर रहा है।

राज्य सरकार जनता की ट्रस्टी : मुख्यमंत्री

चित्तौड़गढ़/जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं से राज्य का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। राज्य सरकार जनता के ट्रस्टी के रूप में अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुंचाने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता द्वारा जमा किए टैक्स से ही योजनाओं की सफल क्रियान्विति संभव हो रही है। गहलोत रविवार को चित्तौड़गढ़ की बड़ी सादड़ी के गांव चैनपुरिया में 107.82 करोड़ रुपए के विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राजस्थान पानी, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित आधारभूत ढांचे के विकास कार्यों में मॉडल स्टेट बन गया है। सरकार सभी वर्गों को लाभान्वित कर उनके सपनों को साकार करने में जुटी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है। लगभग एक करोड़ बुजुर्ग, विधवा, एकलनारी और दिव्यांगों को न्यूनतम 1000 रुपए पेंशन से सम्बल दे रहे हैं। सामाजिक सुरक्षा के तहत पेंशन राशि में हर वर्ष 15

प्रतिशत की वृद्धि होगी जिससे उन्हें सहारा मिलेगा। केंद्र सरकार को भी पूरे देश में एक समान राइट टू सोशल सिक्योरिटी एक्ट लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत तभी विश्वगुरु बनने का सपना पूरा कर सकेगा, जब प्रत्येक जरूरतमंद को सम्मानपूर्वक रोटी, कपड़ा और मकान मिलेगा। गहलोत ने कहा कि स्वास्थ्य का अधिकार (राइट टू हैल्थ), मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, निरोगी राजस्थान योजना के तहत प्रत्येक व्यक्ति को नि:शुल्क उपचार सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया गया है। इन ऐतिहासिक फैसलों की पूरे देश में चर्चा हो रही है। केंद्र सरकार को भी इन्हें लागू करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महंगाई राहत कैम्पों में पंजीकरण को लेकर आमजन में उत्साह है। इनके जरिए लोगों को हर माह लगभग 6000 रुपए की बचत होगी। प्रशासन शहरों/गांवों के संग अभियानों में पानी, बिजली, पट्टों सहित कई महत्वपूर्ण फैसले हुए हैं। इनसे परिवारों में खुशियां आई है और बचत बढ़ने से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने चैनपुरिया गांव में महंगाई राहत कैम्प का अवलोकन किया। लाभार्थियों से संवाद कर योजनाओं से मिलने वाली राहत की जानकारी ली। एक लाभार्थी ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी बीमा योजना के तहत 7 लाख रुपए की राशि से हुए नि:शुल्क उपचार के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना, राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह जाड़ावत, अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष शंकर यादव, संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट सहित अन्य जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारीगण और आमजन उपस्थित रहे।

कम खाएं, जीवन जीने के लिए खाएं, ना कि खाने के लिए जिएं : योगाचार्य मुकेश कुमार

हिसार (हिंस)। ठाकुर दास भार्गव सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान के 15 दिवसीय योग शिविर के पांचवें दिन खान-पान सहित अनेक विषयों पर चर्चा हुई। योग विशेषज्ञों ने शरीर को स्वस्थ रखने की क्रियाएं बताई, वहीं खानपान पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। समिति के प्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र हिंदुस्तानी ने बताया कि योग शिविर में योगाभ्यास आसन प्राणायाम के साथ-साथ स्वस्थवृत्त सूत्र पर खुलकर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि मित-भुक्त, हित-भुक्त, ऋत-भुक्त सूत्र का पालन करें। रात को जल्दी सोएं और प्रात: काल जल्दी सूर्योदय से डेढ़ घंटा पूर्व उठें, उठकर दो-तीन गिलास गुनगुना पानी पीएं। शौच करते समय दांतों को भींचकर रखने से वृद्धावस्था में भी दांत नहीं हिलते। सुबह मुंह में पानी भरकर ठंडे जल से आंखों में छींटे मारें। नाश्ते में हल्का तथा रेशोंयुक्त खाद्य, अंकुरित अन्न, फलों व दलिए का इस्तेमाल करें। सदैव रीढ़ (कमर) को सीधा रख कर बैठें, खाने के दौरान पानी न पिएं, कम खाऐं, जीवन जीने के लिए खाएं ना कि खाने के लिए जिएं, पानी हमेशा बैठकर ही पिए, भोजन हमेशा धरती पर बैठकर ही करें। खाने के पश्चात लघुशंका अवश्य करें। उन्होंने कहा कि शरीर की शुद्धि के लिए सप्ताह में एक दिन बिना कुछ खाएं, केवल पानी पीकर उपवास अवश्य रखें। मल, मूत्र, छींक आदि के वेग को कभी नहीं रोकना चाहिए वेग रोकने से रोग उत्पन्न होते हैं। उत्तर तथा पश्चिम दिशा की ओर सिर करके सोने वालों की आयु क्षीण होती है, जबकि पूर्व तथा दक्षिण दिशा की ओर सिर करके सोने वालों की आयु दीर्घ होती है।

बच्चे ने निगली कान की बालियां, डॉक्टरों ने बचाई जान

फरीदाबाद (हिंस)। मेवात क्षेत्र के रहने वाले एक सात वर्षीय बच्चे ने कान की बालियां निगल ली। परिजनों को जब पता चला कि उनके बच्चे ने कुछ निगल लिया है तो वह उसे मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स में लाएं, जहां डॉक्टरों ने उसकी जान बचाई। अस्पताल के पल्मोनरी विभाग के डायरेक्टर डॉ. गुरमीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि 7 वर्षीय मोहम्मद शाद नाम के बच्चे को सबसे पहले पेट एवं लिवर रोग विशेषज्ञ को दिखाया गया, जहां एंडोस्कोपी करने पर पेट में कुछ नहीं दिखाई दिया। छाती में कुछ होने के संदेह के चलते बच्चे की ब्रांकोस्कोपी (फेफड़ों की जांच करने का एक आसान परीक्षण) की गईं जिसमें बच्चे की दाईं (राइट) तरफ की सांस की मुख्य नली के मुंह पर गोल्डन रंग की चमकदार चीज पड़ी हुई दिखाई दी। जैसे ही दूरबीन की मदद से चीज को बाहर निकाला तो सब दंग रह गए क्योंकि यह कान की बाली का तेज धारदार वाला हिस्सा था। तसल्ली करने के लिए सांस की नली में दोबारा जाने पर हमें बाली का एक और तेज धारदार हिस्सा दिखाई दिया। फिर उस हिस्से को भी बहुत सावधानी से दूरबीन की मदद से बाहर निकाला। पूरी तरह जांच के बाद बच्चे को डिस्चार्ज कर दिया। डॉ. गुरमीत सिंह छाबड़ा ने कहा कि यह केस बहुत चुनौतीपूर्ण भी था क्योंकि आभूषण के पहले हिस्से के किनारे बहुत ही नुकीले थे। इस कारण बच्चे की सांस की नली में कट लगने का बहुत ज्यादा जोखिम था। सांस की नली में कट लगने पर अन्दर हवा भर सकती थी, ब्लीडिंग हो सकती थी, बच्चे के वोकल कॉर्ड को नुकसान पहुंचने के कारण आवाज जाने का जोखिम भी था। सांस की मुख्य नली में पड़े आभूषण के दूसरे हिस्से के किनारे और भी ज्यादा धारदार थे। दूसरा हिस्सा बाहर निकालने के दौरान बीच में अटक रहा था। सांस की नली को बिना नुकसान पहुंचाए इसे निकालना और भी बड़ी चुनौती थी। काफी मशक्कत के बाद आखिरकार हमने सुरक्षित रूप से दूसरे हिस्से को भी दूरबीन की मदद से बाहर निकाल दिया। आभूषण के नुकीले हिस्सों को निकालने में मात्र 10-15 मिनट का समय लगा। अगर ये नुकीला आभूषण नहीं निकाला जाता तो बच्चे की सांस की नली ब्लॉक हो सकती थी। आगे चलकर फिर निमोनिया बन सकता था और फेफड़ा फेल हो सकता था। फेफड़े के लंबे समय तक फेलियर में जाने पर मरीज की हालत ज्यादा गंभीर होने का खतरा बढ़ सकता है।

पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़ दोनों बदमाश गिरफ्तार

भिवानी (हिंस)। भिवानी जिले में शनिवार रात पुलिस व बदमाशों में मुठभेड़ हो गई। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में एक बदमाश को पैर में गोली लगी, जबकि साइबर इंचार्ज बाल-बाल बच गए। गोली उनको छूकर निकल गई। पुलिस ने घायल बदमाश और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार एक सप्ताह पहले सैंडी उर्फ सौरभ नामक बदमाश ने नया बस स्टैंड के पास ओम गेस्ट हाउस व हालुवास रोड पर एक ट्रांसपोर्टर के बाहर फिरौती के लिए फायरिंग की थी। तभी से पुलिस इस बदमाश के पीछे लगी थी। शनिवार रात सीआईए-2 पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सैंडी बदमाश को ढाणा रोड पर बाइपास पुल के नीचे घेर लिया। तभी उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। यहां सैंडी बाइक पर अपने एक साथी रीतिक उर्फ खलीफा के साथ था। इस दौरान पुलिस ने खलीफा को काबू किया तो सैंडी फायर कर भागने लगा, तभी पुलिस ने भी फायर किया। इस दौरान एक गोली साइबर इंचार्ज एएसआई रमेश की कमर के पास से छूती हुई गुजरी और वो बाल-बाल बच गए। वहीं पुलिस की एक गोली सैंडी के पैर में लगी। पुलिस ने दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सैंडी व खलीफा को अस्पताल ले गई। एएसआई रमेश को भी चौ. बंसीलाल नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। सदर थाना एसएचओ इंस्पेक्टर रमेश चन्द्र ने बताया कि बदमाश सैंडी ने पुलिस पर फायर किया। इसके जवाब में पुलिस को भी फायर करना पड़ा। उन्होंने बताया कि सैंडी के पैर में गोली लगी और एएसआई रमेश बाल-बाल बचे हैं।

कोलकाता टकसाल की कीमत पर बीकानेर में उपलब्ध होगा नया 75 रुपए का सिक्का

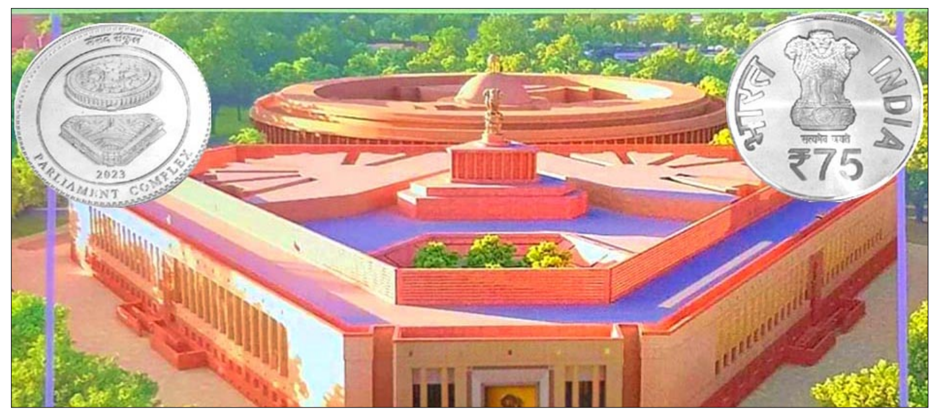

बीकानेर (हिंस)। हाल ही में नई संसद भवन के उद्घाटन समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक विशेष 75 रुपए का स्मारक सिक्का जारी किया था। इस सिक्के का कुल वजन 35 ग्राम है जिसमे 50 प्रतिशत चांदी, 40 प्रतिशत तांबा 5 प्रतिशत निकल व 5 प्रतिशत जस्ते का मिश्रण है। बीकानेर में भारत सरकार टकसाल के अधिकृत वितरक सुधीर लुणावत ने बताया कि यह सिक्का कोलकता टकसाल की कीमत पर बीकानेर के नागरिकों को उपलब्ध करवाया जा रहा है। सिक्के की कुल 3 तरह की पेकिंग और वेरायटी है। भाजपा कार्यकर्ताओं सहित देशभर में सिक्कों का संग्रह करने वाले लोगों में इस सिक्के की जबरदस्त मांग है। सुधीर के अनुसार अलग-अलग अवसरों को यादगार बनाने के लिए भारत सरकार सीमित संख्या ऐसे स्मारक सिक्के जारी करती है। यह सिक्के बाजारों में नहीं चलते हैं इनका धात्विक मूल्य इनपर अंकित मूल्य से कही गुना अधिक होता है। सरकार इन सिक्कों को एक संग्रहणीय वस्तु की तरह प्रीमियम कीमतों पर बेचती है। ऐसे सभी स्मारक सिक्कों का निर्माण देश में प्रचलन के लिए सिक्के और करेंसी नोटों का निर्माण करने वाली मणि रत्न श्रेणी संस्था भारत प्रतिभूति निर्गमन तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड करती है।

बेटी को कार सीखा रहे व्यक्ति से तीन युवक पिस्तौल दिखाकर छीन ले गए कार

हिसार (हिंस)। शहर के शांति विहार निवासी एक व्यक्ति से तीन युवक पिस्तोल की नोक पर कार छीनकर भाग गए। उस समय कार स्वामी अपनी बेटी को कार चलाना सीखा रहा था। शांति विहार निवासी दयानंद ने रविवार को बताया कि वह जिंदल फैक्ट्री में काम करता है। दो साल पहले उसने चंडीगढ़ नंबर की जेन गाड़ी खरीदी थी। रविवार सुबह वह अपनी बेटी को गाड़ी सिखाने के लिए जिंदल मॉडर्न स्कूल रोड होते हुए दक्षिण बाइपास जन्नत होटल पहुंचा था। नहर पुल से थोड़ा पहले गड्ढे होने की वजह से उसने कार वापस मोड़ने के लिए रोकी। इसी दौरान बाइक पर सवार होकर तीन युवक वहां पहुंचे और गाड़ी को क्रॉस कर आगे आ गए। एक युवक ने उसे कार से नीचे उतार दिया। इतने में दोनों लड़के पिस्तोल लेकर उसके पास आ गए। उसने गाड़ी की चाबी निकाली तो युवकों से उससे पैसे मांगे। जब उसने पैसे न होने से मना कर दिया तो उन्होंने गाड़ी की चाबी मांगी। जब उसने मना किया तो गोली मारने की धमकी दी। दोनों युवक उसकी गाड़ी लेकर सातरोड की तरफ फरार हो गए जबकि तीसरा साथी बाइक लेकर चला गया। दयानंद ने बताया कि कुछ महीने पहले ही उसने गाड़ी बेचने के लिए सोशल मीडिया पर फोटो डाली थी लेकिन उससे पहले ही युवक उसकी गाड़ी लूट कर ले गए।

भाजपा प्रदेश प्रभारी बिप्लब देब का नंगथला गांव में भव्य स्वागत

हिसार (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी की ओर से चलाए जा रहे महासंपर्क अभियान के तहत भाजपा के प्रदेश प्रभारी एवं त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब उकलाना विधानसभा के नंगथला गांव में पहुंचे और पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। गांव में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सीमा गैबीपुर के संयोजन में जिला के ओबीसी मोर्चा, किसान किसान मोर्चा, युवा मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा व महिला मोर्चा की ओर से संयुक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने कार्यकर्ताओं को आगामी लोकसभा व विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने का आह्वान किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता हर समय हर काम के लिए तैयार रहते हैं। हमें केन्द्र व प्रदेश में तीसरी बार भाजपा सरकार

बनाने के लिए जुट जाना है। मौसम खराब व बरसात के बावजूद कार्यकर्ताओं में भारी जोश देखा गया और उन्होंने प्रदेश प्रभारी का संबोधन सुना। प्रदेश प्रभारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 साल की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की और कार्यकर्ताओं से उन्हें जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में ब्लॉक चेयरमैन अंजू बाला, गांव की सरपंच मोनिका, चेयरमैन प्रतिनिधि आनंद काजला सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। भाजपा जिला मीडिया प्रमुख राजेंद्र सपड़ा ने रविवार को बताया कि महासंपर्क अभियान के तहत प्रदेश प्रभारी जिला हिसार में अनेक कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी कर रहे हैं। कार्यक्रम के पश्चात उन्होंने ओड समाज के नेता बहादुर सिंह नंगथला के आवास पर जलपान किया। इस दौरान उपरोक्त के अलावा प्रदेश महामंत्री एवं विधायक मोहन लाल बडोली, सांसद डॉ. डीपी वत्स, जिलाध्यक्ष कैप्टन भूपेन्द्र वीरचक्र, विधायक विनोद भयाना, मेयर गौतम सरदाना, प्रदेश सचिव सरोज सिहाग, तिजेंद्र ढुल, श्रीनिवास गोयल, आशा खेदड़, जिला महामंत्री प्रवीण पोपली, जिला मीडिया प्रमुख राजेंद्र सपड़ा, नरेश नैन, हेमंत शर्मा, मुनीष गोयल, आशीष जोशी, अनिल कैरो, चन्द्रप्रकाश बोस्ती, बहादुर सिंह नंगथला एवं पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

सुरेवाला चौक से पंजाब बॉर्डर तक चौड़ा होगा हाइवे

कैबिनेट मंत्री देवेंद्र बबली ने जताया आभार

फतेहाबाद (हिंस)। लगभग एक साल से सुरेवाला चौक से लेकर पंजाब हरियाणा बॉर्डर की तरफ जाने वाली सड़क मार्ग के खराब हालात होने के चलते आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बारिश के मौसम में परेशानी बढ़ रही थी। अब ऐसा नहीं होगा। नेशनल हाईवे-148 को मजबूत और चौड़ा करने को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे) द्वारा वर्क टेंडर जारी कर दिए गए हैं। यह कार्य अब अगस्त माह 2023 में शुरू होने का रास्ता साफ दिखाई दे रहा है। इस सड़क मार्ग की समस्या को लेकर टोहाना के विधायक एवं कैबिनेट मंत्री देवेंद्र सिंह बबली लगातार केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी व अन्य नेताओं से लगातार मिलकर टोहाना वासियों की यह समस्या उठाते रहे हैं। सुरेवाला वाला चौक से टोहाना के हरियाणा पंजाब के बॉर्डर पर 30.14 किलोमीटर का यह रोड 10 मीटर चौड़ा किया जाएगा। इसी के साथ जाखल का चंडीगढ़ रोड, जोकि 1800 मीटर का है। इसको भी इस योजना में शामिल करके पक्का, मजबूत व चौड़ा किया जाएगा। इस बार इस मार्ग को जोड़ाकरण व मजबूती करण किया जाना है। जो रास्ता किन्ही कारणों से नीचा है उसे ऊंचा किया जाएगा, जिसमें गांव भीमेवाला के पास का एरिया, टोहाना चंडीगढ़ रोड के फ्लाईओवर से नीचे का सडक मार्ग, पंजाब हरियाणा बॉर्डर के पास का सड़क मार्ग इत्यादि नीचे क्षेत्र को ऊंचा करके चौड़ा कर मजबूत किया जाएगा। इस सड़क मार्ग को लेकर 25 जुलाई को टेंडर खुलेगा और अगस्त में यह कार्य शुरू हो जाएगा 18 महीने में इस कार्य को संपन्न होना है, 5 वर्ष इसकी मरम्मत का कार्य संबंधित फर्म के जिम्मे रहेगा इस सड़क मार्ग पर कुल लागत लगभग 111.14 करोड़ रुपए आएगी। कैबिनेट मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने इस सड़क मार्ग के मजबूत करने, चौड़ा करने के कार्य को लेकर राज्य सरकार व केंद्र सरकार का आभार जताया है। उन्होंने कहा है कि उनकी यह मांग पिछले समय से रही, टोहाना वासियों की इस मांग को उन्होंने मजबूती से केंद्र सरकार में राज्य सरकार के सामने रखा। अब इस मांग को अब पूरा होने से हरियाणा पंजाब राज्य, 3 विधानसभा क्षेत्र व दर्जनों गांव के लोगों को लाभ मिलेगा। मौजूदा सरकार आम जन की सहूलियत को लेकर लगातार कार्य कर रही है।

राजेश पायलट स्मारक पर पहुंचे सचिन, पुष्पांजलि अर्पित की

जयपुर (हिंस)। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट रविवार को दौसा पहुंचे। यहां भंडाना स्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट के स्मारक पहुंचकर उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद प्रार्थना सभा में शामिल हुए। राजेश पायलट की 23वीं पुण्यतिथि पर बड़ी संख्या में पायलट के समर्थक भंडाना स्मारक पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित कर रहे हैं। इससे पहले मंत्री प्रसादी लाल मीणा के पहुंचने पर पायलट जिंदाबाद के नारे लगे। इसके बाद सचिन पायलट दौसा शहर स्थित गुर्जर छात्रावास पहुंचकर राजेश पायलट की मूर्ति का अनावरण करेंगे। यहां वे जनसभा को भी संबोधित करेंगे। कार्यक्रम को लेकर गुर्जर समाज के लोगों ने जिलेभर से लोगों को आमंत्रित किया है। ऐसे में बड़ी संख्या में सचिन पायलट को सुनने के लिए लोगों की भीड़ पहुंच रही है। 11 जून को सचिन पायलट द्वारा बड़ा सियासी ऐलान करने की संभावनाओं पर भी पूरी तरह ब्रेक लग गया है। पुष्पांजलि अर्पित पहुंचे पायलट के समर्थक कृषि विपणन राज्यमंत्री मुरारीलाल मीणा ने कहा कि इस प्रकार की बातें सिर्फ अफवाह है, यहां सिर्फ श्रद्धांजलि सभा होगी। उन्होंने कहा कि राजेश पायलट बड़े नेता थे, उनकी पुण्यतिथि पर प्रतिवर्ष भंडाना में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस साल भी यह कार्यक्रम हो रहा है, इसके बाद सचिन पायलट

दिल्ली रवाना होंगे। बांदीकुई विधायक जीआर खटाणा ने भी 11 जून को होने वाली संभावित घोषणा की चर्चाओं का खंडन किया था। चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान पायलट समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की। चिकित्सा मंत्री के कार में बैठने जाते वक्त भी युवाओं में पायलट जिंदाबाद के नारे लगाए। इससे पहले पायलट ने टवीट कर अपने पिता राजेश पायलट को श्रद्धा के साथ याद किया। उन्होंने लिखा कि पूज्य पिताजी स्व. राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर उन्हें हृदय से नमन करता हूं। अपनी कर्मभूमि से उनका जुड़ाव, जनता से अपनेपन का रिश्ता एवं जनकल्याण के प्रति उनकी समर्पित कार्यशैली मेरे लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने जनहित को सर्वोपरि मानकर कभी भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। उनके विचारों और आदर्शों का मैं सदैव अनुसरण करता रहूंगा।

तेल टैंकर और कार कीं भिड़ंत में चार की मौत

जोधपुर (हिंस)। शहर के केरू-मेगलासिया गांव की सरहद में शनिवार की देर रात एक कार और तेल टैंकर में जबरदस्त भिड़ंत हो गई। इस हादसे में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि 7 लोग घायल हुए हैं। मृतक और घायल रामदेवरा के दर्शनार्थी थे। मूल रूप से नागौर जिले के डीडवाना हाल कुड़ी सेक्टर 4 के निवासी है। मृतकों में दो महिलाएं, एक बच्चा और एक पुरुष है। झंवर थानाधिकारी परमेश्वरी ने बताया कि मूलत: नागौर जिले के डीडवाना हाल कुड़ी सेक्टर 4 में रहने वाले परिवार के लोग रामदेवरा दर्शन को गए थे। रात को वे लोग अपनी क्रेटा कार में सवार होकर घर लौट रहे थे। केरू- मेगलासिया गांव की सरहद में उनकी कार पहुंची थी कि सामने से आ रहे एक तेल टैंकर से जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 7 लोग घायल हो गए। इनमें द्रोपदी, राजूदेवी, दस साल का जसवंत और 38 साल के नरपत की मौत हुई है। जबकि मुन्नीदेवी, अंजली, पवन, महावीर, लक्की, ज्योति

घायल हुए हैं। कार में छह बच्चे और पांच बड़े लोग शामिल थे। थानाधिकारी परमेश्वरी ने बताया कि सभी घायलों को उपचार के लिए एमडीएम अस्पताल भिजवाया गया है। मृतकों के शव अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए है। रविवार को अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। इधर दुर्घटना की जानकारी पर राजीव गांधी नगर थानाधिकारी अनिल यादव भी वहां पहुंचे।

पुंछ में सुरक्षाबलों ने चलाया तलाशी अभियान

पुंछ (हिंस)। पुंछ जिले के वार्ड नंबर 12 मोहल्ला आल्हा पीर इलाके में रविवार को बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया। सुरक्षाबलों को सूचना मिली कि वार्ड नंबर 12 मोहल्ला आल्हा पीर इलाके के किसी घर में कुछ संदिग्ध सामान छिपा कर रखा हुआ है। इसके तुरंत बाद ही सेना और एसओजी के जवानों ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया। इस दौरान सुरक्षाबलों ने आने-जाने वाले सभी रास्तों को सील कर दिया है। खबर लिखे जाने तक इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

गोवा में *वैश्विक हिंदू राष्ट्र महोत्सव* 16 जून से

राजस्थान से 13 संगठनों के 24 प्रतिनिधि निमंत्रित

जयपुर (हिंस)। गोवा में गत 11 वर्षों से हो रहे *अखिल भारतीय हिंदू राष्ट्र अधिवेशन* के कारण हिंदू राष्ट्र की चर्चा अब केवल भारत में ही नहीं, अपितु वैश्विक स्तर पर हो रही है। हिंदू धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म है जो समाज को जोड सकता है, विश्वबंधुत्व की एवं *वसुधैव कुटुंबकम* की संकल्पना प्रस्तुत कर सकता है। इसलिए भारत के पुन: टुकडे होने नहीं देने हैं, तो भारत को आदर्श रामराज्य अर्थात हिंदू राष्ट्र बनाने के अतिरिक्त विकल्प नहीं। हिंदू राष्ट्र स्थापना के कार्य को गति देने के लिए प्रतिवर्ष समान 16 से 22 जून 2023 तक *श्री रामनाथ देवस्थान*, फोंडा, गोवा में एकादश *अखिल भारतीय हिंदू राष्ट्र अधिवेशन* अर्थात *वैश्विक हिंदू राष्ट्र महोत्सव* आयोजित किया गया है। हिंदू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय मार्गदर्शक सद्गुरु डॉ. चारुदत्त पिंगले ने बताया कि इस महोत्सव में राजस्थान के जयपुर, जोधपुर, अजमेर, कोटा, झुंझुनूं, ब्यावर, अलवर इन जिलों से 13 संगटन के 24 पदाधिकारी निमंत्रित है। इस अधिवेशन का सीधा प्रसारण हिंदू जनजागृति समिति की वेबसाइट द्वारा, इसके साथ ही समिति के *हिंदू जागृति* इस *यू-ट्यूब* चैनल द्वारा किया जाएगा। विश्वभर के हिंदुत्वनिष्ठ इस *वैश्विक हिंदू राष्ट्र महोत्सव* का लाभ लें, ऐसा आवाहन हिंदू जनजागृति समिति की ओर से किया गया। हिंदू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय मार्गदर्शक सद्गुरु डॉ. चारुदत्त पिंगले ने कहा, इस अधिवेशन के लिए अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, बांग्लादेश, नेपाल सहित भारत के 28 राज्यों के 350 से भी अधिक हिंदू संगठनों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। इस अधिवेशन में प्रमुखता से *इंटरनैशनल वेदांत सोसाइटी* के स्वामी निर्गुणानंदगिरी महाराज, त्रिपुरा के *शांति काली आश्रम* के स्वामी चित्तरंजन महाराज, छत्तीसगढ़ के *शदाणी दरबार* के पपू डॉ. युधिष्ठिरलाल महाराज, छत्तीसगढ़ के *श्री जामडी पाटेश्वरधाम सेवा संस्थान* के संचालक रामबालकदास महात्यागी महाराज आदि संतों की वंदनीय उपस्थिति भी इस अधिवेशन में होगी। तेलंगाना के हिंदुत्वनिष्ठ विधायक टी. राजासिंह, भूतपूर्व विधायक एवं *हिंदू इकोसिस्टिम* के संस्थापक तथा भाजपा के नेता कपिल मिश्रा के साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ता, उद्योगपति, विचारक, लेखक, मंदिर विश्वस्त इसके साथ ही अनेक समविचारी सामाजिक, राष्ट्रीय एवं आध्यात्मिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहनेवाले हैं।

एलन मस्क की नेटवर्थ 14 अरब डॉलर से ज्यादा बढ़कर 221 अरब डॉलर पहुंची

सैन फ्रांसिस्को। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की दौलत बढ़ती ही जा रही है। मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के शेयरों में भारी उछाल देखा गया है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक दो दिन में मस्क की नेटवर्थ में 14 अरब डॉलर से ज्यादा तेजी आई है।

मस्क की नेटवर्थ अब 221 अरब डॉलर पहुंच गई है। यह रकम पाकिस्तान के करीब पांच साल के आयात के बराबर है। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार अब 3.9 अरब डॉलर रह गया है। यह राशि एक महीने के आयात के लिए नाकाफी है। मस्क टेस्ला के साथ-साथ स्पेसएक्स और ट्विटर के भी सीईओ हैं लेकिन स्पेसएक्स लिस्टेड नहीं है। मस्क की नेटवर्थ में इस साल 84.2 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस साल सबसे ज्यादा कमाई के मामले में मस्क पहले नंबर पर हैं। मस्क की नेटवर्थ अक्टूबर 2021 में 340 अरब डॉलर पहुंच गई थी लेकिन पिछले साल यानी 2022 में उनकी नेटवर्थ में काफी गिरावट आई। इस साल फिर उनकी नेटवर्थ रॉकेट की तेजी से बढ़ रही है। टेस्ला के शेयरों में इस साल 60 फीसदी से अधिक तेजी आ चुकी है। फ्रांस के बर्नार्ड आरनॉल्ट 189 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 147 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर बने हुए हैं। माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स 128 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ चौथे और लैरी एलिसन (124 अरब डॉलर) पांचवें नंबर पर हैं। अमेरिका के दिग्गज इन्वेस्टर वॉरेन बफे (117 अरब डॉलर) छठे, स्टीव बाल्मर (114 अरब डॉलर) सातवें, लैरी पेज (111 अरब डॉलर आठवें), सर्गेई ब्रिन (105 नौवें) और मार्क जकरबर्ग (96.7 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं। टॉप 10 में नौ रईस अमेरिका के हैं। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 13वें नंबर पर बने हुए हैं। पिछले साल अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंचने वाले गौतम अडानी 19वें नंबर पर हैं।

न्यूज ब्रीफ

इलेक्ट्रिक वाहन के लिए इंश्योरेंस लेते समय कुछ बातों का रखें ध्यान

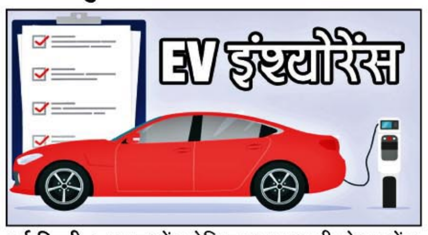

नई दिल्ली । भारत में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने का ट्रेंड तेजी से बढ़ता चला जा रहा है। इलेक्ट्रिक गाड़ियां इलेक्ट्रिक वाहन पर्यावरण के लिए नुकसानदायक न होने के साथ-साथ कार खरीदार के लिए भी किफायती साबित होती हैं। हालांकि, इन कारों की कीमत पेट्रोल-डीजल की अपेक्षा अधिक होती हैं। इस वजह से इलेक्ट्रिक कारों के लिए इंश्योरेंस लेना बेहद जरूरी हो जाता है। इलेक्ट्रिक गाड़ियों में बैटरी और कई महंगे इलेक्ट्रिक पार्ट्स का प्रयोग किया जाता है, जिस कारण इंश्योरेंस लेते समय कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। इलेक्ट्रिक वाहन का मूल्य पेट्रोल कार की अपेक्षा अधिक होता है। इस कारण आपको इंश्योरेंस लेते समय इस बात पर फोकस करना चाहिए कि इंश्योरेंस में आ रही आईडीवी आपके गाड़ी की मौजूदा कीमत के बराबर हो। आईडीवी वह राशि होती है, जिस आधार पर इंश्योरेंस कंपनी क्लेम का भुगतान करती है। ईवी में पेट्रोल या डीजल कार की अपेक्षा कई महंगे इलेक्ट्रिक पार्ट्स जैसे बैटरी पैक, पावर सप्लाई यूनिट और मैकेनिकल सिस्टम लगे होते हैं, जिन्हें इंश्योरेंस में कवर किया जाना जरूरी होता है। इंश्योरेंस लेते समय इन सभी महंगे पार्ट्स के लिए ऐड ऑन लेना न भूलें। किसी भी कार के लिए जीरी डेप्रिसिएशन कवर लेना जरूरी होता है। सामान्य इंश्योरेंस कवर में कंपनियां साल दर साल गाड़ी की आयु के हिसाब से डेप्रिसिएशन लगाती हैं, इस कारण आपकी क्लेम की राशि कम हो जाती है। वहीं अगर आप जीरी डेप्रिसिएशन कवर लेते बिना किसी कटौती के पूरा क्लेम मिलता है।

किसानों की बेहतरी के लिए सरकार ने किए बड़े बदलाव

नई दिल्ली । केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार देश में कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहित करने और किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए कई नए बदलाव ला रही है। उन्होंने कहा कि 2014 में संप्रग के सत्ता से बाहर होने के बाद से किसानों के बजट में भारी वृद्धि हुई है। रेड्डी ने यहां संवाददाताओं से कहा, केंद्र सरकार कृषि क्षेत्र को किसानों के लिए लाभदायक बनाने के लिए व उन्हें प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए ऐसे काम कर रही है जैसा आजादी के बाद से पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा, इसके तहत प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना व प्रधानमंत्री सिंचाई योजना शुरू की गई है। साथ ही किसानों के सभी वर्गों को किसान क्रेडिट कार्ड और मृदा स्वास्थ्य कार्ड मुहैया कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि 2014 में देश का कृषि बजट 21,933 करोड़ रुपये था जो अब बढ़कर करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि देश भर में 11 करोड़ लोगों को किसान क्रेडिट कार्ड दिए गए हैं, जबकि 23 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों को प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि देश में हर साल एक लाख करोड़ रुपये के खाना पकाने के तेल का आयात होता था और केंद्र ने इसे कम करने के लिए कई कदम उठाए। उन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में हालिया वृद्धि सहित कृषि के विभिन्न पहलुओं में प्रमुख निर्णयों और प्रगति पर प्रकाश डाला।

जीएसटी दर पर सुझाव देने के लिए बनाए गए जीओएम का नया संयोजक तय करने का प्रोसेस हुआ शुरू, इस कारण खाली हुआ था पद

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय की ओर से जीएसटी दर युक्तिकरण पर बनाए गए जीओएम (ग्रुप ऑफ मिनिस्टर) के नए संयोजक पर निर्णय लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। दक्षिण भारत के राज्य कर्नाटक में सरकार बदलने के कारण यह पद खाली हुआ है। जीएसटी काउंसिल के अंतर्गत सितंबर 2021 को कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को सात सदस्यों की जीओएम का मुख्य संयोजक बनाया गया था। वित्त मंत्रालय ने नया संयोजक बनाने के लिए पैनल के अन्य सदस्यों के साथ बातचीत करनी शुरू कर दी है। सूत्रों ने बताया कि कर्नाटक जीओएम का सदस्य बना रहेगा और नए संयोजक का चयन जीओएम के सदस्यों से बातचीत करने के बाद ही लिया जाएगा। कर्नाटक के अलावा जीओएम में अन्य राज्य बिहार, गोवा, केरल, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम बंगाल का नाम शामिल है। आमतौर पर जीओएम के सबसे वरिष्ठ सदस्य को ही संयोजक बनाया जाता है। रिपोर्ट में बताया गया कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के पास वित्त विभाग भी है, इसलिए उन्हें जीएसटी दर युक्तिकरण पर बनाए गए जीओएम के नए संयोजक के रूप में नामित किया जा सकता है। केंद्रीय वित्त मंत्री जीएसटी काउंसिल का प्रमुख होता है। इसमें राज्यों के वित्त मंत्रियों को भी शामिल किया जाता है।

भारत बना दुनिया का सबसे बड़ा पांचवां स्टॉक मार्केट

33 साल में सेंसेक्स 60 गुना बढ़ा, निवेशकों की संख्या 11 करोड़ के पार

नई दिल्ली।

भारतीय स्टॉक मार्केट हाल ही में एक बार फिर फ्रांस को पछाड़कर दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट बन गया। अमेरिकी शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद (24 जनवरी 2023) अडाणी समूह के शेयरों में आई भारी बिकवाली की वजह से इसी साल जनवरी के दौरान यह खिसककर छठे स्थान पर चला गया था। लेकिन अडाणी समूह के शेयरों में आई रिकवरी और विदेशी निवेशकों की तरफ से की जा रही लिवाली के दम पर भारतीय शेयर बाजार अपने खोए हुए स्थान को फिर से हासिल करने में कामयाब रहा है।

1 से 3 लाख करोड़ की यात्रा

28 मई 2007 को भारतीय शेयर बाजार ने 1 ट्रिलियन (लाख करोड़) डॉलर यानी करीब 82 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप को पहली बार हासिल किया था। लेकिन 2 लाख करोड़ डॉलर यानी 164 लाख करोड़ के मार्केट कैप को छूने में बाजार को अगले 10 साल तक इंतजार करना पड़ा।

आखिरकार, 16 मई 2017 को यह इंतजार खत्म हुआ, जबकि इसे 2 लाख करोड़ डॉलर से 3 लाख करोड़ डॉलर यानी 246 लाख करोड़ रुपए की यात्रा तय करने में महज 4 साल लगे। 24 मई 2021 को भारतीय शेयर बाजार ने 3 लाख करोड़ डॉलर के मार्केट कैप को पहली बार छुआ। इतना ही नहीं शेयर बाजार में निवेशकों की संख्या भी 11 करोड़ के पार निकलकर 11.44 करोड़ पर पहुंच गई है।

1990 को बीएसई सेंसेक्स ने पहली बार 1 हजार का स्तर छुआ

25 जुलाई 1990 को बीएसई सेंसेक्स ने पहली बार 1 हजार के स्तर को छुआ था। 1 हजार से 10 हजार तक आने में इसे तकरीबन 16 साल लगे (6 फरवरी 2006)। लेकिन 10 हजार से 60 हजार तक के सफर को केवल 15 साल में पूरा कर लिया।

अमेरिका से अब भी बहुत पीछे

वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ एक्सचेंज के आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल वर्ल्ड मार्केट कैप में अमेरिकी मार्केट की हिस्सेदारी लगभग 41प्रतिशत रही, जबकि भारत की हिस्सेदारी तकरीबन केवल 3प्रतिशत है। अमेरिका की 55प्रतिशत से भी अधिक आबादी वहां के शेयर बाजारों से जुड़ चुकी है, जबकि भारत में यह आंकड़ा भी महज 3प्रतिशत का है। लेकिन इसका मतलब यह भी है कि भारतीय शेयर बाजार में अभी काफी संभावनाएं बाकी हैं।

बरगद के पेड़ के नीचे हुई थी भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत!

शुरुआत चार गुजराती व एक पारसी शेयर ब्रोकर्स ने की थी। 1850 में ये मुंबई के टाउन हॉल के सामने लगे बरगद के पेड़ के नीचे बैठकर विभिन्न व्यापारियों के साथ बैठक किया करते थे। ब्रोकर्स की संख्या लगातार बढ़ती गई। इसके साथ ही 1855 में इन्होंने स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग शुरू की। 1875 में इन्होंने अपना 'द नेटिव शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स एसोसिएशन' बना लिया। साथ ही दलाल स्ट्रीट पर एक ऑफिस भी खरीद लिया। 9 जुलाई 1875 को आधिकारिक रूप से स्टॉक एक्सचेंज शुरू हुआ। आज इसे ही बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) कहा जाता है। भारत सरकार ने बीएसई को 1957 में सिक्योरिटीज कॉन्ट्रैक्ट रेगुलेशन एक्ट के तहत मान्यता दी थी। 1986 में बीएसई सेंसेक्स की शुरुआत हुई, जिसका बेस ईयर 1978-79 रखा गया और बेस 100 पॉइंट बनाया गया। साल 1992 में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की स्थापना हुई थी। अप्रैल 1993 में पूंजी बाजार नियामक 'सेबी' द्वारा इसे स्टॉक एक्सचेंज के रूप में मान्यता दी गई।

कंप्यूटर, मोबाइल से पहले स्टॉक मार्केट कैसे करता था काम

कंप्यूटर के व्यापक उपयोग से पहले स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग मैनुअल प्रक्रिया के माध्यम से की जाती थी जिसे 'ओपन आउटक्राई कहा जाता था। इसमें स्टॉक खरीदने व बेचने के लिए ट्रेडर व ब्रोकर स्टॉक एक्सचेंज में इकट्ठा होते थे और फिजिकल बिडिंग में हिस्सा लेते थे, जिसमें एक आम बिडिंग प्रक्रिया की तरह ही यह तय होता था कि किस कंपनी का कितना शेयर किस भाव पर खरीदना या बेचना है। बिडिंग प्रक्रिया में स्टॉक की कीमत और वॉल्यूम पर जो सहमति होती थी, उसका विवरण दर्ज कर लिया जाता था। साथ ही बायर्स और सेलर्स को सौदे को लेकर जरूरी प्रमाणपत्र दिए जाते थे। स्टॉक एक्सचेंज पर फिजिकल बिडिंग के जरिए होने वाले हर सौदे को सेंट्रलाइज्ड अकाउंट में स्टॉक के ऑनरशिप के हिसाब से अपडेट कर दिया जाता था। इस प्रक्रिया में ब्रोकर की अहम भूमिका होती थी, जो आपसी संवाद व विश्वास के आधार पर नेटवर्क का निर्माण करते थे। मैन्युअल होने की वजह से यह प्रक्रिया धीमी थी।

रिलायंस के केजी गैस ब्लॉक में इंडियन ऑयल ने लगाई सबसे ऊंची बोली, इन कंपनियों ने भी लिया हिस्सा

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उसकी ब्रिटिश सहयोगी कंपनी बीपी के केजी गैस ब्लॉक से निकलने वाली गैस की बोली में करीब आधा हिस्सा हासिल किया है। आपको बता दें कि नेचुरल गैस का इस्तेमाल बिजली और उर्वरक उत्पादन में काम आता है। इसके साथ इसे गाड़ी के ईंधन और रसोई की गैस यानी एलपीजी में बदल दिया जाता है।

पिछले महीने ईंधन की नीलामी में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने 2.5 मिलीयन स्टेंडर्ड क्यूबिक मीटर गैस हासिल की है। इस नीलामी में 50 लाख घनमीटर गैस रखी गई थी।

रिलायंस-बीपी की पिछली पूर्वी अपतटीय केजी-डी6 ब्लॉक की गैस की नीलामी में भी आईओसी ने सबसे ज्यादा गैस के लिए बोली लगाई थी।

शहर गैस वितरण कंपनियों में गेल गैस लिमिटेड, महानगर गैस लिमिटेट, टॉरेंट गैस, अडाणी गैस लिमिटेड और हरियाणा सिटी गैस ने कुल मिलाकर पांच लाख घनमीटर प्रतिदिन की गैस के लिए बोली लगाई है। ये कंपनियां इस गैस को सीएनजी और पीएनजी में बदलती हैं। पीएनजी गैस रसोई में इस्तेमाल होती है।

स्टेट गैस यूटिलिटी गेल और रिफाइनर हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) को 0.6 एमएमएससीएमडी मिला, जबकि गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉर्प (जीएसपीसी) को 0.5 एमएमएससीएमडी और शेल को 0.2 एमएमएससीएमडी मिला।

रिलायंस-बीपी ने दो साल पहले बंगाल की खाड़ी के गहरे समुद्र में पड़े केजी-डी6 ब्लॉक में दूसरे दौर की खोजों से उत्पादन शुरू किया। इससे घरेलू गैस की आपूर्ति कम हो रही है।

पिछले महीने की निलामी

रिलायंस-बीपी ने ताजा नीलामी में 1 जून से 3 साल की अवधि के लिए 50 लाख घनमीटर प्रतिदिन गैस की पेशकश की थी। ये निलामी 19 मई से शुरू होकर 23 मई को खत्म हुई थी। अप्रैल में रिलायंस-बीपी ने करीब 60 लाख घनमीटर प्रतिदिन गैस की नीलामी की थी। 12 अप्रैल को इस ई-निलामी का आधा हिस्सा ओईओसी को मिला था। वहीं गेल को 7 लाख घनमीटर का हिस्सा मिला था। अडाणी-टोटल गैस को 4 लाख घनमीटर, शेल को 5 लाख घनमीटर, जीएसपीसी को 2.5 लाख घनमीटर और आईजीएस को 5 लाख घनमीटर गैस मिली थी।

गुरनानी बोले- चैलेंज एक्सेप्टेड... ऑल्टमैन का जवाबः बयान को संदर्भ से बाहर लिया गया, मैंने 10 मिलियन डॉलर के निवेश पर जवाब दिया था

नई दिल्ली।

ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने टेक महिंद्रा के एमडी और सीईओ सीपी गुरनानी के चैलेंज एक्सेप्टेड वाले ट्वीट का जवाब दिया है। ऑल्टमैन ने स्पष्ट किया कि उनके बयान को आउट ऑफ कॉन्टेक्स्ट यानी संदर्भ से बाहर लिया गया। उन्होंने कहा कि वह 10 मिलियन डॉलर के निवेश के साथ ओपनएआई के साथ कॉम्पिटिशन करने के प्रश्न का जवाब दे रहे थे। स्पष्टीकरण के बाद गुरनानी ने ऑल्टमैन को थैंक यू कहा। उन्होंने ट्वीट किया, थैंक यू फॉर क्लैरिफाइंग... पॉइंट टेकन।

सैम ऑल्टमैन से राजन आनंदन ने एआई पर सवाल पूछा - नई दिल्ली में सैम ऑल्टमैन के लिए एक इवेंट ऑर्गनाइज किया था। इवेंट में गूगल इंडिया के पूर्व सीईओ राजन आनंदन ने ऑल्टमैन से एक सवाल पूछा। सैम, भारत में हमारे पास एक वाइब्रेंट इकोसिस्टम है, लेकिन हम विशेष रूप से एआई पर बात करें कोई स्टार्टअप चैटजीपीटी जैसे सिस्टम पर बेस्ड यदि आप फाउंडेशनल मॉडल बनाना चाहते हैं, तो हमें उसके बारे में कैसे सोचना चाहिए भारत के तीन सुपर स्मार्ट इंजीनियर 100 मिलियन डॉलर नहीं, बल्कि मान लें कि 10 मिलियन डॉलर के साथ, कुछ बड़ा बना सकते हैं

सैम ने कहा- हमारे साथ कॉम्पीट करना निराशाजनक - इस पर ऑल्टमैन ने जवाब दिया, जिस तरह से यह काम करता है, हम आपको बता दें कि ट्रेनिंग फाउंडेशन मॉडल पर हमारे साथ कॉम्पीट करना पूरी तरह से होपलेस यानी निराशाजनक है। आपको इसकी कोशिश भी नहीं करना चाहिए। हालांकि, यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप अभी भी कोशिश करें। और मैं उन दोनों बातों पर विश्वास करता हूं। मुझे लगता है कि यह काफी निराशाजनक है।

बिटकॉइन, एथेरियम की कीमतों पर अमेरिकी कार्रवाई का कोई असर नहीं

नई दिल्ली।

यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) द्वारा शीर्ष क्रिप्टो एक्सचेंज बाइनेंस और कॉइनबेस के खिलाफ मुकदमे सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत को गंभीर रूप से प्रभावित करने में सक्षम नहीं रहा है। बिटकॉइन इस सप्ताह लगभग 26,500 डॉलर प्रति डिजिटल क्वाइन पर है। निवेशक एसईसी के मुकदमों से काफी हद तक अप्रभावित दिखे। कॉइन्डेस्क के अनुसार, अग्रणी क्रिप्टोकरेंसी मंगलवार को 26,000 डॉलर के नीचे चला गया, लेकिन पूरे हफ्ते इसी के आसपास बना रहा। विश्लेषकों ने सुझाव दिया कि निवेशकों ने पहले ही कीमत लगा दी थी। ऑनचैन कस्टडी प्लेटफॉर्म सेंसो के सह-संस्थापक और सीईओ एंड्रयू लॉरेंस ने कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका में डिजिटल परिसंपत्ति उद्योग के सामने एक कठिन नियामक स्थिति की कल्पना करना मुश्किल है। उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छा नहीं है, फिर भी बिटकॉइन और अन्य प्रमुख क्रिप्टो एसेट ने जबरदस्त मजबूती दिखाई है। बाजार पूंजीकरण के हिसाब से दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी इथेरियम लगभग 1,850 डॉलर पर है। काडार्नो, सोलाना और पॉलीगॉन स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट प्रोटोकॉल के डिजिटल टोकन या तो सपाट या थोड़े ऊपर थे। लोकप्रिय मीम कॉइन्स डोगे और एसएचआईबी भी हरे निशान पर थे। बिटकॉइन का बाजार मूल्य 521.9 अरब डॉलर है, जबकि व्यापार का वॉल्यूम 22.9 अरब डॉलर है। उद्योग के विशेषज्ञों के अनुसार, बिटकॉइन को वास्तव में क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों पर एसईसी की कार्रवाई से फायदा हुआ है। क्वाइन मार्केट कैप डेटा के आंकड़ों के अनुसार, पिछले सात दिनों में बिटकॉइन और ईथर क्रमशः 2 प्रतिशत और 1 प्रतिशत से कम गिरे हैं। वैश्विक क्रिप्टो मार्केट कैप 2.7 प्रतिशत घटकर 1.1 ट्रिलियन डॉलर हो गया। एथेरियम की कीमतें 3.6 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 225.71 बिलियन डॉलर के मार्केट कैप पर पहुंच गईं और ट्रेडिंग वॉल्यूम 9.06 बिलियन डॉलर था। कॉइनबेस के खिलाफ एसईसी का मुकदमा बाइनेंस के खिलाफ मुकदमे के 24 घंटे से भी कम समय में आया। दोनों फाइलिंग ने मुट्ठी भर क्रिप्टोकरेंसी को सिक्योरिटीज के रूप में सूचीबद्ध किया, जिसमें 12 एसेट्स बाइनेंस सूट में और 13 कॉइनबेस में नोट किए गए, हालांकि एसईसी ने कहा कि यह उन तक सीमित नहीं था।

देश की खुदरा और थोक मुद्रास्फीति के आंकड़े तय करेंगे बाजार की चाल

रुपए के प्रदर्शन और एफआईआई डीआईआई की लिवाली की भी अहम भूमिका रहेगी

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के महंगाई को नियंत्रित करने के लिए आगे नीतिगत दरों में बढ़ोतरी करने के संकेत के दबाव में बीते सप्ताह मामूली बढ़त में रहे शेयर बाजार की चाल इस सप्ताह अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दरों को लेकर होने वाले निर्णय के अलावा देश की खुदरा और थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों के अनुसार आरबीआई ने अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा। लेकिन आरबीआई के अनुमान के अनुसार मुद्रास्फीति अभी भी लक्ष्य से ऊपर है। उसने महंगाई को लक्षित दायरे में लाने के लिए आगे मौद्रिक नीति को सख्त बनाने के संकेत दिया है। इसी तरह मई में देश की सेवाओं का पीएमआई 13 साल के करीब 62 के अप्रैल के उच्च स्तर से घटकर 61.2 रह गई। इससे निवशकों की निवेश धारण प्रभावित हुई है। वैश्विक मोर्चे पर मई में अमेरिकी एसएंडपी ग्लोबल सर्विसेज पीएमआई अप्रैल की 53.6 की तुलना में 54.9 पर आ गई, जो अप्रैल 2022 से नए व्यवसाय द्वारा समर्थित सेवा क्षेत्र में सबसे मजबूत विस्तार की ओर इशारा करता रहा। अप्रैल में अमेरिकी व्यापार घाटा बढ़ा मार्च में 60.6 अरब डॉलर की तुलना में छह माह के उच्चतम स्तर 74.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इन संकेतकों के बीच फेड रिजर्व की ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की 13-14 जून को मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक होने वाली है। ब्याज दरों को लेकर बैठक में होने वाले निर्णय का बाजार पर असर रहेगा। साथ ही अमेरिका में खुदरा महंगाई, रोजगार के आंकड़े, डॉलर सूचकांक और कच्चे तेल की कीमत पर निवेशकों का फोकस रहेगा।

इसके अलावा घरेलू स्तर पर इस सप्ताह मई का खुदरा मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित थोक महंगाई, औद्योगिक उत्पादन, विनिर्माण उत्पादन, विदेशी मुद्रा भंडार और व्यापार संतुलन आंकड़ा का आने वाले सप्ताह में बाजार की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। साथ ही इस सप्ताह बाजार को दिशा देने में रुपए के प्रदर्शन और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की लिवाली की भी अहम भूमिका रहेगी। एफआईआई जून में अब तक 240.78 करोड़ रुपए के लिवाल रहे वहीं डीआईआई का कुल निवेश 3,010.54 करोड़ रुपए रहा।

पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों पर केंद्रीय मंत्री ने कही ये बात, कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली । पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत स्थिर रहती है और तेल कंपनियों के लिए अगली तिमाही अच्छी रहती है तो कंपनियां पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी के मुद्दे पर विचार करने की स्थिति में होंगी। भाजपा नेता ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि अप्रैल 2022 से तेल की कीमतों में कोई वृद्धि न हो। मोदी सरकार के सत्ता में नौ साल पूरे होने के मौके पर यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पुरी ने राफेल और अन्य मुद्दों पर टिप्पणी के लिए राहुल गांधी पर निशाना साधा और कहा कि राजनीति में विश्वसनीयता जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता के बयान अतीत में झूठे साबित हुए हैं। पुरी ने कहा कि राहुल को अपनी विदेश यात्राओं के दौरान अल्पसंख्यकों की स्थिति की अचानक याद आ गई। पुरी ने कहा कि वे ये भूल गए कि 1983 में मुसलमानों का नेल्ली नरसंहार और 1984 में सिखों की हत्याएं कांग्रेस शासन के दौरान हुई थीं।

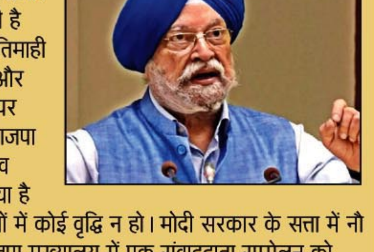

50 दिन अस्पताल में भर्ती रहे, कैंसर को दी मात, डॉक्टरों ने कहा था आप जिंदा नहीं बचोगे : शाम कौशल

– विक्की के पिता शाम ने एक इंटरव्यू में किया बड़ा खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म जरा हटके जरा बचके को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। विक्की और सारा अली खान स्टारर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई कर रही है। इसी बीच विक्की कौशल के पिता शाम कौशल ने एक इंटरव्यू के दौरान बड़ा खुलासा किया है। शाम ने बताया कि 20 साल पहले साल 2003 में उन्हें कैंसर हो गया था। दरअसल फरहान अख्तर की फिल्म लक्ष्य की शूटिंग के दौरान शाम कौशल पेट की समस्या से जूझ रहे थे, जब वह शूटिंग पूरी करके लौटे तो उन्होंने अपनी जांच करवाई, जिसमें कैंसर होने की बात उन्हें पता चली। उस समय जहां विक्की 15 साल और सनी करीब 14 साल के थे। इंटरव्यू के दौरान शाम कौशल काफी इमोशनल हो गए और बताया था कि डॉक्टरों ने कह दिया था कि आप जिंदा नहीं बचोगे। उन्होंने कहा कि मैंने यह स्वीकार कर ली थी कि मैं जीवित नहीं बचूंगा। इसलिए मैंने भगवान से प्रार्थना की कि मैं दुखी नहीं हूं, मैं 48 साल का हूं। मैंने शून्य से शुरूआत की और मैंने बहुत कुछ हासिल किया है। आप मुझे ले जाओ लेकिन अगर आप मुझे बचाना चाहते हो तो मुझे कमजोर मत बनाना क्योंकि मैं कमजोर व्यक्ति की तरह जीवित नहीं रह पाऊंगा। शाम कौशल ने बताया कि जब उन्होंने कहा कि मैं जिंदा नहीं बचूंगा, उसके बाद मैंने अपनी जिंदगी के सबसे अच्छे दिन देखे। मैंने 2003 के बाद कई सारे अवॉर्ड्स जीते। इसके बाद मेरे बच्चे कामयाब हुए। उल्लेखनीय है कि कैंसर के इलाज के लिए शाम कौशल करीब 50 दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहे थे और बाद में उन्होंने कैंसर को मात दे दी थी। विक्की कौशल के पिता पीके और पद्मावत जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुके हैं।

बॉक्स ऑफिस पर ट्रांसफॉर्मर्स की कमाई ने देसी फिल्मों को छोड़ा पीछे

मुंबई (ईएमएस)। हालिया जानकारी के मुताबिक हॉलीवुड की फिल्म ट्रांसफॉर्मर्सः राइज ऑफ द बीस्ट बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों खूब कमाई कर रही है। भले ही जरा हटके जरा बचके को रिलीज हुए 8 दिन पूरे हो चुके हैं और फिल्म अब तक 50 करोड़ का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई है। सोमवार से इसके कलेक्शन में लगातार गिरावट देखी गई, जबकि शुक्रवार इसके लिए अच्छी खबर लेकर आई। फिल्म के कलेक्शन में मामूली सा उछाल आया। दूसरी ओर, अदा शर्मा की विवादित फिल्म द केरल स्टोरी अब अपने आखरी सफर पर है। कुछ ऐसा ही हाल हॉलीवुड की फिल्म फास्ट एक्स का भी है। लेकिन ट्रांसफॉर्मर्सः राइज ऑफ द बीस्ट ने सबको पीछे छोड़ दिया है। जानकारी के अनुसारस हॉलीवुड की ट्रांसफॉर्मर्सः राइज ऑफ द बीस्ट गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसने सारी देसी फिल्मों के छक्के छुड़ा दिए। इस साइंटिफिक-फिक्शन फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच अच्छा खासा बज बना हुआ है। पहले दिन इसने 4.4 करोड़ का बिजनेस किया तो दूसरे दिन इसकी कमाई में उछाल आया और फिल्म ने बटोरे 4.75 करोड़ रुपये। इसके साथ ही इसका कुल कलेक्शन पहुंच गया 9.15 करोड़। शनिवार और रविवार को इसमें उछाल आने की पूरी उम्मीद है। लक्ष्मण उतेकर के डायरेक्शन में बनी जरा हटके जरा बचके ने बड़ी मुश्किल से सिनेमाघरों में 40 करोड़ का आंकड़ा पार किया है। इस फिल्म ने शुक्रवार को 3.30 करोड़ का कलेक्शन किया और इसके साथ ही इसकी कुल कमाई 40.65 करोड़ पहुंच गई। सर्वे के मुताबिक नाइट शोज में दर्शकों की संख्या ज्यादा है और इसके साथ ही उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक के बाद जेडएचजेडबी विक्की कौशल की सबसे ज्यादा बिजनेस करने वाली फिल्म बन गई है। हालांकि ये भी सच है कि यह फिल्म उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक की तरह 244.00 करोड़ रुपये के लाइफटाइम कलेक्शन तक नहीं पहुंच पाएगी। अदा शर्मा स्टारर विवादित फिल्म द केरल स्टोरी अब अपने आखरी सफर पर है। फिल्म की कमाई तेजी से घट रही है, शुक्रवार को इसने 40 लाख का बिजनेस किया है।

ऐश्वर्या राय संग ताल के शूट को शाहिद कपूर सबसे अच्छा और खराब दिन भी मानते हैं

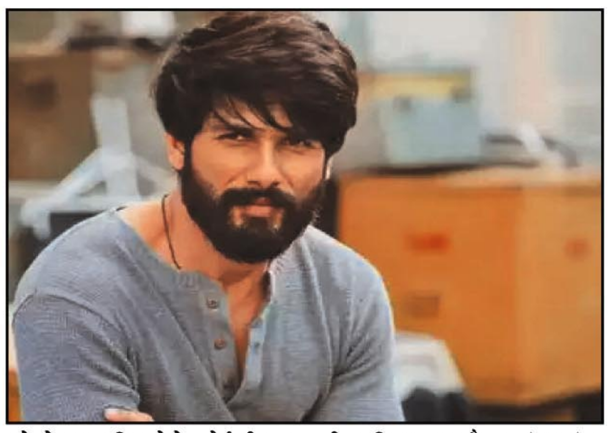

मुंबई(ईएमएस)। अभिनेता शाहिद कपूर ने 2003 में फिल्म इश्क विश्क से एक्टिंग डेब्यू किया था। इससे पहले वह फिल्म ताल में नजर आ चुके थे। शाहिद कपूर, ऐश्वर्या राय और अक्षय खन्ना स्टारर इस फिल्म के एक गाने में बैकग्राउंड डांसर के रूप में दिखे थे। ताल के अलावा शाहिद कपूर कुछ और फिल्मों में बैकग्राउंड डांसर के तौर पर दिखे। लेकिन ताल के शूट को शाहिद अपने करियर का सबसे खराब और सबसे अच्छा दिन भी मानते हैं। मालूम हो कि शाहिद ताल के कहीं आग लगे लग जाए गाने में नजर आए थे। इस गाने के शूट के दौरान ऐसा क्या हुआ था कि शाहिद को वह अपने करियर का सबसे बुरा दिन लगता है?

शाहिद कपूर ने हाल ही रेडियो नशा को इंटरव्यू दिया। शाहिद ने बताया कि जब वह ऐश्वर्या राय के साथ कहीं आग लगे लग जाए के शूट के लिए जा रहे थे, तो उनके साथ क्या हुआ था। फिल्म में अनिल कपूर, अमरीश पुरी और आलोक नाथ भी नजर आए थे। शाहिद कपूर ने बताया कि जब वह शूट पर जा रहे थे, तो उनका एक्सीडेंट हो गया था। जब वह सेट पर पहुंचे तो बुरी हालत थी। जब उन्हें एक बेहतरीन शॉट मिला, तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उस अच्छे और बुरे पल की यादों को कुरेदते हुए शाहिद बोले, कोई भी यह नहीं जानता है। उस दिन मेरा एक्सीडेंट हो गया था।

मैं बाइक चलाता था और जाते वक्त उससे गिर पड़ा। मुझे याद है कि मैं जब सेट पर पहुंचा तो बहुत घबराया हुआ था। मैं बाइक से गिरा था और समझ नहीं आ रहा था कि मेरे साथ क्या हुआ? मैं उस दिन को हमेशा एक अच्छे और बुर वक्त के तौर पर याद रखूंगा। शाहिद कपूर ने श्यामक डावर से डांस की ट्रेनिंग ली थी और वह उनके ट्रूप का हिस्सा थे। ताल से पहले शाहिद ने यश चोपड़ा की दिल तो पागल है में काम किया था। यह श्यामक डावर की पहली हिंदी फिल्म थी और इसमें कई डांस नंबर्स थे। इस फिल्म के गानों में भी शाहिद कपूर बैकग्राउंड डांसर बनकर नजर आए। शाहिद ने दिल तो पागल है के शूट के दिनों को याद कर बताया कि वह तब बहुत नर्वस थे। वह शूट को खराब कर देते थे। उन्हें हमेशा यही डर रहता था कि कहीं सब गड़बड़ न कर दें। शाहिद कपूर को जब इश्क विश्क मिली तो दिन फिर गए। बतौर लीड हीरो वह अपनी धाक जमाने में कामयाब रहे। इस फिल्म से पहले शाहिद कुछ म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आए थे। फिर फिदा, वाह लाइफ हो तो ऐसी, चुप चुप के, विवाह, जब वी मेट, कमीने, हैदर, पदमावत, कबीर सिंह और जर्सी जैसी फिल्मों से अलग पहचान बनाई। शाहिद अब जल्द ही ब्लडी डैडी में नजर आने वाले हैं।

दीपिका के मां बनने की खबरें हो रही वायरल

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ के मां बनने की खबरें तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। वायरल खबरों में दावा किया जा रहा है कि एक्ट्रेस ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया है। अब इस पर दीपिका के पति शोएब इब्राहिम का रिएक्शन सामने आया है। इन सभी बातों को शोएब ने सिरे से खारिज कर दिया है। हाल ही शोएब ने अपने यूट्यूब व्लॉग में इस बारे में बात करते हुए कहा कि बहुत से लोगों के मैसेज आज चुके हैं कि हम दोनों का बेबी हो गया है। कोई बोल रहा है कि ट्विंस हुए है कोई बोल रहा है बेबी बॉय हुआ है। अभी तक ऐसा कुछ नहीं हुआ है। अभी जो भी है अंदर ही है। जो भी डेट होगी जुलाई में तो मैं आपको जरूर बताऊंगा। दीपिका ने बेबी बंप दिखाते हुए कहा कि जो भी जानकारी हम देंगे सिर्फ उसी पर यकीन कीजिएगा, और किसी भी यकीन पर कीजिएगा क्योंकि बहुत सारे वीडियोज फैल रहे हैं।

इंस्टा मिलियनेयर के प्रोमो में एक जोड़े की भूमिका में होंगे ऊर्फी व रोहन

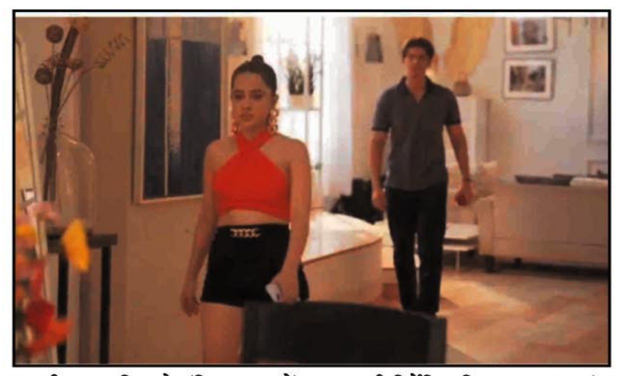

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर रोहन मेहरा और सोशल मीडिया सेंसेशन ऊर्फी जावेद पॉकेट एफएम की ब्लॉकबस्टर ऑडियो सीरीज इंस्टा मिलियनेयर के प्रोमो में एक जोड़े की भूमिका निभाएंगे। इस वक्त ग्लैमर की दुनिया में दो नाम एक साथ गूंज रहे हैं अभिनेता रोहन मेहरा और ऊर्फी जावेद। यह दोनों जल्द ही एक प्रोजेक्ट के तरह एक साथ नजर आने वाले हैं। रोहन मेहरा और ऊर्फी जावेद ने इंस्टा मिलियनेयर के लिए एक आकर्षक प्रोमो भी शूट किया, जिससे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हलचल मच गई। प्रोमो में रोहन और उर्फी, लकी और डिंपल के किरदार में दिखाई दे रहे हैं, जो एक दूसरे से बिलकुल अलग हैं। डिंपल, लकी से बहुत प्यार करती है चूँकि वह पूरी तरह लकी के पैसों से प्रेरित है। उनकी तथाकथित रोमांटिक यात्रा में एक अप्रत्याशित मोड़ तब आता है जब एक महत्वपूर्ण रहस्यों से पर्दा खुलता है, जिससे उनके रिश्ते की दिशा बदल जाती है। प्रोमो अभिषेक सक्सेना (फुल्लू और सरोज का रिश्ता के लिए जाने जाते हैं) द्वारा निर्देशित किया गया है, जिनकी आगामी निर्देशित फिल्म का नाम बंदा सिंह है, जिसमें अरशद वारसी मुख्य भूमिका में हैं। रोहन और ऊर्फी के नेतृत्व में उनकी केमिस्ट्री और प्रतिभा निश्चित रूप से भारत में ऑडियो सीरीज की लहर को और बढ़ावा देगा, जिससे श्रोता मंत्रमुग्ध हो जाएंगे।

बालीवुड एक्टर आदित्य पंचोली पहुंचे सोमनाथ मंदिर

बालीवुड एक्टर आदित्य पंचोली के बेटे सूरज पंचोली को जिया खान मामले में 10 साल बाद राहत मिली। मामले में बरी होने के बाद एक्टर मंदिर गुरुद्वारे जाकर भगवान का शुक्रिया मना रहे हैं। इसी बीच हाल ही में अब सूरज ने गुजरात के सोमनाथ मंदिर में दर्शन किए, जहां से उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। सोमनाथ मंदिर में सूरज पंचोली दोनों हाथ जोड़ नतमस्तक हुए और ध्वजा पूजन किया। इस दौरान उनके चेहरे पर एक अलग ही खुशी और सुकून दिखा। कोर्ट ने 28 अप्रैल, 2023 को इस केस में फैसला सुनाया और सूरज को बरी कर दिया। केस में बरी होने के बाद सूरज ने सिद्धिविनायक मंदिर और बंगला साहिब गुरुद्वारे में दर्शन किए थे।बता दें, सूरज पंचोली की गर्लफ्रेंड और एक्ट्रेस जिया खान की 3 जून, 2013 को मौत हो गई थी।

उनकी मौत के बाद पुलिस को जिया के घर से छह पन्ने का सुसाइड नोट मिला था, जिसमें उन्होंने सूरज पंचोली पर कई आरोप लगाए थे। इसके बाद पुलिस ने एक्टर को अपनी हिरासत में ले लिया था। हालांकि, बाद में जमानत पर रिहा कर दिया था।

सोशल मीडिया से ब्रेक लेना काजोल का था पब्लिसिटी स्टंट, फैंस हुए नाराज

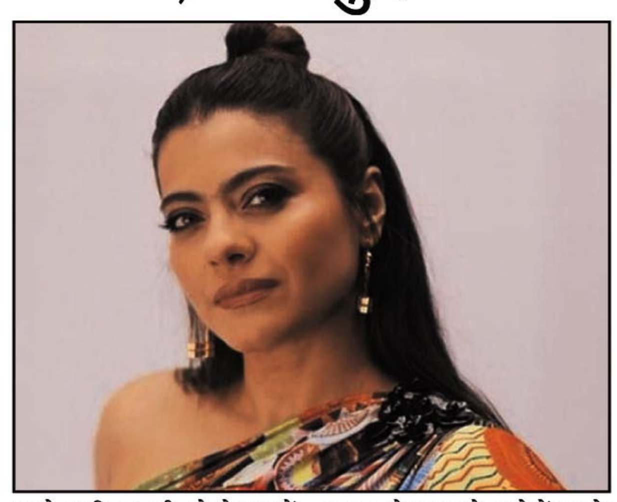

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी। लोग उनकी एक्टिंग के दीवाने हैं काजोल वह इन दिनों अपनी अपकमिंग वेब सीरीज "द ट्रायल" को लेकर सुर्खियों में हैं। एक्ट्रेस ने इसका मोशन पोस्टर भी रिलीज कर दिया है। इससे पहले काजोल ने सोशल मीडिया से ब्रेक लेने का फैसला किया था। जिसके बारे में उन्होंने एक पोस्ट भी शेयर की थी। इसके बाद उनके फैंस मायूस हो गए। काजोल ने अपने सभी इंस्टाग्राम पोस्ट डिलीट कर दिए और एक नोट शेयर करते हुए लिखा, "मेरे जीवन की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक का सामना कर रही हूं।"

कैप्शन पढ़ा, "मैं सोशल मीडिया से ब्रेक ले रहा हूं।" इसके बाद काजोल के फैंस मायूस हो गए। लेकिन जब उन्होंने "द ट्रायल" का मोशन पोस्टर शेयर किया तो सभी को एहसास हुआ कि यह सिर्फ उनका पब्लिसिटी स्टंट था। डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने एक्ट्रेस काजोल की अपकमिंग वेब सीरीज "द ट्रायल" का मोशन पोस्टर शेयर किया है। इसमें काजोल महिला वकील के गेटअप में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री की वेब सीरीज का शीर्षक पहले द गुड वाइफ था जिसे अब बदलकर "द ट्रायल" कर दिया गया है।

पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा है कि आपका ट्रायल जितना कठिन होगा, आप उतनी ही मजबूती से वापसी करेंगे। 12 जून को मेरे कोर्टरूम ड्रामा "द ट्रायल" - प्यार कानून धोखा का ट्रेलर देखें। इसके साथ ही काजोल के सभी इंस्टाग्राम पोस्ट भी वापस आ गए हैं। कहा जा रहा है कि उन्होंने इसे आने वाली वेब सीरीज के लिए ही छुपाया था। इसी के चलते अब लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया है। लोग कह रहे हैं कि यह बहुत गलत है, आपको ऐसा करने से पहले अपने प्रशंसकों के बारे में सोचना चाहिए था।"

दमदार भूमिकाएं निभाने वाले अभिनेता मंगल ढिल्लों का निधन

सीरियल और फिल्मों में दमदार भूमिकाएं निभाने वाले अभिनेता मंगल ढिल्लों का रविवार को निधन हो गया। वह पिछले कुछ समय से कैंसर से जूझ रहे थे। वह करीब एक महीने से लुधियाना के एक अस्पताल में भर्ती थे। इलाज के दौरान उसकी हालत और बिगड़ गई। आखिरकार रविवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। बॉलीवुड अभिनेता यशपाल शर्मा ने उनके निधन की खबर की पुष्टि की। उन्होंने फेसबुक पर पोस्ट लिखकर मंगल ढिल्लों के निधन की जानकारी दी है। मंगल का का एक सप्ताह बाद जन्मदिन था। मंगल ढिल्लों पंजाबी फिल्म उद्योग के प्रसिद्ध अभिनेता थे। उन्होंने कई पंजाबी फिल्मों में काम किया है। इतना ही नहीं उन्होंने फिल्मों का निर्माण और निर्देशन भी किया है। वह मूल रूप से पंजाब के फरीदकोट के रहने वाले थे। उनका जन्म पंजाब में फरीदकोट जिले के वांडर जटाना गांव में एक सिख परिवार में हुआ था। चौथी कक्षा तक की शिक्षा पूरी करने के बाद, वह अपने पिता के साथ उत्तर प्रदेश चले गए। वहां स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद वे फिर से पंजाब लौट आए। ग्रेजुएशन के बाद मंगल ने दिल्ली में थिएटर में काम किया। मंगल ढिल्लों को अभिनय के क्षेत्र में पहला ब्रेक 1986 में मिला। उन्होंने टीवी सीरियल 'कथा सागर' में काम किया था, लेकिन इसी साल दर्शकों के बीच हिट हुए सीरियल 'बुनियाद' से उन्हें लोकप्रियता मिली। इसके बाद उन्होंने किस्मत, द ग्रेट मराठा, मुजरिम हाजिर, नूरजहां जैसे सीरियल में काम किया। टीवी इंडस्ट्री में काम करने के दौरान उन्हें फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। 1988 में उन्होंने फिल्म 'खून भरी मांग' से डेब्यू किया। इसमें वह एक वकील के रोल में नजर आए थे। इसके अलावा उन्होंने घायल महिला, दयाबान, आजाद देश के गुलाम, प्यार का देवता, अकेला, दिल तेरा आशिक, दलाल, विश्वात्मा, निशाना जैसी फिल्मों में दमदार भूमिकाएं निभाई हैं। उन्होंने ज्यादातर फिल्मों में खलनायक की भूमिकाएं निभाई हैं। उन्हें आखिरी बार 2017 में आई फिल्म तूफान सिंह में देखा गया था।

सूडोकु नवताल- 6459

★★★★☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6458 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7206

मु	हु	मे	रि	दु	च	मे	ली	च	ट	जीं
मो	खु	क	च	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
ग	पी	जा	म्पा	र	ग	बा	द	ह	प	ल
रा	ग	ए	रा	ह	जा	रा	ल	ह	गु	प्रे
गु	ल	मो	ह	र	ह	ला	कि	यो	ला	प
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	ब	न
न	र	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	क्ति
क	रि	ज	र	य	र	क	म	ल	वि	रे
र	या	बा	नी	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	गं	व	शि	के	त	की	ल
बां	स	प	ज	न	धा	घ	गु	ड़	ह	ल

शब्दजाल में दस फूलों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

कमल,गुलाब,मोगरा,चमेली,चम्पा,हजारा, रजनीगंधा,केतकी,गुड़हल,गुलमोहर

शब्दजाल - 7205 का हल

गं	रा	जें	द्र	कु	मा	मो.	वा	ज	के.	यी
द	कि	ल	प्रे	व	जी	र	द	ह	ए	रा
वि	स	शो	म	त	ह	फी	म	ल	ल.	म
मि	स	स	र	दि	ल	ज	ध	क	स	दु
म	आ	चि	ग	कु	ज	त	तू	प	ह	प
हें	ल	न	र	दि	मा	उ	म	व	ग	मु
द्र	व	दे	फ्यू	जी	प	र	ज	ह	ल	के
क	एं	व	ई	द	ब	ई	डू	ए	मू	श
पू	ड	ब	फू	आ	शा	भो	स	ले	शी	द
र	गॉ	र्म	प	ल	ता	मं	गे	श	क	र
वि	ज	न	म	न्ना	डे	डि	त	ब	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6159

4		1	6		5	
	27	7	32		34	2
	3	2		5	7	
	37	6	33		29	3
	5			1		4
3	33	5	31	7	34	
1		4		2		6

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6158 का हल

1	3	2	4	5	7	6
2	25	7	32	4	36	2
7	2	1	6	3	5	4
3	31	6	32	6	33	5
4	5	3	6	1	2	7
5	37	5	31	7	30	3
6	5	4	3	2	7	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

आदिवासी समाज और भगवान जगन्नाथ के बीच है बहुत गहरा संबंध,केआईआईटी में खेल महोत्सव पर बोले धर्मेंद्र प्रधान

भुवनेश्वर।
ओडिशा में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि आदिवासी खेल महोत्सव आदिवासी खिलाड़ियों की प्रतिभा को प्रकाश में लाने का एक और साधन होगा। प्रधान ने कहा कि आदिवासी युवाओं और उनके बीच खेल को आगे ले जाने का यह प्रयास सराहनीय है। आदिवासी खेल महोत्सव में सभी राज्यों के युवाओं की भागीदारी एक श्रेष्ठ भारत के विजन को दर्शाती है। इसमें भाग लेने वाली युवा ऊर्जा केवल खिलाड़ी ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक दूत भी हैं। ओडिशा में आदिवासी समाज और भगवान जगन्नाथ के बीच बहुत गहरा संबंध है। हमारे आदिवासी समाज ने खेलो में अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है और हमेशा देश को गौरवान्वित किया है।

खेलोगे तो खिलोगे – प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति खेल और शिक्षा दोनों को महत्व देती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रोत्साहन का ही परिणाम है कि आज देश में खेलोगे तो खिलोगे जैसा माहौल बना है। खेल को व्यक्ति के समग्र विकास की बहुत आवश्यकता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम खेल और कौशल विकास को आगे बढ़ाने और शिक्षा के साथ कमाई करने के लिए कई नीतियां बना रहे हैं।

5 हजार एथलीटों ने लिया भाग – केआईआईटी यूनिवर्सिटी में पहला जनजातीय खेल महोत्सव बड़े ही भव्य आयोजन के साथ शुरू हुआ है। 12 जून तक चलने वाले इस भव्य खेल आयोजन में 26 राज्य के लगभग 5,000 आदिवासी एथलीटों और 1,000 अधिकारियों ने भाग लिया है।पारंपरिक खेलों और जनजातीय संस्कृति को बढ़ावा देने वाला यह अनोखा आयोजन संस्कृति मंत्रालय और ओडिशा सरकार की संयुक्त पहल से शुरू किया गया है।

कई वरिष्ठ अधिकारी भी रहे उपस्थित – उद्घाटन समारोह में ओडिशा के राज्यपाल प्रोफेसर गणेशी लाल, केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की, संस्कृति मंत्रालय में संयुक्त सचिव उमा नंदुरी और केआईआईटी और केआईएसएस यूनिवर्सिटी के सम्मानित संस्थापक डॉ अच्युता उपस्थित थे। केआईआईटी के लिए यह आयोजन बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसकी सहयोगी संस्था केआईएसएस में 30 हजार से ज्यादा आदिवासी बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाती है और इसने अनगिनत आदिवासी समुदायों को सशक्त बनाया है।

न्यूज ब्रीफ

एशिया कप- पाकिस्तान के प्रपोजल को मंजूरी संभवः भारत के मैच श्रीलंका में हो सकते हैं, फिर पाकिस्तान भी वर्ल्ड कप खेलने इंडिया आएगा

नई दिल्ली । एशियन क्रिकेट काउंसिल एशिया कप के लिए पाकिस्तान के क्रिकेट बोर्ड का प्रस्ताव मंजूर कर सकती है। प्रपोजल दिया है कि भारत के सभी मैच श्रीलंका में कराए जाएं और बाकी मुकाबले पाकिस्तान में हों। एसीसी एशिया कप को लेकर आधिकारिक ऐलान मंगलवार यानी 13 जून को कर सकती है। इसके बाद पाकिस्तान के भारत में वर्ल्ड कप खेलने का रास्ता भी साफ हो जाएगा। एसीसी एग्जीक्यूटिव बोर्ड के मेंबर ओमान क्रिकेट बोर्ड के चीफ पंकज खीमजी ने कबताया कि ज्यादातर देश हाईब्रिड मॉडल के खिलाफ हैं, लेकिन अभी स्थिति यह है कि पाकिस्तान-नेपाल, अफगानिस्तान-बांग्लादेश, अफगानिस्तान-श्रीलंका और श्रीलंका-बांग्लादेश के मुकाबले लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में कराए जाएं। एसीसी के एक मेंबर ने बताया, भारत और पाकिस्तान मैच के अलावा सुपर फोर के मुकाबले श्रीलंका के गाले मैदान पर खेले जा सकते हैं। एशिया कप सितंबर में हो सकता है। आईसीसी के सीईओ जिऑफ एलार्डिस और चेयरमैन ग्रेग बार्कले ने कराची में पीसीबी के चेयरमैन नजम सेठी से मुलाकात की थी। इस मीटिंग में ही यह स्पष्ट कर दिया गया था कि पाकिस्तान वर्ल्ड कप में खेलने के लिए कोई शर्त नहीं रखेगा, क्योंकि एशिया कप के 4 मैच उसके देश में ही कराए जाएंगे। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के कैलेंडर में 2023 में होने वाले एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को दी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कैलेंडर जारी होते ही यह साफ कर दिया था कि टीम इंडिया खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। एशिया कप किसी न्यूट्रल वेन्यू पर कराने को कहा था, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड नहीं माना।

वर्ल्ड नंबर-1 इगा तीसरी बार फ्रेंच ओपन जीतीं: 2007 के बाद किसी महिला खिलाड़ी ने खिताब बचाया; फाइनल में मुचोवा को हराया

पेरिस। वर्ल्ड नंबर-1 विमेंस टेनिस खिलाड़ी पोलैंड की इगा स्वियातेक ने फ्रेंच ओपन का खिताब जीत लिया है। वह तीसरी बार फ्रेंच ओपन के खिताब अपने नाम किया है। फाइनल में उन्होंने चेक गणराज्य की कैरोलिना

मुचोवा को 6-2, 5-7, 6-4 से हराया। पिछली बार की विजेता इगा स्वियातेक ने लगातार दूसरी बार फ्रेंच ओपन जीता है। यह 2007 के बाद पहला मौका है, जब किसी महिला खिलाड़ी ने टाइटल बचाया। तब बेल्जियम की जस्टिन हेनिन ने ऐसा किया था। स्वियातेक ओपन एरा में तीसरी महिला खिलाड़ी बनीं, जिन्होंने अपने शुरुआती चारों ग्रैंड स्लैम फाइनल जीते। उनसे पहले मोनिका सेलेस और नाओमी ओसाका ऐसा कर चुकी हैं।

एशियाई खेलों की तैयारियों के जर्मनी-स्पेन का दौरा करेगी भारतीय हॉकी टीम, सितंबर-अक्तूबर का है शेड्यूल

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम सितंबर-अक्तूबर में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी के तहत अगले महीने ट्रेनिंग और आमंत्रण टूर्नामेंट के लिए जर्मनी और स्पेन का दौरा करेगी। भारतीय टीम दौरे का आगाज जर्मनी के रसेलशेम (फ्रैंकफर्ट) में अभ्यास से करेगी। टीम इसके बाद 12 जुलाई से जर्मन और चीन के खिलाफ टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेंगी। जर्मनी दौरे के बाद टीम स्पेन के टेरेसा में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और स्पेन के खिलाफ चार देशों के टूर्नामेंट में भाग लेगी। एशियाई खेलों का आयोजन पिछले साल होना था लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे इस साल के लिए स्थगित कर दिया गया था। इन खेलों का आयोजन 23 सितंबर से आठ अक्तूबर तक चीन के हांग्झोऊ होगा। महिला टीम के इस एक्पोजर दौरे का आयोजन खेल मंत्रालय की वित्तीय मदद से हो रहा है। जिसमें टीम और सहायक कर्मचारियों की हवाई यात्रा, वीजा शुल्क, 'बोर्डिंग एवं लॉजिंग', भोजन व्यय, स्थानीय परिवहन और अन्य लागतें शामिल होंगी।

भारत लगातार दूसरी बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल हारा

कंगारुओं ने 209 रन से हराया, ऑस्ट्रेलिया सभी आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बनी

लंदन।
टीम इंडिया लगातार दूसरी बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मैच हार गई है। टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 209 रनों से हराया। 444 रन का टारगेट चेज करते हुए भारतीय टीम आखिरी दिन के पहले सेशन में 234 ऑलआउट हो गई। दूसरी पारी में भारत का कोई बैटर 50+ का स्कोर नहीं कर सका। विराट कोहली (49 रन) टॉप स्कोरर रहे। लंदन के द ओवल मैदान पर ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी 270/8 के स्कोर पर घोषित की और भारत को जीत के लिए 444 रन का टारगेट दिया। भारतीय टीम पहली पारी में 296 रन पर ऑलआउट हो गई, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में 469 रन ऑलआउट हुई थी।

पहला दिन

ऑस्ट्रेलिया 327/3, शतकवीर हेड-स्मिथ नाबाद लौटे पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीन विकेट पर 327 रन बनाए थे। टीम की ओर ट्रेविस हेड 146 और स्टीव स्मिथ 95 रन पर नाबाद लौटे।

दूसरा दिन

भारत का टॉप ऑर्डर फेल, कोई 20 का आंकड़ा पार नहीं कर सका 469 रन के स्कोर के जवाब में भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहले तो रोहित और गिल ने कुछ अच्छे शॉर्ट्स दिखाए, लेकिन दोनों ओपनर्स अपनी पारी को बढ़ा नहीं सके। पहले रोहित शर्मा 15 रन बनाकर पैट कमिंस का शिकार बने। फिर गिल भी 13 रन के निजी स्कोर पर रोहित के पीछे-पीछे चल दिए। यहां पुजारा और कोहली से उम्मीदें थीं, लेकिन ये दोनों दिग्गज भी 14-14 रन बनाकर चलते बने। 71 पर चार विकेट गंवाने के बाद रहाणे-जडेजा ने 100 बॉल पर 71 रन की पार्टनरशिप कर कुछ देर भारतीय पारी को बिखरने से रोका। जडेजा अर्धशतक से महज दो रन दूर थे, तभी लायन ने उन्हें स्मिथ के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेज दिया।

तीसरा दिन

जडेजा-ठाकुर ने फॉलोऑन से बचाया वर्ल्ड टेस्ट

चैंपियनशिप के फाइनल के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने भारत पर 296 रनों की लीड हासिल कर ली है। टीम ने स्टंप्स तक दूसरी पारी में 4 विकेट पर 123 रन बनाए। मार्नस लाबुशेन 41 और कैमरन ग्रीन 7 रन पर नाबाद लौटे। इससे पहले, भारत पहली पारी में 296 रनों पर ऑलआउट हुआ।

चौथा दिन

भारत जीत से 280 रन दूर कंगारुओं ने 123/4 के स्कोर से चौथे दिन की शुरुआत की। विकेटकीपर एलेक्स कैरी 66 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि मार्नस लाबुशेन और मिचेल स्टार्क ने एक समान 41-41 रन बनाए। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने तीन, मोहम्मद शमी और उमेश यादव को दो-दो विकेट मिले।

दूसरी पारी में कैसे गिरे भारत के विकेट

पहला: बोलैंड की बाहर जाती गुड लेंथ बॉल बल्ले का बाहरी किनारा लेकर थर्ड स्लिप पर गई, जिसे ग्रीन ने एक हाथ से कैच किया। ऐसा लगा कि बॉल घास को छू गई है, ऐसे में फील्ड अंपायर ने अपील थर्ड अंपायर के पास भेजी और परामर्श मांगा। यहां थर्ड अंपायर ने गिल को आउट करार दिया। बाद में इस कैच पर कंट्रोवर्सी हुई। दूसरा: नाथन लायन की मिडिल स्टंप से बाहर जाती बॉल पर स्वीप करने के चक्कर में रोहित शर्मा आउट हो गए। भारतीय कप्तान 43 रन बनाकर आउट हुए। यहां भारत को दूसरा झटका लगा। तीसरा: पैट कमिंस की शार्ट पिच बॉल पर पुजारा अपरकट करना चाहते थे, लेकिन बॉल बल्ले का निचला किनारा छूकर विकेटकीपर एलेक्स कैरी के दस्तानों में चली गई। चौथा: स्कॉट बोलैंड ने विकेट कोहली को स्लिप पर स्टीव स्मिथ के हाथों कैच कराया। पांचवां: बोलैंड ने लेफ्टी बैटर रवींद्र जडेजा को ऑउट स्विंग बॉल डाली, यह बॉल बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर एलेक्स कैरी के दस्तानों में चली गई। छठा: रहाणे गुड लेंथ से बाहर जाती छठे स्टंप की बॉल को खेलना चाहते थे, लेकिन बॉल बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों चली गई। स्टार्क को पहला विकेट मिला। सातवां: लायन ने गुड लेंथ की ऑफ स्टंप बॉल अंदर की ओर टर्न कराई, ठाकुर इसे समझ नहीं सके और बॉल पैड से टकराई। ठाकुर जीरो पर आउट हुए। आठवां: मिचेल स्टार्क ने उमेश यादव को बाउंसर डाली, जो एज लेकर विकेटकीपर एलेक्स कैरी के पास चली गई, कैरी ने जंप लगाकर कैच किया। नौवां: नाथन लायन ने विकेटकीपर श्रीकर भरत को कॉट एंड बोल्ड कर दिया। दसवां: लायन की बॉल पर सिराज रिवर्स स्वीप करना चाहते थे और उन्हें स्कॉट बोलैंड ने बैकवर्ड पॉइंट्स पर कैच किया।

दोनों कप्तानों का 50वां टेस्ट

संयोग की बात है, यह दोनों ही टीमों के कप्तानों का 50वां टेस्ट है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस एक साथ 50वां टेस्ट मैच खेल रहे हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, केएस भरत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, शार्दूल ठाकुर, मोहम्मद शमी, उमेश यादव, मोहम्मद सिराज।

ऑस्ट्रेलिया: पैट कमिंस (कप्तान), डेविड वार्नर, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), नाथन लायन, मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड।

मैनचेस्टर सिटी का ट्रेबल पूरा, इंटर मिलान को 1-0 से हराकर पहली बार चैंपियंस लीग जीती

इस्तांबुल ।
मैनचेस्टर सिटी ने चैंपियंस लीग का खिताब जीत लिया है। इस्तांबुल में खेले गए फाइनल मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी ने इंटर मिलान को 1-0 से शिकस्त दी और पहली बार चैंपियंस लीग का खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही सिटी ने अपना ट्रेबल पूरा कर लिया है। चैंपियंस लीग से पहले यह टीम इसी सीजन इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) और मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर एफए कप की ट्रॉफी जीती थी। मैनचेस्टर सिटी ट्रेबल पूरा करने वाला इंग्लैंड का दूसरा क्लब है। मैनचेस्टर यूनाइटेड ट्रेबल जीतने वाला इंग्लैंड का पहला क्लब था, उसने 1998-1999 में एक ही सीजन में तीन खिताब जीते थे। इंटर मिलान के खिलाफ फाइनल में मैनचेस्टर सिटी के लिए इकलौता गोल रोड्री ने 68वें मिनट में किया। मैच के पहले हाफ में टीम के प्रमुख मिडफील्डर केविन डी ब्रूइन के चोटिल होने के बावजूद सिटी ने जीत हासिल की। इसके साथ ही टीम ने यूरोपीय फुटबॉल के शिखर तक पहुंचने की अपनी महत्वाकांक्षा हासिल कर ली। मैनचेस्टर सिटी ने पहली बार यूरोपीय फुटबॉल की सबसे बड़ी क्लब प्रतियोगिता जीती, लेकिन इस टीम के कोच पेप गार्डियोला ने तीसरी बार यह ट्रॉफी उठाई है। मैनचेस्टर सिटी ने इंग्लिश फुटबॉल में कई खिताब अपने नाम किए हैं, लेकिन अब तक चैंपियंस लीग का खिताब नहीं जीत पाई थी। इस बार मैनचेस्टर सिटी ने शानदार प्रदर्शन से खिताब पर कब्जा कर ही लिया। इससे पहले टीम 2021 के फाइनल में हारकर खिताब से वंचित रह गई थी। चेल्सी ने लीग में 2021 के फाइनल में सिटी को हराया था। चैंपियंस लीग में विश्व के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल क्लब खेलते हैं। इंटर मिलान का पिछले 13 साल से चैंपियंस लीग का खिताब जीतने का सपना इस बार भी पूरा नहीं हो सका। इटली की इस टीम ने आखिरी बार 2010 में बायर्न म्यूनिख को हराकर चैंपियंस लीग का खिताब जीता था। तब यह यह टीम चैंपियंस लीग का खिताब नहीं जीत पाई है। हालांकि इंटर मिलान के लिए यह सीजन शानदार रहा है और उसने दो खिताबी ट्रॉफी जीती हैं। उसने कोप्पा इटालिया और सुपरकोप्पा इटालियाना के खिताब जीते हैं। जबकि सिरी-ए में टीम तीसरे स्थान पर रही। इंटर मिलान तीन बार इस ट्रॉफी को अपने नाम कर चुका है।

36 साल के जोकोविच 23वें ग्रैंडस्लैम से एक जीत दूर, फाइनल में 24 वर्षीय रुड से मुकाबला

पेरिस ।
सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच रविवार को 24 साल के कैस्पर रुड के खिलाफ फ्रेंच ओपन में पुरुष एकल के फाइनल में भिड़ेंगे तो उनकी कोशिश 23वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने की रहेगी। 36 साल के जोकोविच अगर यह खिताब जीत लेते हैं तो सर्वाधिक एकल ग्रैंडस्लैम खिताब जीत लेंगे और इस मामले में स्पेनिश खिलाड़ी राफेल नडाल (22 ग्रैंडस्लैम) को पीछे छोड़ देंगे। जोकोविच के लिए यह राह आसान नहीं होगी और उन्हें रुड की कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। हालांकि रुड फाइनल में अपनी हार के खराब रिकॉर्ड को सही करना चाहेंगे। वह इस टूर्नामेंट में पिछले साल फाइनल में पहुंचे थे जहां उन्हें शिकस्त का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा वह पिछले यूएस ओपन के फाइनल में भी हार गए थे। उन्होंने सेमीफाइनल में ज्वेरेव को 6-3, 6-4, 6-0 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया था। नोवाक जोकोविच का प्रदर्शन फ्रेंच ओपन में बाकी ग्रैंड स्लैम की तुलना में उतना बेहतर नहीं रहा है। वह अब तक दो बार ही यह खिताब जीत पाए हैं। आखिरी बार 2021 में वह फ्रेंच ओपन जीते थे। हालांकि, कैस्पर रुड के खिलाफ उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। दोनों खिलाड़ियों के बीच चार मैच हुए हैं और हर बार जोकोविच ने जीत हासिल की है।

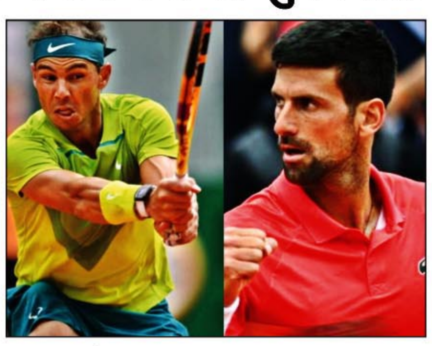

जोकोविच का फाइनल तक का सफर

पहले दौर में कोवासेविक को 6-3, 6-2, 7-6 से हराया।, दूसरे दौर में फुकसोविक्स को 7-6, 6-0, 6-3 से मात दी।, तीसरे दौर में फोकिना को 7-6, 7-6, 6-2 से पराजित किया।, चौथे दौर में वरिलास को 6-3, 6-2, 6-2 से शिकस्त दी।, क्वार्टर फाइनल में खचानोव को 4-6, 7-6, 6-2, 6-4 से परास्त किया, सेमीफाइनल में अल्कारेज को 6-3, 5-7, 6-1, 6-1 से हराया

रुड का फाइनल तक का सफर

पहले दौर में यमेर को 6-4, 6-3, 6-2 से हराया।, दूसरे दौर में जेपिएरी को 6-3, 6-2, 4-6, 7-5 से मात दी।, तीसरे दौर में झांग को 4-6, 6-4, 6-1, 6-4 से पराजित किया।

यूरोप के क्लबों को चुनौती देने के लिए आयरलैंड तैयार: हर फुटबॉल क्लब के पास कृत्रिम सरफेस, जिसे बदला भी जा सकेगा

डबलिन।
फुटबॉल के दीवाने यूरोप में आयरलैंड इस खेल में पिछड़ रहा है। इसकी वजह 25 साल पुराना इंफ्रास्ट्रक्चर है। प्रैक्टिस के लिए न खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं मिल पा रही हैं और न ही स्टेडियम में दर्शकों के बैठने के लिए ही पर्याप्त व्यवस्था है। 7 हजार 658 करोड़ रुपए ग्राउंड में सुविधा बढ़ाने के लिए किए जाएंगे खर्च खुद फुटबॉल एसोसिएशन ऑफ आयरलैंड (एफएआई) ने कहा है कि खिलाड़ियों के लिए चेंजिंग रूम तक नहीं हैं। मेडिकल और स्पोर्ट्स साइंस जैसी सुविधाएं तक नहीं हैं। ग्राउंड के आर्टिफिशियल सरफेस खराब हो गए हैं। इसलिए आयरलैंड ने पूरे देश में फुटबॉल इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करने का फैसला लिया है। इसमें हर फुटबॉल क्लब के पास कृत्रिम सरफेस होगा, जिसे

बदला भी जा सकेगा। इसके लिए 7 हजार 658 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। सरकार ग्राउंड में सुविधा बढ़ाने के लिए 4 हजार 580 करोड़ रुपए देगी इसमें से 4 हजार 580 करोड़ रुपए सरकार देगी। वहीं, 1535 करोड़ रुपए स्थानीय प्रशासन, शैक्षणिक और स्वास्थ्य संस्थाओं से मिलेंगे, जबकि 1535 करोड़ रुपए एफएआई को फीफा और यूएफा के जरिए खुद ही जुटाने होंगे। दरअसल, अगले 15 साल में देश का फुटबॉल इंफ्रास्ट्रक्चर इतना आधुनिक बनाने की योजना है कि आयरलैंड के क्लब यूरोप के दूसरे फुटबॉल क्लबों को चुनौती दे सकें। खिलाड़ियों को बेहतरीन सुविधाएं मिल सकें और उन्हें प्रैक्टिस के लिए वर्ल्ड क्लास माहौल मिले। यहां आयरलैंड फुटबॉल फैसिलिटी फंड तैयार करने का भी प्रस्ताव है, ताकि खिलाड़ियों को भविष्य में भी किसी तरह की जरूरत हो या फिर स्टेडियम और दूसरी सुविधाएं बढ़ानी हो तो फंड की कमी न रहे।

2002 वर्ल्ड कप के बाद आयरलैंड की टीम नहीं खेली है वर्ल्ड कप

एफएआई नया फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर बनाना चाहता है क्योंकि पुराना ट्रेनिंग सेंटर यूरोप के दूसरे ट्रेनिंग सेंटरों के मुकाबले कहीं नहीं टिकता। एसोसिएशन देश में फुटबॉल की ऐसी इंटरनेशनल टीम तैयार करना चाहता है जो इंटरनेशनल टूर्नामेंट में ट्रॉफी हासिल कर सके। आयरलैंड की महिला टीम ने इस बार वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर लिया था, लेकिन पुरुष टीम आखिरी बार 2002 में ही वर्ल्ड कप में नजर आई थी।

सरकारी शिक्षक गरीब घरों की लड़कियों को तराश कर बना रहे खिलाड़ी

सीवान।

बिहार के सीवान जिले के मैरवा में खेतों के बीच बने मैदान में 16 वर्षीय श्रुति कुमारी के साथ कई लड़कियां फुटबॉल के साथ आगे-पीछे दौड़ रही हैं। कभी लड़कियां फुटबॉल को किक मार रही हैं तो दो लड़कियां बारी-बारी से गोल पोस्ट के अंदर फुटबॉल को जाने से रोक रही हैं। कुछ ही दूरी पर बेस बॉल के साथ लडकियां मैदान पर पसीना बहा रही हैं।

खेल के क्षेत्र में कुछ कर गुजरने के तमन्ना लिए ये निर्धन परिवार की बेटियां सुबह और शाम इसी खेल मैदान में प्रैक्टिस करती हैं। यहां प्रतिदिन करीब 90 से 100 लडकियां आती हैं और अपने सपने को पूरा करने में जुटी हैं।

पटना से करीब 150 किलोमीटर दूर सीवान के

मैरवा में रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्टस एकेडमी इन ग्रामीण लड़कियों को न केवल सपना दिखा रहा है बल्कि उनके सपनों को पूरा भी करा रहा है। 2009 से प्रारंभ इस एकेडमी ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी दिए। यहां से निकली कई लडकियों को आज खेल कोटे से सरकारी नौकरी भी मिल गई है।

आपको जानकर यह आश्चर्य होगा कि इस एकेडमी के संस्थापक संजय पाठक खुद इसके कर्ताधर्ता हैं। सबसे गौर करने वाली बात है कि पाठक का खेल से कोई नाता नहीं है, वे आदर्श मध्य विद्यालय में सामाजिक विज्ञान के शिक्षक हैं।

संजय बताते हैं कि गुठनी के एक स्कूल से उनका स्थानांतरण 2009 में शिक्षक के तौर पर मैरवा में हुआ। इसी दौरान पंचायत स्तर पर एक खेल प्रतियोगिता का आयोजन होना था स्कूल के छठी क्लास की दो छात्रा तारा खातून और पुतुल कुमारी दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेना चाहती थीं। इसके लिए मैंने प्रशिक्षण की व्यवस्था की और यह प्रयास रंग लाया।

ये दोनों लड़कियां प्रखंड स्तर पर गोल्ड जीत लाई थीं, फिर दोनों का चयन जिले के लिए हुआ वहां भी उन्होंने खेला और स्टेट लेवल पर सिल्वर और गोल्ड जीता। बाद में ये लड़कियां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश के लिए खेलीं।

संजय बताते हैं कि इसके बाद मुझे महसूस हुआ कि यहां की ग्रामीण परिवेश की लडकियों में उड़ने की क्षमता है, बस उन्हें उत्साहित करने और आसमान दिखाने की जरूरत है। उसी समय मैंने यहां की लड़कियों को प्रशिक्षित करने का बीड़ा उठाया।

शुरू में स्कूल के मैदान से ही इसकी शुरूआत कर दी। उन्होंने कहा कि हालांकि यह इतना आसान नहीं था। ग्रामीण परिवेश में लड़कियों को हाफ पैंट पहनने का विरोध प्रारंभ हुआ। स्कूल के खेल मैदान को छोड़कर खेतों को मैदान बनाया गया और फिर एकेडेमी की शुरूआत कर दी गई। उन्होंने बताया कि जमीन तो अपनी थी लेकिन अन्य व्यवस्था करने में पप्रतिशती के गहने तक बिक गए।

वे कहते हैं कि इसके लिए मैंने भी यूट्यूब से मदद ली और खेल की बारीकियों को सीखा। उन्होंने कहा कि फिलहाल इस एकेडमी में 90 से 100 लड़कियां हैं, जिसमें 45 आवासीय सुविधा के तहत यहीं रहती हैं। वे यहां पढ़ाई भी करती हैं और खेल भी रही हैं।

संजय का दावा है कि उनकी इस एकेडमी से निकलकर एक दर्जन से ज्यादा लड़कियां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जा चुकी हैं तो 60 से अधिक राष्ट्रीय खिलाड़ी निकल चुकी हैं, जबकि बेहतर प्रदर्शन करने वाली डेढ़ दर्जन से अधिक लड़कियां भारतीय रेलवे, एसएसबी और अन्य विभागों में तथा राज्य सरकारों के भी विभिन्न दफ्तरों में खेल कोटे से नौकरी कर रही हैं।

शिबू कुमारी (15) बिहार टीम की ओर से त्रिपुरा में आयोजित हुए राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में खेल चुकी हैं। साबरा खातून बिहार जूनियर फुटबॉल टीम की कप्तान भी रह चुकी हैं जिसकी कप्तानी में बिहार ने रजत पदक प्राप्त किया।

अमृता कुमारी अंडर 14 राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए चुनी गई। इसके अलावा अमृता अंडर 16 में भारतीय टीम की कप्तानी भी की।

उन्होंने कहा कि प्रारंभ में तो सबकुछ घर से लगा, लेकिन जब यहां की लडकियां निकलने लगी तब लोगों का ध्यान इस ओर गया। आज आम लोगों के अलावे कई कंपनियां भी मदद देती हैं।

डिंपल भी कुछ कहता है...

मुस्कराते या हंसते समय गालों में गड्ढ़े यानी डिंपल पड़ते हैं उन्हें ब्यूटी स्पॉट के तौर पर देखा जाता है। वैसे तो ये गड्ढ़े लड़के और लड़कियों के समान रूप से पड़ते हैं लेकिन लड़कियों के बारे में शास्त्रों और पुराणों के हैरान करने वाले मत हैं। विष्णु पुराण में बताया गया है हंसते वक्त जिन कन्याओं की गालों में गड्ढ़े पड़ते हैं वे सुखी वैवाहिक जीवन व्यतित करती हैं। पति-पत्नी के संबंधों में लव, केयर और रोमांस हमेशा बना रहता है लेकिन ससुराल से संबंधित एक मामले में डिंपल अशुभ माना जाता है। पुराणों में वर्णित है गालों में गड्ढ़े पड़ने वाली लड़की की

सास स्वर्गवासी होती है और अगर हो भी तो सास-बहू का साथ अधिक दिनों तक नहीं रहता। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार शुक्र अर्थात वीनस को स्त्री, विवाह सुख, आभूषण, भौतिक सुख सुविधाओं का कारक ग्रह माना जाता है। ज्योतिष में शुक्र ग्रह से लव रिलेशनशिप, परफ्यूम, इत्र, अच्छे कपड़े, सुन्दरता, सजावट, नृत्य, संगीत, गाना बजाना, विलासिता, कलात्मक गुण, आदि गुण देखे जाते हैं। लाइफ पार्टनर से सुख कुंडली में शुक्र की स्थिति पर निर्भर करता है। शुक्र का शुभ प्रभाव व्यक्ति को रोमांटिक बनाता है। ज्योतिषशास्त्री कहते हैं कि जन्म से ही गालों में गड्ढे होने से शुक्र मजबूत स्थिति में होता है।

किस दिन कैसे मोजे पहने...?

शास्त्रों में शनि को सबसे असाधारण ग्रह कहा गया है। जो समय आने पर व्यक्ति को रंक से राजा और राजा से रंक बना देता है। कई ज्योतिषविदों और दर्शन शास्त्रीयों ने शनि को क्रूर, पापी निर्दयी ग्रह कहकर संबोधित किया है लेकिन शिव भक्त शनिदेव भगवान शंकर द्वारा निहित जगत के न्यायाधीश हैं जो व्यक्ति को उसके कर्म अनुसार फल देते हैं। शास्त्रों ने शनि की कृपा प्राप्त करने के लिए कुछ सरल और आसान उपाय बताएं हैं जिसके पीछे बहुत गहन अध्ययन और वैज्ञानिक कारण भी हैं। कुछ विशेष उपाय अपनाकर शनि कृपा पाई जा सकती है

- शनिवार को पांव में काले मोजे पहनने से शनि का प्रभाव सातवें भाव में आ जाता है।
- बुधवार के दिन नीले मोजे पहनने से शनि का प्रभाव भाग्य को प्रबल कर देता है।
- मंगलवार के दिन सफेद मोजे शनि के प्रभाव में तेजी लाते हैं और कारोबार में बढ़ौतरी होती है।
- रविवार को खाकी मोजे पहनने से व्यक्ति को अकस्मात अर्थिक लाभ मिलता है।
- सोमवार को लाल मोजे पहनने से शनि व्यक्ति को आत्मशांति प्रदान करते हैं।
- गुरूवार के दिन हरे मोजे पहनने से व्यक्ति चिंताओं से मुक्ति पाता है।
- शुक्रवार को ग्रे रंग के मोजे पहनने से व्यक्ति को दलाली के कामों में सफलता मिलती है।

> अगर आप सच के साथ हैं तो आप हमेशा आराम में रहते हैं और अगर आप झूठ के साथ हैं तो आपको हरदम, रात-दिन मेहनत करनी पड़ती है। आपको अपना झूठ नींद में भी याद रखना पड़ता है। सपने में भी आप वही देखते हैं, क्योंकि अगर आपने इसे हर पल याद नहीं रखा तो वह मिट जाएगा और सच सामने आ जाएगा। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। अगर यह किसी चीज का जाल होता तो आप उससे जूझकर उससे आगे निकल जाते, लेकिन यह झूठ का जाल तो ऐसी चीजों का बना है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।

ईमानदार होना मुश्किल क्यों...?

कई ऐसे सच होते हैं, जिनके दूसरों के सामने आने से हम डरते हैं। कभी-कभी तो खुद भी स्वीकार नहीं करते। ये राज भीतर ही भीतर हमें खाए जाते हैं। हम दोहरी जिंदगी जीते चले जाते हैं। बात छोटी हो या बड़ी, ये छोटे-बड़े झूठ हमें मुक्त नहीं होने देते, हमें डराते हैं, हमें कमजोर बनाए रखते हैं। बहुत से लोग हैं, जो दोहरी जिंदगी जीते हैं और बनावट की चादर ओढ़कर खुद में घुटते रहते हैं। एक कहावत आपने सुनी ही होगी- 'सच छिपता नहीं बनावट के उसूलों से, झूठ बिकता नहीं झूठी दलीलों से', यानी सच पर कितने ही पहरे बिठाए जाएं, वह एक न एक दिन बाहर आ ही जाता है। जीत हालांकि सच की ही होती है, लेकिन किस कीमत पर? किसी बात को अपने भीतर छिपाने की शर्म बीमारी, डिप्रेशन, चिंता, गुस्सा या किसी और दर्दनाक तरीके से अभिव्यक्त होती है। किसी भयानक राज को खुद तक सीमित रखना भी खुद को सजा देना जैसा है। अगर आप किसी और की जिंदगी जी रहे हैं, झूठ बोल रहे हैं, आधा सच ही बयां कर रहे हैं, तो यह जिंदगी को खुशमिजाजी और जिंदादिली से जीने में कहीं न कहीं जरूर रुकावट डालेगा। आखिर ईमानदार होना इतना मुश्किल कैसे हो जाता है, जबकि हम सभी सच की अहमियत से वाकिफ हैं। हम सभी बचपन से सच बोलने के आदर्श पाठ सुनते आए हैं, लेकिन फिर भी हम झूठ बोलते ही रहते हैं।

बड़ों की राह पर बच्चे भी

बच्चे मन के सच्चे होते हैं, हमें भले ही लगे कि हम उन्हें धोखा दे रहे हैं, लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है। वे हमारे झूठ पहचान लेते हैं और किसी मुश्किल में पड़ने पर वे भी इसी आसान राह पर चलने का प्रयास करते हैं। बच्चे निश्छल होते हैं, इसलिए झूठ बोलते समय सकुचाते भी हैं। पर बड़े माहिर हो जाते हैं। झूठ की बुनियाद पर बहुत से लोग बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी कर देते हैं और सच उनके डर व अहंकार के नीचे कहीं दब सा जाता है।

ऐसे मिलेगा सुकून

हम क्या हैं, यह साफगोई से बता देने में भी कई तरह की चुनौतियां खड़ी होती हैं। कड़वे सच न पचा पाने वाले अक्सर ऐसे लोगों को नकारते हैं, उनका विरोध करते हैं और कई बार उनकी जान के दुश्मन भी बन जाते हैं। लेकिन इन मुश्किलों के बावजूद सच छिपाना इंसान के लिए कहीं ज्यादा मुश्किल हो सकता है। कभी-कभी ऐसी स्थिति भी आती है कि झूठ का बोझ उठाकर लोग इतना उकता चुके होते हैं कि वे हर कीमत पर सच बयां कर देना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में लगता है कि सिर्फ सच बयां करके ही सुकून मिलता है। पर आप सच के साथ खड़े हों, भले ही इसके कारण आपको शर्मिंदगी महसूस हो, आपकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाए या फिर आपको इसकी सजा मिले। ऐसा इसलिए, क्योंकि सच बोलने के साथ दिल का बोझ खत्म होने से आपका दुःख भी बहुत हद तक हल्का हो जाता है। आप तकलीफ सहने के लिए खुद को सक्षम बनाने लगते हैं।

कर लें खुद को तैयार

अगर आप महीनों से या सालों से किसी राज को खुद में दफन कर जी रहे हैं, तो आप सच को किस तरह स्वीकार करेंगे और उसे अपनी जिंदगी में पनाह देंगे? यह बहुत कुछ आपके राज या झूठ की गहराई पर निर्भर करता है। लंबे वक्त तक किसी झूठ को जीना जैसे कि किसी का सामान चुराना या किसी को धोखा देना जैसी चीजों को स्वीकार करने के लिए भी खुद को मानसिक रूप से तैयार करने की जरूरत होती है। झूठ चाहे छोटा हो या बड़ा, उससे अपनी शख्सियत को पूरी तरह मुक्त कर लेने पर ही आजादी और सुकून मिलता है।

जल्द स्वीकार करें

अगर आपने झूठ बोला है तो जल्द से जल्द उसे स्वीकार कर लें और उसके लिए माफी मांग लें। सच की बुनियाद आपके अंदर साहस पैदा कर आपको अंदर से मजबूत बना देगी। अगर आपको लगता है कि आपके सच बोल देने से किसी इंसान की जिंदगी बर्बाद हो सकती है तो आप किसी सलाहकार की मदद लें कि आपको सच बताना चाहिए अथवा नहीं। अगर हकीकत किसी को जिंदगी भर के लिए दर्द दे सकती है तो उसे उस व्यक्ति को जाहिर न करना ही उचित है, लेकिन स्वयं आपके लिए किसी सलाहकर से यह सच बांटना बेहद जरूरी है।

खुद को तलाशें

अगर आप किसी और की जिंदगी जी रहे हैं तो उचित यह होगा कि आप खुद को तलाशें और खुलकर अपनी असल शख्सियत दूसरों के सामने जाहिर करें। आप खुद से सवाल करें कि आपको क्या अच्छा लगता है और क्या अच्छा नहीं लगता, क्या सच लगता है और क्या झूठ, किस चीज से आपको खुशी और ऊर्जा मिलती है और किस चीज से आप दूर रहना चाहते हैं। इससे आपकी तमाम दुविधाएं दूर हो जाएंगी। यह भी सच है कि कृत्रिम, भौतिकवादी और अहंकार को तुष्ट करने वाले जीवन से कभी संतोष नहीं मिल सकता।

तो होंगे गंभीर परिणाम

अगर आप झूठ बोलकर किसी का फायदा उठा रहे हैं तो झूठ बोलने की तरह इसके परिणाम भी गंभीर हो सकते हैं और आपका आत्मसम्मान दांव पर लग सकता है। झूठ के दलदल में फंस जाने के बावजूद सच के उजाले को खुद तक पहुंचने दीजिए, यह किसी ठंडी छांव की तरह आपको तरावट दे जाएगा। जिंदगी में कभी ऐसे मौके भी आते हैं, जब झूठ का सहारा लेना जरूरी हो जाता है। अगर झूठ बोलने से किसी की जिंदगी बचाई जा सके, किसी को हताशा के अंधकार में डूबने से बचाया जा सके, नाउम्मीद हो चुके इंसान के अंदर जीने की ललक जगाई जा सके, तो ऐसा झूठ बोलना बुरा नहीं है।

मजबूत लोग

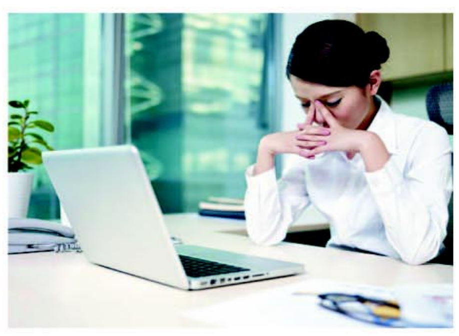

चोट अगर हाथ में लगी है तो घाव भी हाथ का ही साफ करना होगा, पैर का नहीं। गड़बड़ी यदि भीतर की है तो दुनिया को चुप कराने से क्या हासिल होगा। मान-अपमान जब अपने मन में है तो समाधान भी वहीं ढूंढ़ना होगा। - कई बार मजबूत बनना ही जिंदगी को आगे बढ़ाने का एकमात्र विकल्प होता है। हर दिन जीवन को साधने का संघर्ष करना ही पड़ता है। ऐसे में मजबूत अपने दर्द व आंसुओं को छुपाने वाले नहीं, उन्हें गले लगाने वाले होते हैं। जो दर्द महसूस करते हैं, उसे समझते हैं और उसे स्वीकार करते हुए आगे बढ़ते हैं। किसी ने कहा है कि अक्सर सुबह मजबूत दिख रहे लोग वे होते हैं, जिनकी रात रोते हुए बीती होती है।

घाटे के सौदे

कई लोग छोटी बातों पर शोर मचाने लगते हैं और बड़ी बातों पर चुप रह जाते हैं। छोटे से लाभ के फेर में अक्सर घाटे के सौदे कर लेते हैं। चंद जरूरतें, स्वार्थ और डर के पिंजरे में खुद को कैद रख हर रोज कई खुशियों की तिलांजलि दे रहे होते हैं। जर्मन मूल के अमेरिकी उपन्यासकार चार्ल्स ब्यूकोस्की कहते हैं कि बड़े अजीब हैं हम। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा होते रहते हैं।

झूठ के लिए करना पड़ती है मेहनत...

झूठ एक विशेष योग्यता है। अगर आपको झूठ का जाल बुनना है, तो आपको बहुत कुछ करना पड़ता है। सत्य वह है, जिसे कोई निपट मूर्ख भी कर सकता है, क्योंकि इसमें कुछ भी करने की जरूरत नहीं होती। सत्य को बनाए रखने की जरूरत नहीं होती, जबकि असत्य की काफी देखभाल करनी पड़ती है। इसके लिए आपके पास काबिलियत होनी ही चाहिए। असत्य की जड़ क्या है? कहां से वो सारी चीजें शुरू होती हैं, जो सत्य नहीं है? दरअसल, जब सूक्ष्म व अभौतिक, भौतिक के संपर्क में आता है तब असत्य शुरू होता है। सूक्ष्म- जो भौतिक नहीं है, कुछ समय तक भौतिक के संपर्क मे रहने के बाद यह मानने लगता है कि यह भौतिक ही है। इस दुनिया में रहने वाला कोई भी आध्यात्मिक इंसान कुछ समय के बाद यह सोचने लगता है कि वह एक सांसारिक प्राणी है, जो आध्यात्मिक होने की कोशिश कर रहा है। सच तो यह है कि आप आध्यात्मिक होने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, बल्कि आप आध्यात्मिक ही हैं। समय के साथ-साथ आपने सांसारिक वस्तुओं को इकट्ठा कर लिया और अब आपको लगता है कि आप सांसारिक हैं। यह एक झूठ है। आप आध्यात्मिक ही हैं। आप कुछ और नहीं हो सकते।

पहचान बना लेना

अगर कुल मिलाकर देखें तो समस्या पहचान बनाने की है। आप किसी चीज के साथ अपनी पहचान बना लेते हैं और दिमाग का स्वभाव कुछ ऐसा है कि इसे आप जो भी पहचान देंगे, यह भरोसा करने लगता है कि यह वही है। अगर आप खुद को मोर मान लेंगे तो आप उसी की तरह व्यवहार करने लगेंगे। आपका दिमाग आपको यह भरोसा दिला देगा कि आप वही हैं। एक बार अगर पहचान बन गई तो असुरक्षा की भावना आ जाएगी, क्योंकि झूठ की हमेशा रक्षा करनी पड़ती है और उसका पोषण भी करना पड़ता है। अगर आप किसी से झूठ बोलते हैं तो आपको हर पल उस झूठ को याद रखना पड़ता है, क्योंकि अगर आपसे किसी ने अचानक कुछ पूछ लिया तो आप कहीं कुछ और न बता बैठें।

याद रखना पड़ता है झूठ

अगर आप सच के साथ हैं तो आप हमेशा आराम में रहते हैं और अगर आप झूठ के साथ हैं तो आपको हरदम, रात-दिन मेहनत करनी पड़ती है। आपको अपना झूठ नींद में भी याद रखना पड़ता है। सपने में भी आप वही देखते हैं, क्योंकि अगर आपने इसे हर पल याद नहीं रखा तो यह मिट जाएगा। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। अगर यह किसी चीज का जाल होता तो आप उससे जूझकर उससे आगे निकल जाते, लेकिन यह जाल तो ऐसी चीजों का बना है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।

जितना जूझेंगे उतना उलझेंगे

झूठ से आप कैसे जूझेंगे? आप इससे जितना उलझेंगे, यह असत्य उतना ही वास्तविक होता जाएगा। जैसे ही आप अपनी पहचान बना लेते हैं, आपका दिमाग उसके इर्द-गिर्द काम करने लगता है और असत्य का एक जाल बुन लेता है, ऐसी चीजों का जाल जिनका सच्चाई से कोई वास्ता नहीं, बल्कि यों कहें कि जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। आप इससे जितना उलझेंगे, यह असत्य उतना ही वास्तविक होता जाएगा। अगर कल सुबह आप कहें क्या आपने लाल मोर देखा? देखा आपने लाल मोर? आप इस बात को बार-बार कहिए और फिर देखिए लोग लाल मोर देखना शुरू कर देंगे। दिमाग का स्वभाव ही ऐसा है कि आप इससे कुछ भी मनवा सकते हैं। यह दिमाग की खूबसूरती भी है और यही इसका खतरा भी। यह खुद अपनी एक दुनिया रच लेता है। अगर यह काम सचेतन होकर किया जाए तो यह दुनिया बड़ी खूबसूरत होगी और अगर आप इसके जाल में फंस गए तो यह बहुत भद्दी होगी।

पानी के चौकाने वाले तथ्य...

पानी के बारे में एक नहीं, कई चौंकाने वाले तथ्य हैं। विश्व में और विशेष रुप से भारत में पानी किस प्रकार नष्ट होता है इस विषय में जो तथ्य सामने आए हैं उस पर जागरुकता से ध्यान देकर हम पानी के अपव्यय को रोक सकते हैं। अनेक तथ्य ऐसे हैं जो हमें आने वाले खतरे से तो सावधान करते ही हैं, दूसरों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और पानी के महत्व व इसके अनजाने स्रोतों की जानकारी भी देते हैं। प्रकृति के खजाने से हम जितना पानी लेते हैं, उसे वापस भी हमें ही लौटाना है। हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते अतः प्राकृतिक संसाधनों को दूषित न होने दें और पानी को व्यर्थ न गंवाएं यह प्रण लेना आज के दिन बहुत आवश्यक है।

पानी की बर्बादी

मुंबई में रोज वाहन धोने में ही 50 लाख लीटर पानी खर्च हो जाता है। दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइप लाइनों के वॉल्व की खराबी के कारण रोज 17 से 44 प्रतिशत पानी बेकार बह जाता है।

कितना पानी काम का

हमारी पृथ्वी पर एक अरब 40 घन किलो लीटर पानी है। इसमें से 97.5 प्रतिशत पानी समुद्र में है, जो खारा है, शेष 1.5 प्रतिशत पानी बर्फ के रूप में ध्रुव प्रदेशों में है। इसमें से बचा एक प्रतिशत पानी नदी, सरोवर, कुओं, झरनों और झीलों में है जो पीने के लायक है। इस एक प्रतिशत पानी का 60 वां हिस्सा खेती और उद्योग कारखानों में खपत होता है। बाकी का 40 वां हिस्सा हम पीने, भोजन बनाने, नहाने, कपड़े धोने एवं साफ-सफाई में खर्च करते हैं।

भारत और इजराइल

इजराइल में औसतन मात्र 10 सेंटीमीटर वर्षा होती है, इस वर्षा से वह इतना अनाज पैदा कर लेता है कि वह उसका निर्यात कर सकता है। दूसरी ओर भारत में औसतन 50 सेंटीमीटर से भी अधिक वर्षा होने के बावजूद अनाज की कमी बनी रहती है।

पानी के लिए हत्याएं

पिछले 50 वर्षों में पानी के लिए 37 भीषण हत्याकांड हुए हैं। भारतीय नारी पीने के पानी के लिए रोज ही औसतन चार मील पैदल चलती है। पानीजन्य रोगों से विश्व में हर वर्ष 22 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

कितना पानी खर्च

यदि ब्रश करते समय नल खुला रह गया है, तो पांच मिनट में करीब 25 से 30 लीटर पानी बर्बाद होता है। बाथ टब में नहाते समय 300 से 500 लीटर पानी खर्च होता है, जबकि सामान्य रूप से नहाने में 100 से 150 पानी लीटर खर्च होता है। विश्व में प्रति 10 व्यक्तियों में से 2 व्यक्तियों को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल पाता है।

नदियों में प्रदूषण

प्रति वर्ष 3 अरब लीटर बोतल पैक पानी मनुष्य द्वारा पीने के लिए प्रयुक्त किया जाता है। नदियां पानी का सबसे बड़ा स्रोत हैं। जहां एक ओर नदियों में बढ़ते प्रदूषण रोकने के लिए विशेषज्ञ उपाय खोज रहे हैं वहीं कारखानों से बहते हुए रसायन उन्हें भारी मात्रा में दूषित कर रहे हैं। ऐसी अवस्था में जब तक कानून में सख्ती नहीं बरती जाती, अधिक से अधिक लोगों को दूषित पानी पीने का समय आ सकता है।

कितना पानी चाहिए

पीने के लिए मानव को प्रतिदिन 3 लीटर और पशुओं को 50 लीटर पानी चाहिए। 1 लीटर गाय का दूध प्राप्त करने के लिए 800 लीटर पानी खर्च करना पड़ता है। एक किलो गेहूं उगाने के लिए 1 हजार लीटर और एक किलो चावल उगाने के लिए 4 हजार लीटर पानी की आवश्यकता होती है। इस प्रकार भारत में 83 प्रतिशत पानी खेती और सिंचाई के लिए उपयोग किया जाता है।

आलस्य से निपटना जरूरी...

आलस्य क्या है, असलियत में थकने से पहले थक जाना, कुछ नया करने से बचना, अनावश्यक रूप से धैर्यवान होना या फिर चीजों को टालते रहने की एक प्रवृत्ति। वैसे आलस कुछ और नहीं खुद से अनजान होना भी है और अगर आप अपने जरूरी काम आसानी से पूरे कर लेते हैं, तो आलस जिंदगी को सुकून से जीना और अपने हर काम को आनंद से करना भी है।

आलस दो तरह का होता है। पहला, आप पहले मेहनत करके अपना काम पूरा करते हैं और फिर कुछ समय बिना कुछ किए आलस में बिताना चाहते हैं। दूसरा, जहां जब कुछ करने के लिए कोई प्रेरणा ही नहीं होती। आप कुछ न कर पाने के कारण बेचैन तो रहते हैं, पर वह जोश नहीं होता जो काम तक ले जाए। आप जानते ही नहीं कि क्या करना चाहते हैं? इस हाल में लंबे समय तक हमारा कुछ न करना, कामों को टालना, रोजमर्रा के कामों को मजबूरी मानते हुए करना और कुछ नहीं धीरे-धीरे पल रही निराशा का संकेत है। इससे आप अपना समय कम मेहनत वाली और उबाऊ चीजों में बिताने लगते हैं। इस आलस्य से निपटना बेहद जरूरी है।

विशेषता, चुनाव या बहाना?

मनोविज्ञान के अनुसार, व्यक्तित्व केवल गुण और दोष से मिलकर नहीं बनता। हमारी जरूरत, काम, मकसद और मंजिल भी इससे जुड़े होते हैं। जो है, केवल वह नहीं, जो कर रहे हैं वह भी व्यक्तित्व है। ऐसे में यह सोचना होता है कि आलस, विशेषता है, चुनाव है या फिर बहाना। साइकोएनालिटिक साइकोथेरेपिस्ट कहते हैं कि आलस की जरूरत से ज्यादा आलोचना की जाती है। आलसी का ठप्पा लगा देने से इस बात को समझने में कतई मदद नहीं मिलती कि कोई व्यक्ति क्यों वह काम नहीं कर रहा, जो वह करना चाहता है या उसे करना चाहिए।

कई तरह के छिपे डर

साइकोथेरेपिस्ट आलस के पीछे कई तरह के छिपे डर भी बताते हैं। कुछ न करना, असफल व सफल होने का डर, दूसरों की अपेक्षाएं, असंतुष्टि, प्रेरणा की कमी व बहस बाजी से बचने की कोशिश में ओढ़ा गया लबादा भी होता है। इस तरह आलस को समस्या मानने की जगह उसे अन्य समस्याओं के लक्षण के तौर पर समझना चाहिए। यह इस ओर भी इशारा करता है कि आप सोचते हैं कि स्थितियों को बदला नहीं जा सकता।

वजह को ढूंढना जरूरी

यह सच है कि आलस की वजह को न ढूंढना और लंबे समय तक जरूरी कामों से बचते रहना करियर, रिश्तों और जिंदगी के रस को कम कर सकता है। एक समय के बाद लगातार काम करते रहने से बचना खुशी से ज्यादा दर्द देने लगता है। धीरे-धीरे बचे हुए कामों का ढेर आपको अपने बारे में, अपने कामों और रिश्तों बारे में खराब महसूस कराने लगता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**